खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 17 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु. । वर्ष-6 । अंक-317

सबसे कम उम्र की कैरोलिन बनी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव, ट्रंप ने की तारीफ कहा- वह स्मार्ट, सख्त और प्रभावी कम्युनिकेटर

वॉशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप अपने नए कार्यकाल के लिए अपनी टीम तैयार कर रहे हैं। ट्रंप ने इस टीम में 27 साल की कैरोलिन लेविट को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव बनाया है। इस पद पर पहुंचने वाली वह अब तक की सबसे युवा इंसान बन गई हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड रिचर्ड निक्सन के कार्यकाल में रोनाल्ड ज़िग्लर के नाम था, जो 29 साल की उम्र में प्रेस सचिव बने थे।

कैरोलिन की नियुक्ति के बाद ट्रंप ने उन्हें स्मार्ट, सख्त और प्रभावी कम्युनिकेटर बताते हुए तारीफ की। उन्होंने कहा कि कैरोलिन ने मेरे ऐतिहासिक अभियान में बेहतरीन काम किया। मुझे पूरा यकीन है कि वह प्रेस ब्रीफिंग में अपनी क्षमता साबित करेंगी और हमारे संदेश को प्रभावी ढंग से अमेरिकी लोगों तक पहुंचाएंगी।

न्यू हैम्पशायर की रहने वाली कैरोलिन राष्ट्रपति ट्रंप की कट्टर समर्थक हैं और टीवी पर होने वाली बहसों में रिपब्लिकन का आक्रामक बचाव करने के लिए जानी जाती हैं।

कैरोलिन 2024 के राष्ट्रपति अभियान से पहले सुपर पीएसी के प्रवक्ता के रूप में काम करती थी। ट्रंप के पहले कार्यकाल में कैरोलिन ने व्हाइट हाउस प्रेस कार्यालय में काम किया था। इसके बाद वह न्यूयॉर्क की कांग्रेस महिला एलिस स्टेफनिक की संचार निदेशक बन गई थीं। 2022 में उन्होंने न्यू हैम्पशायर से कांग्रेस का चुनाव लड़ा, लेकिन डेमोक्रेटिक उम्मीदवार क्रिस पप्पास से हार गईं थीं।

कैरोलिन की नियुक्ति से युवा नेताओं को राजनीति में भागीदारी के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। ट्रंप का यह कदम दिखाता है कि युवा नेतृत्व को अवसर दिया जाना चाहिए। पिछले प्रेस सचिवों जैसे सीन स्पाइसर और सारा हकाबी सैंडर्स अपनी आक्रामक शैली के लिए जाने जाते थे। कैरोलिन की नियुक्ति के साथ यह देखना दिलचस्प होगा कि वह इस भूमिका में कैसे नया दृष्टिकोण लाती हैं।

न्यूज ब्रीफ

चीन के हैकर्स ने अमेरिकी दूरसंचार कंपनी टी-मोबाइल के नेटवर्क पर सेंध लगाई

वाशिंगटन। चीन के हैकर्स ने प्रसिद्ध अमेरिकी दूरसंचार कंपनी टी-मोबाइल के नेटवर्क पर सेंध लगाई है। इसे चीन के साइबर जासूसी ऑपरेशन का हिस्सा बताया गया है। वायरलेस नेटवर्क ऑपरेटर टी-मोबाइल का मुख्यालय वाशिंगटन के बेलेव्यू में है। द वाल स्ट्रीट जर्नल की खबर में यह खुलासा संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई), साइबर सुरक्षा और सुरक्षा एजेंसी (सीआईएसए) की पड़ताल में हुआ है। इसमें कहा गया कि चीन के हैकर्स ने टी-मोबाइल के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार कंपनियों के नेटवर्क को भी हैक करने कोशिश की। हालांकि यह साफ नहीं हो सका कि हैकर्स टी-मोबाइल के कितने ग्राहकों का डेटा चुराने में कामयाब हुए। सीआईएसए ने इस बारे में संयुक्त बयान भी जारी किया है। सीआईएसए ने कहा कि चीन के हैकर्स का लक्ष्य विशेष रूप से अमेरिकी सरकार या राजनीतिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों की संवेदनशील जानकारी प्राप्त करना था। बयान में प्रभावित व्यक्तियों की पहचान का खुलासा नहीं किया गया। सीआईएसए का कहना है कि जांच अभी बंद नहीं हुई है। आगामी दिनों में और भी नया खुलासा हो सकता है। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि चीन लंबे समय से अनेक माध्यमों से अमेरिका के वाणिज्यिक दूरसंचार बुनियादी ढांचे को लक्षित कर रहा है।

बांग्लादेश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद फजलुल करीम का निधन

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद फजलुल करीम (81 वर्ष) का आज तड़के राजधानी ढाका के बांग्लादेश स्पेशलाइज्ड अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने 8 फरवरी, 2010 से 29 सितंबर, 2010 तक बांग्लादेश के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। वह बांग्लादेश न्यायिक सेवा वेतन आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफअत अहमद ने न्यायमूर्ति फजलुल करीम के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। सुप्रीम कोर्ट रिपोर्टर्स फोरम ने भी अपनी संवेदना व्यक्त की है। जस्टिस फजलुल करीम का जन्म 30 सितंबर, 1943 को चटगांव के पटिया उपजिला के सुचक्रदांडी गांव में हुआ था। उन्होंने 1964 में ढाका विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। 1965 में चटगांव जिला न्यायाधीश न्यायालय में एक वकील के रूप में अपना करियर शुरू किया।

आतंकी संगठन टीटीपी ने पाकिस्तान के लिए बढ़ाई मुसीबत, सेना प्रमुख की बढ़ी चिंता

इस्लामाबाद। आतंक की फैक्ट्री चलाने वाला पाकिस्तान खुद ही आतंकवाद से घिरा हुआ है। उसके लिए आतंकी संगठन टीटीपी ने कई तरह की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। खुद सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने देश में बढ़ती आतंकी घटनाओं पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का आतंकवाद सभी वैश्विक आतंकवादी संगठनों और उनके छद्म संगठनों का केंद्र बन गया है। इस्लामाबाद में मर्गल्ला डायलॉग 2024 के विशेष सत्र में शांति और स्थिरता में पाकिस्तान की भूमिका विषय पर उन्होंने संबोधित किया। इस दौरान सीमा की स्थिति पर चर्चा करते हुए थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मुनीर ने कहा कि पश्चिमी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए व्यापक सीमा प्रबंधन व्यवस्था लागू की गई है। इस संगोष्ठी का आयोजन इस्लामाबाद पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईपीआरआई) की ओर से किया गया था जनरल मुनीर ने कहा कि खवारिज का खतरा दुनिया भर के सभी आतंकवादी संगठनों और उनके समर्थकों के लिए एक केंद्र बन गया है। पाकिस्तान को उम्मीद है कि अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकवादियों की ओर से किए जाने पर रोक लगाएगी और इस संबंध में सख्त कदम उठाएगी। मालूम हो कि पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के आतंकवादियों के लिए खवारिज शब्द का प्रयोग करता है। बता दें कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को बम विस्फोट हुआ था।

इजराइल के हवाई हमले में ईरान का न्यूक्लियर फैसिलिटी तबाह

तेहरान, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

पिछले महीने इजराइली हमले में ईरान का न्यूक्लियर फैसिलिटी पूरी तरह बर्बाद हो गया है। इजरायली मीडिया रिपोर्ट में दो अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि हमले में तेहरान के पास स्थित पारचिन में सीक्रेट न्यूक्लियर रिसर्च फैसिलिटी को नष्ट कर दिया गया।

इस हमले में विस्फोटकों को आकार देने और परीक्षण करने के लिए आवश्यक जटिल उपकरण तबाह हो गए हैं, जो परमाणु शृंखला प्रतिक्रिया शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण है। 2003 में सैन्य परमाणु कार्यक्रम को बंद करने से पहले ईरान ने इस उपकरण का इस्तेमाल किया था। अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों के अनुसार, पिछले एक साल में ईरान ने परमाणु हथियारों से जुड़ा रिसर्च फिर से शुरू किया है। इजरायली अधिकारियों ने कहा कि अगर ईरान परमाणु हथियार विकसित करने का फैसला करता है तो उसे नष्ट किए गए उपकरणों को बदलने की जरूरत पड़ेगी।बता दें कि इजरायल ने अक्टूबर के आखिर में ईरान के ऊपर बड़ा हवाई हमला किया था, जिसमें ईरान की सैन्य सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इसे इजरायल का ईरान पर सबसे बड़ा हमला बताया गया था, जिसमें 100 से ज्यादा लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि, ईरान ने किसी भी बड़े नुकसान से इनकार किया था। लेकिन अब इजरायली अधिकारियों ने दावा किया है कि हमले में ईरान की सीक्रेट न्यूक्लियर रिसर्च सुविधा को निशाना बनाया गया था, जिसने शिया देश की परमाणु बम बनाने की क्षमता को काफी हद तक रोक दिया है। इजरायल ने ईरान के जिस पारचिन सैन्य परिसर को निशाना बनाया, उसके अंदर ही तालेघन 2 न्यूक्लियर फैसिलिटी है, जिसका उपयोग 2003 से पहले परमाणु उपकरण के लिए विस्फोटकों के परीक्षण के लिए किया जाता था। ईरान ने 2003 में सैन्य परमाणु कार्यक्रम को रोक दिया था, इसके बाद से ही उपकरण साइट पर रखे थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने का लिया संकल्प

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इस युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। ट्रंप ने युद्ध में मौत पर अफसोस भी जताया। ट्रंप अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट के लिए अपने मार-ए-लागो एस्टेट आवास में आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन पश्चिम एशिया में शांति लाने के लिए भी काम करेगा। ट्रंप की पहली सार्वजनिक सभा 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के चुनावों में शानदार जीत के बाद ट्रंप ने पहली बार सार्वजनिक रूप से सभा की। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन को रुकना होगा। मैंने आज एक रिपोर्ट देखी। पिछले तीन दिन में हजारों लोग मारे गए। ट्रंप ने कई बार कहा है कि उनकी प्राथमिकता युद्ध को समाप्त करना तथा यूक्रेन को दी जा रही सैन्य सहायता के रूप में हो रही अमेरिकी संसाधनों की बर्बादी को रोकना है। व्हाइट हाउस में सेवाएं दे चुकीं लीजा कर्टिस ने कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के प्रति अच्छी भावनाएं रखते हैं और उनके पहले कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के संबंधों में जो प्रगति हुई थी, वह उसे वहीं से आगे बढ़ाने की दिशा में कदम उठा सकते हैं। कर्टिस ने कहा कि ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और उनके बीच व्यक्तिगत संबंध भी हैं। कर्टिस वर्तमान में थिंकटैंक सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी में वरिष्ठ फेलो और हिंद प्रशांत सुरक्षा कार्यक्रम की निदेशक हैं।

चेउंग को व्हाइट हाउस संचार प्रमुख नियुक्त किया गया

न्यूयॉर्क, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के नया चर्चित विकल्प अमेरिकन नरी संगठन का सिख प्रधानाध्यापक, देव चेउंग, अब पूरी क्षमता से दिखने वाले हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चेउंग को व्हाइट हाउस का संचार प्रमुख नियुक्त किया है।

उनकी स्थिति के सफलतापूर्वक अनुभव का होना एक सुनिश्चित नजरिए से है। चेउंग ने विभिन्न कार्यक्षेत्रों में अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन किया है और इस क्षेत्र में उनका नाम गर्व से उच्च स्थान रखता है। चेउंग ने अपने सशक्त बयानों और व्यापक अनुभव से ट्रंप के चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके संचार कौशल और जानकारी की कीमतने चुनावी अभियान में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने में मदद की। उन्होंने अपने काम का प्रकार दर्शनीय बनाया है जो उन्हें इस स्थानीय सेवा नियुक्ति में लाए गए है।

चेउंग के नियुक्ति से उम्मीद है कि वे व्हाइट हाउस के संचार प्रमुख के रूप में अपने शक्तिशाली और निष्क्रिय क्रियाकलापों से इस क्षेत्र में जोर देंगे। उनकी योगदान से समाचार और संचार के क्षेत्र में नए दिशानिर्देश मिलेंगे और राष्ट्र को ऐसे उदाहरणों की ओर मोड़ने में मदद मिलेगी। चेउंग के नियुक्ति का होना एक महत्वपूर्ण कदम है जो उनके और उनके संगठन की योजनाएँ और मार्गदर्शन को नए ऊर्जावान और सकारात्मक दृष्टिकोण से संदर्भित करेगा। चेउंग की सफलता और उसका योगदान संचार क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मानचित्रा गोश्ती के रूप में माना जाएगा।

चेउंग ने अपने सशक्त बयानों और अनुभव से ट्रंप के चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

सुनीता विलियम्स के लिए बड़ा संकट: इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में आ गईं दरारें, कई जगह हुआ लीकेज

वॉशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

बीते कई महीनों से अंतरिक्ष में काम कर रहीं सुनीता बिलियम्स की वापसी को लेकर दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। माना जा रहा था कि अगले साल उनकी धरती पर वापसी हो जाएगी, लेकिन आईएसएस में दरारें और लीकेज ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। यहां पिछले पांच साल से हल्का लीकेज जारी था। हालांकि अब पता चला है कि कम से कम 50 जगहों पर लीकेज की समस्या है। इसके अलावा आईएसएस में दरारें भी आ रही हैं। नाआस की एक जांच रिपोर्ट लीक हो गई जिसमें पता चला कि आईएसएस पर खतरा मंडरा रहा है। साथ ही सुनीता विलियम्स समेत यहां के अंतरिक्षयात्रियों की भी जान पर बनी हुई है।

सबसे पहले लीकेज स्पेस स्टेशन में मौजूद यवेज्दा मॉड्यूल से शुरू हुई थी जो कि डॉकिंग पोर्ट तक जाने के लिए एक सुरंग है। इस हिस्सा का कंट्रोल रूस के हाथ में है। हालांकि इस समस्या को लेकर असली वजह क्या है, इसपर नासा और रूसी एजेंसी रोसकॉमोस के बीच अभी सहमति नहीं बन पाई है। नासा के अंतरिक्षयात्री बॉब कैबाना ने कहा कि स्पेस एजेंसी ने इस लीकेज को लेकर चिंता जाहिर की है। कैबाना ने कहा कि लीकेज को रोकने के लिए ऑपरेशन चलाना कुछ समय के लिए राहत दिला सकता है लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। अमेरिका का कहना है कि यह सुरक्षित नहीं है। सबसे पहले 2019 में लीकेज का पता चला था। इसके बाद अप्रैल 2024 से रोज 1.7 किलो की दर से हवा लीक होने लगी। आम तौर पर आईएसएस में सात से 10 अंतरिक्षयात्री रहते हैं। रूस के इंजीनियर्स ने माइक्रो वाइब्रेशन की बात कही है। इस खतरे को टालने के लिए नासा ने कुछ कदम उठाए हैं। इसके अलावा यहां मौजूद अंतरिक्षयात्रियों को भी अतिरिक्त सावधानी रखने की सलाह दी गई है। रूस ने पृथ्वी की कक्षा में घूमते लैब में माइक्रो वाइब्रेशन का भी दावा किया है।

ऑस्ट्रेड ने व्यापार, शिक्षा और एफएनबी को प्रदर्शित करते हुए ऑस्ट्रेलिया का उत्सव आयोजित किया

हैदराबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई व्यापार और निवेश आयोग (ऑस्ट्रेड) ने शनिवार को यहां ङ्कऑस्ट्रेलिया का उत्सवफ नामक अपनी तरह का पहला चार-शहरी शोकेस आयोजित किया। इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के संस्थानों, विश्वविद्यालयों, खुदरा और अन्य व्यापार भागीदारों को एक ही मंच पर लाया गया और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए ऑस्ट्रेलिया के प्रीमियम एफएंडबी उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।इस उत्सव ने भारतीय छात्रों और अभिभावकों को ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों से सीधे जुड़ने और ऐसे पाठ्यक्रमों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान किया जो उन्हें अपने करियर और सीखने के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेंगे।इस अवसर पर ऑस्ट्रेलियाई सरकार, व्यापार और निवेश आयोग वी.आई.के. सिंह, व्यापार और निवेश आयुक्त, वाणिज्य दूत रामकृष्ण दस्तराला, ऑस्ट्रेलियाई सरकार के व्यापार और निवेश निदेशक कल्पेश शाह, उद्यमी वी.आई.के. सिंह, श्रीमती खान और संगीता कृष्णमूर्ति, वरिष्ठ निदेशक, व्यापार और निवेश आदि उपस्थित थे।इस कार्यक्रम में भारतीय स्कूलों, ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों और उद्योग भागीदारों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ एक पैनल चर्चा भी शामिल थी, ताकि यह समझा जा सके कि भावी छात्र वास्तव में विदेशी विश्वविद्यालय से क्या चाहते हैं ताकि वे विदेश में अध्ययन करने के अपने निर्णय को बेहतर बना सकें।मुंबई और हैदराबाद के बाद ऑस्ट्रेड 18 नवंबर को बेंगलुरु और 20 नवंबर को कोच्चि में महोत्सव का आयोजन करेगा।

पाकिस्तान के मुल्तान में एक्यूआई 2000 व लाहौर में 1600, दोनों शहरों में हेल्थ इमरजेंसी

इस्लामाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दूषित हवा से कोहराम मचा हुआ है। हाल यह है कि मुल्तान में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सारी हदें पार कर 2000 से ऊपर चला गया। राजधानी लाहौर में यह 1600 है। प्रांत सरकार को आनन-फानन में हेल्थ इमरजेंसी लगाते हुए पूर्ण लॉकडाउन लगाना पड़ा।

पंजाब सरकार ने लाहौर और मुल्तान में स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर शुक्रवार रात से रविवार तक पूर्ण लॉकडाउन लगा दिया। प्रांतीय मंत्री मरियम औरंगजेब ने संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। साथ ही लाहौर और मुल्तान में निर्माण गतिविधियों पर भी 10 दिनों के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रांत के सभी स्कूल (जिला मुरी को छोड़ कर) 24 नवंबर तक बंद रहेंगे। लाहौर और मुल्तान में कॉलेज और विश्वविद्यालय ऑनलाइन कक्षा आयोजित करेंगे।

उन्होंने कहा कि निजी और सरकारी कार्यालय 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ वर्क फ्रॉम होम के मोड में संचालित होंगे। रेस्तरां शाम चार बजे तक संचालित होंगे। फिलहाल शादियों पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। सरकार के प्रतिबंधों को शुक्रवार देर रात प्रांतीय पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने अधिसूचित किया। इसमें कहा गया है कि लाहौर और मुल्तान में भारी परिवहन वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

मरियम औरंगजेब ने कहा कि सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से अस्पताल कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। उन्होंने नागरिकों को मास्क पहनने और मोटरसाइकिल पर अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। उन्होंने स्मॉग को स्वास्थ्य संकट बताते हुए कहा कि प्रदूषण अब पंजाब के अन्य जिलों को भी प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि लाहौर में 12 एक्यूआई कैलकुलेटर लगाए गए हैं और इस साल पूरे पंजाब में 50 और लगाए जाएंगे। मंत्री औरंगजेब ने कहा कि स्मॉग छह महीने या एक साल में गायब नहीं होगा। सरकार इससे निपटने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपाय कर रही है। लगभग 800 ईंट भट्टियां ध्वस्त कर दी गई हैं। शुक्रवार को सरकार ने स्थानीय तकनीक से कृत्रिम बारिश का सफल परीक्षण किया है। मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि झेलम, चकवाल, तालागांग और गुजर खान में किए गए क्लाउड सीडिंग प्रयोग के परिणामस्वरूप झेलम और गुजर खान में बारिश हुई। अब लाहौर में बारिश होने की भी प्रबल संभावना है।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 17 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-317

दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय की जेहादी कारस्तानी

धर्म बदलो नहीं तो रेप होगा, मुंह पर तेजाब डाला जाएगा

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

देश की राजधानी दिल्ली के शीर्ष शैक्षणिक संस्थान जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय प्रबंधन की जेहादी कारस्तानी का खुलासा हुआ है। विश्वविद्यालय के कर्मचारी हों या शिक्षक, उनसे इस्लाम कबूल करने को कहा जाता है, अन्यथा उनका करियर नष्ट करने की धमकी दी जाती है। जामिया में गैर-मुसलमानों के साथ होने वाले भेदभाव और उनपर डाले जाने वाले धर्मांतरण के दबाव को लेकर एक 65 पेज की फैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट सामने आई है। यह रिपोर्ट कॉल फॉर जस्टिस ट्रस्ट की छह सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम द्वारा तैयार की गई है, जिसमें गैर मुस्लिम फैकल्टी, छात्र, पूर्व छात्र और कर्मचारियों से बात करके निष्कर्ष दिए गए हैं। कॉल ऑफ जस्टिस ट्रस्ट की फैक्ट फाइंडिंग टीम द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट को निष्कर्ष तक पहुंचने में 3 महीने से ज्यादा का समय लगा। इसे दिल्ली हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एसएन ढींगरा के नेतृत्व में तैयार किया गया। छह सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम में दिल्ली पुलिस के पूर्व आयुक्त एसएन श्रीवास्तव भी शामिल थे। जामिया में हो रही इस जेहादी कारस्तानी की पूरी रिपोर्ट प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एवं अन्य संबद्ध विभागों को भेजी गई है। हैरान करने वाली इस रिपोर्ट में विश्वविद्यालय से जुड़े 27 लोगों की गवाही है, जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, स्टाफ, छात्र और पूर्व छात्र शामिल हैं।

भुक्तभोगियों ने विश्वविद्यालय में हो रहे भेदभाव के बारे में बताया कि कैसे विश्वविद्यालय में उन्हें आगे बढ़ने के लिए इस्लाम कबूलने का दबाव बनाया जाता है और जो ऐसा नहीं करते उन्हें अनगिनत प्रताड़नाएं दी जाती हैं और उनका करियर नष्ट किया जाता है। कॉल फॉर जस्टिस की रिपोर्ट में धर्म के नाम पर दिए जा रहे आपराधिक दबाव से जुड़े 27 मामलों में अधिकतर घटनाएं गैर मुस्लिमों के धर्मांतरण या धर्मांतरण के लिए डाले गए दबाव से ही संबंधित हैं।

गवाह नंबर-1 के अनुसार वह जामिया में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। विश्वविद्यालय में उन्हें मुसलमान बनाने की तमाम कोशिशें हुई।

▶10पर

शिक्षकों-कर्मचारियों पर दबाव : करियर बनाना है तो इस्लाम कबूलना होगा

दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज के नेतृत्व में छह सदस्यीय जांच दल की रिपोर्ट

सरकारी योजनाओं में घुसपैठ कर रहा अलकायदा नेटवर्क

पीएम किसान सम्मान निधि से खरीदे जा रहे हथियार

किसान बन कर भर रहे फॉर्म ले रहे सरकार का पैसा

सरकारी धन के आतंकी इस्तेमाल का शातिराना प्लान

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस ने खुलासा किया है कि हाल ही में पकड़े गए अल कायदा के आतंकी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पैसे का इस्तेमाल हथियार खरीदने में और जेहाद का एजेंडा पूरा करने के लिए कर रहे थे। पकड़े गए आतंकियों में दो लोग पीएम किसान सम्मान निधि के लाभार्थी हैं और उन्होंने सरकार से खेती-किसानी के लिए मिला पैसा आतंकियों के हथियार खरीदने के लिए दिया था।

झारखंड और राजस्थान से पकड़े गए अल कायदा मॉड्यूल के आतंकियों की जांच में यह तथ्य सामने आया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल इस मामले की जांच कर रही है। दिल्ली पुलिस ने यह जानकारी अदालत को भी दी है। दिल्ली पुलिस को जानकारी मिली है कि कुछ और लोगों ने आतंकियों के कहने पर पीएम किसान निधि योजना का फॉर्म भरा है। पुलिस को संदेह है कि बड़ा नेटवर्क तैयार करके सरकार से मिलने वाला पैसा आतंकी फंडिंग में लगाने का व्यापक कुचक्र चल रहा है। दिल्ली पुलिस पीएम किसान निधि का फॉर्म भरने वालों की स्क्रूटिनी कर रही है।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार 11 आतंकियों में से 8 की रिमांड दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट से 6 दिनों के लिए मांगी थी। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया कि इस मामले के गवाह ने आतंकी फंडिंग गतिविधि में और लोगों के शामिल होने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि पीएम किसान निधि सम्मान योजना के तहत छोटी जोत वाले किसानों को 6000 रुपए प्रतिवर्ष दिए जाते हैं। यह पैसा तीन किश्तों में दिया जाता है। इस योजना को 2019 में लाया गया था। सरकार ने किसानों को खाद-बीज खरीदने और उनकी लागत कम करने के लिए योजना शुरू की थी। लेकिन आतंकियों ने इसका इस्तेमाल अपने मंसूबे के लिए

▶10पर

आयुष्मान योजना में घोटाले के लिए आजमाया बर्बर तरीका

दर्जनों स्वस्थ ग्रामीणों की कर दी हार्ट सर्जरी, दो की मौत

19 ग्रामीणों की जान खतरे में एक डॉक्टर गिरफ्तार

अस्पताल का चेयरमैन, कई डॉक्टर, सीईओ फरार

अहमदाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

अहमदाबाद के ख्याति अस्पताल में आयुष्मान योजना का पैसा हड़पने के लिए डॉक्टर ने दर्जनों स्वस्थ मासूम ग्रामीणों को धोखे में रख कर उनकी हार्ट सर्जरी कर डाली। दो किसानों की मौत हो गई है। 19 ग्रामीणों की हालत नाजुक है। मुख्य आरोपी डॉ. प्रशांत वजीरानी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दो मरीजों की मौत के बाद गुजरात सरकार ने अस्पताल के डॉक्टर और डायरेक्टर के साथ तीन अन्य के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज की है। एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद 19 रोगियों की सेहत को खतरे में डालने के आरोपी डॉ. प्रशांत वजीरानी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घोटाले में एक अन्य डॉक्टर संजय पटोलिया पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका राजकोट तथा सूरत के अस्पतालों से कनेक्शन है। ख्याति अस्पताल पर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत गड़बड़ी करके पैसा लेने का आरोप है। यह गड़बड़ी एकदम स्वस्थ लोगों की फर्जी सर्जरी करवा कर की गई। इस सर्जरी को आयुष्मान योजना के तहत दिखाया गया और फिर इसका बिल सरकार से ले लिया गया। जांच में सामने आया कि अस्पताल के कहने पर जिन मरीजों ने एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी कराई थी, उनको कोई पहले से स्वास्थ्य समस्या नहीं थी और उन्हें किसी इलाज की भी जरूरत नहीं थी। सोला सिविल अस्पताल के सीडीएमओ डॉ. प्रकाश मेहता ने अब इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाई है।

▶10पर

हैदराबाद के भाजपा सांसद विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा

मुस्लिम महिलाओं को उनका हक देगा वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक

हैदराबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

देशभर में वक्फ बोर्ड की मनमानियों के बीच हैदराबाद से भाजपा के सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि केंद्र सरकार के द्वारा प्रस्तावित वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक-2024 मुस्लिमों के खिलाफ नहीं है। इस विधेयक का उद्देश्य संवैधानिक विसंगतियों और वक्फ भूमि नियमों के दुरुपयोग को संबोधित करना है।

भाजपा सांसद ने कहा कि गुटला बेगमपेट में वक्फ बोर्ड ने 90 एकड़ जमीन पर मनमाने तरीके से कब्जा कर लिया है। विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि

शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में पेश किए जाने वाले वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक से वक्फ से जुड़े मामलों में वैधता और निष्पक्षता आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह कानून मुस्लिम महिलाओं को अधिकार उनका अधिकार प्रदान करेगा। वक्फ सम्पत्तियों के संबंध में अवैध प्रथाओं पर रोक लगाएगा। विश्वेश्वर ने स्पष्ट किया कि इस्लामिक देशों में वक्फ सम्पत्तियों पर सरकार का नियंत्रण है, न कि किसी धर्म का।

जब से केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड की मनमानी पर रोक लगाने के लिए वक्फ संशोधन विधेयक-2024 उसके बाद से तो वक्फ बोर्ड बौखला गया। उसकी बौखलाहट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वो उसका जहां भी और जिस भी जमीन पर उसका मन होता है वो वहीं पर अपना दावा ठोक देता है। इसी तरह से हाल ही में तेलंगाना के मेडचल मलकाजगिरी जिले के मलकाजगिरी में 750 एकड़ जमीन पर

▶10पर

झांसी अस्पताल में लगी आग से 10 शिशुओं की मौत, 16 गंभीर

झांसी, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के झांसी मेडिकल कॉलेज में कल रात करीब 11 बजे नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई। केंद्र में भर्ती 10 बच्चों की इस हादसे में मौत हो गई। 16 बच्चों की हालत गंभीर है। 37 बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। घटना की जांच मंडलायुक्त और डीआईजी के नेतृत्व में की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 घंटे में इसकी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। योगी सरकार ने मृतकों के परिजन को पांच-पांच लाख और घायलों में से प्रत्येक को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा की है। घटना की जांच मंडलायुक्त विमल दुबे और डीआइजी कलानिधि नैथानी के नेतृत्व में गठित टीम कर रही है। इसकी रिपोर्ट 12 घंटे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी जाएगी। झांसी के मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे ने बताया कि जिस वार्ड में आग लगी थी, वहां 55 नवजात भर्ती थे। 45 नवजात को सुरक्षित निकाल लिया गया। उनका इलाज चल रहा है, इनमें 16 की हालत गंभीर है।

▶10पर

चुनाव आयोग ने भाजपा और कांग्रेस से मांगा लिखित जवाब

दोनों पार्टियों की तू-तू जनता में हो रही थू-थू

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। दोनों राज्यों में राजनीतिक दल जमकर प्रचार कर रहे हैं और पार्टी के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो चली है। वहीं इस जुबानी जंग में आपत्तिजनक बयानों को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने एक-दूसरे की शिकायत चुनाव आयोग से की थी। इस पर चुनाव आयोग ने दोनों दलों के राष्ट्रीय अध्यक्ष को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। आयोग ने दोनों दलों

को एक-दूसरे की शिकायत भेजी है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर कांग्रेस की ओर से

सार्वजनिक शिष्टाचार का उल्लंघन न करें राजनीति दल

की गई शिकायत पर जवाब मांगा है। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी भाजपा की ओर से की गई शिकायत का जवाब देने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने दोनों पार्टी अध्यक्षों से 18 नवंबर को दोपहर एक बजे तक जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। साथ ही उन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान 22 मई 2024 को जारी किए गए चुनाव आयोग के निर्देश का पालन कराने के लिए कहा।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0

न्यूनतम : 19^0

नाबालिग बीवी से संबंध बनाया तो रेप, नाबालिग हिंदू से रेप किया तो जमानत

कानून है या मजाक... अदालत है या चंडूखाना..!

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू नाबालिग लड़की का अपहरण करके उसके साथ रेप करने के आरोपी जावेद आलम को जमानत दे दी। नाबालिग हिंदू लड़की से रेप करने वाले आरोपी जावेद आलम को मौके पर ही पकड़ कर पुलिस के हवाले किया गया था। जिस समय रेप की यह घटना हुई थी उस समय लड़की की उम्र करीब 17 साल से कम थी। लेकिन महान विद्वान जज ने कहा कि आज की तारीख में लड़की बालिग हो चुकी है, इसलिए बलात्कारी को जमानत दी जाती है।

जज समीर जैन की पीठ ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 161 और 164 के बयान में पीड़ित लड़की ने कहा कि जब प्राथमिकी दर्ज की गई थी तब उसकी उम्र 17 वर्ष थी। आज की तारीख में पीड़िता की उम्र 18 साल से अधिक है। अदालत ने आरोपी को यह कहते हुए जमानत दे दी। आरोपी जावेद मई 2023 से जेल में था। जावेद के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363, 366, 506, 323, 376 और पॉक्सो अधिनियम की

धारा 3/4 के साथ-साथ और उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध

शुभ-लाभ चिंता

अधिनियम 2021 की धारा 3/5 (1) के तहत भी मामला दर्ज किया गया था।। इनमें से कई धाराएं गैर-जमानती हैं।

एफ आई आर के मुताबिक आरोपी जावेद ने 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली हिंदू नाबालिग लड़की का ट्रेन में अपहरण कर लिया। आरोपी उसे अज्ञात स्थान पर ले गया और उसका धर्म बदल दिया। उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने अदालत में भी कहा कि लड़की ने धर्म बदल लिया है, इसलिए वह उससे शादी करने के लिए तैयार है। इस पर अदालत ने अपहरण और बलात्कार के आरोपी को जमानत दे दी।

अब दूसरा दृश्य देखिए... जिस दिन इलाहाबाद हाईकोर्ट नाबालिग लड़की के अपहरण और बलात्कार के आरोपी वैवाहिक कर्तव्य पूरा करने के लिए जमानत दे रहा था, उसी दिन बॉम्बे हाईकोर्ट एक अलग ही फैसला दे रहा था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यदि कोई पुरुष 18 साल से कम उम्र की अपनी पत्नी के साथ उसकी सहमति से भी यौन संबंध बनाता है तो उस पर बलात्कार का मामला दर्ज किया जा सकता है।

▶10पर

राष्ट्रपति टीनूबू के आमंत्रण पर पीएम मोदी नाइजीरिया रवाना

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नाइजीरिया दौरे पर रवाना हो गए। पीएम मोदी 16-17 नवंबर को नाइजीरिया रहेंगे। नाइजीरिया की यात्रा के बाद पीएम मोदी ब्राजील पहुंचेंगे। वहां पीएम मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वे गुयाना जाएंगे।

नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू के निमंत्रण पर पीएम मोदी नाइजीरिया का दौरा कर रहे हैं। हाल ही में विदेश मंत्रालय ने उनके दौरे के बारे में जानकारी दी थी। आर्थिक संबंध सचिव दम्मू रवि ने बताया कि भारत की ओर से यह यात्रा 17 साल के अंतराल के बाद हो रही है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी की नाइजीरिया यात्रा कई मायनों में खास है

▶10पर

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप को फिजूलखर्ची से बचना होगा सेवींग बढानी होगी स्वभाव मे शान्ति रखनी होगी आप कुछ चिड़चिड़ाहट महसूस करेंगे और आपका आत्मविश्वास स्तर गिर सकता है. आपके विरोधी आप के विरुद्ध काम कर सकते हैं और आपकी चिंताओं का कारण बन सकते हैं. नया कारोबार शुरू करने या किसी भी सौदे को अंतिम रूप देने के लिए एक अच्छा समय नहीं है. आप को मौसमी बिमारी से बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल करना पडेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज काम के बोझ के कारण शरीर मे थकान महसूस होगी .आप की कुछ लोगों से बहस हो सकती है. विचारों मे मतभेद होगा . काम को लेकर मन मे आत्मविश्वास रखें सफलता निश्चित होगी किसी तरह का डर मन में न रखें. किसीखास व्यक्ति के बारे में आपको नई बात पता चल सकती है. जरूरत के मुताबिक पैसों की व्यवस्था हो सकती है.दाम्पत्य जीवन मे तनाव होगा आपको परेशानी महसूस होगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप को दिनचर्या मे बदलाव करना पड़ेगा .जिससे आप को टेंशन पैदा होगा आप अपने साथियों को खुश रखने की कोशिश करेंगे. आप कोई जरूरी प्लानिंग भी कर सकते हैं. आपका दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. किसी नए काम पर सोच–विचार कर सकते हैं. नई जिम्मेदारियां आपको जल्दी मिल सकती है. आपको अपनी नौकरी मे बदलाव का योग बनेगा । कबूतर को दाना डालें थकावट दूर रहेगी आय के स्त्रोत खुलेंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप का अपने कर्मचारियों पर गुस्सा करना हानिकारक साबित होगा इसलिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक है. यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से सुलझाने की जरुरत हैं. आप को प्यार मे धोखा मिलेगा शारीरिक और मानसिक रुप से आप तनाव मे रहेंगे आज उन वस्तुओं को खरीदने से आपको बचना चाहिए जिनकी अभी आपको बहुत ज्यादा आ–वश्यकता नहीं है. मित्रों के साथ घूमने का आनंद लेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप पढाई के लिए विदेश मे उच्च शिक्षा के लिए जा सकते हैं . व्यवसायी लम्बे समय से चली आ रही जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा, लेकिन आपको अपने खर्चों पर संयम रखने की भी आवश्यकता है. बेकार की गतिविधियों पर समय और ऊर्जा खर्च न करें. अगर आप अविवाहित हैं, तो आपको शादी के अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं. आप के निकट सम्बन्धी मे किसी को शारीरीक कष्ट हो सकता हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज ओवरटाइम करना पड़ेगा अतिरिक्त धन लाभ भी जरुर होगा अच्छे नतीजों के लिए जरूरत से ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है. नौकरी बदलने का मूड है तो संभलकर रहें. आज ऐसी कोशिश न करें. छोटी–मोटी बहस से मूड खराब होने के योग हैं. अपने मन की बात किसी से शेयर नकरें. आज आप जरूरी कामों पर ध्यान दें. वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा. प्रेम संबंधों में सफलता के योग हैं. सर्दी,खांसी, जुकाम जैसी तकलीफ से आप परेशान रहेंगे सेहत का ख्याल रखें।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज जरुरत का सामान खरीदना पड सकता हैं अच्छा खासा धन का खर्चा हो जाएगा आज आप शाम को बच्चों के साथ कहीं घूमने के लिए बाहर निकल सकते हैं. आप कामकाज में बहुत हद तक सफल हो सकते हैं. किसी नये काम की शुरूआत करने पर परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश हो सकते हैं. स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव बना रहेगा. मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी अनबन हो सकती है. रुद्र गायत्री का जप करें ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप रुद्राक्ष धारण करें शिवमंत्र का जप करें । क्रोध के आवेश से बचना होगा परिवार की समस्या परेशान कर सकती है. अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी. किसी भी कार्य मे देरी होतो आप को थोड़ा धैर्य रखना होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पारिवारिक सुख–शांति बनी रहेगी. नए–नए विचार मन में आएंगे. जल्दबाजी न करें. पैसों को लेकर कोई प्लानिंग भी हो सकती है.गौशाला मे सेवा करें गेहूँ का भूसा खिलाए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन बहतर हैं परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा . आपके पास कई अच्छे अवसर होंगे. वरिष्ठों के सहयोग से वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार होगा. आपका पारिव–ारिक–जीवन खुशहाल और आनंदमय रहेगा. सेहत अच्छी रहेगी. सामान्य रूप से लोगों के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी. यह समय निवेश के लिए अच्छा हैं प्रयासों को जारी रखें सफलता निकट होगी ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए जूनियर का सहयोग लेना पड सकता हैं बुजुर्गों का अनुभव बहुत काम आएगा वह आपकी मदद भी करेंगे. टेंशन भी आज खत्म हो सकता है. समझदारी से काम लें. मकान की समस्या सुलझ जाएगी. बिजनेस में कोई फायदेमंद एग्रीमेंट होने के योग बन रहे हैं. पैसों की स्थिति में सुधार के लिए आप पूरीकोशिश करेंगे. कोई पार्टटाइम काम शुरू कर के अतिरिक्त बोझ मत डालें शाम के वक्त थोडा रिलैक्स करें ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज शिव गायत्री का जप करें ब्राह्मण बटुक को दूध की मिठाई दान करें जिससे आपका सोचा हुआ काम अचानक से पूरा हो जाएगा. आर्थिक पक्ष काफी मजबूत रहेगा. कार–ोबार में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे. कहीं घूमने की प्लानिंग सफल रहेगी. आपको काम के नए अवसर जल्दी ही मिलेंगे. अपने कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए किसी मित्र से आर्थिक मदद मिलेगी. आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रहेगा. साथ ही दूसरों से उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए निराशा आत्मविश्वास को कमजोर करेगी ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को परिवार के किसी सदस्य का कोई उलझा हुआ मसला हल करना पड सकता हैं आप के कारोबार पर इस का असर देखने को मिलेगा कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं. रहन–सहन कष्टमय रहेगा. शिक्षा क्षेत्र मे आपका परफॉर्मेंस भी अच्छा हो सकता है. कहीं घूमने जा सकते हैं. आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ सकती है. आप सभी परिस्थितियों से निपटने की क्षमता रखते हैं. इसलिए अपने कार्य पर ध्यान लगाएं. यात्रा पर निकलने से पहले दही और धनीया जरुर खाकर निकले ।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 17 नवंबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 09:08 तक
नक्षत्र : रोहिणी सायं 05:22 तक
योग : शिव रात्रि 08:20 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:26 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 04:31 तक
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मार्गशीर्ष मास में विष्णु भगवान का मधु से अभिषेक करें

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला

बढ़ते प्रदूषण के कारण 5वीं तक के स्कूल बंद

ऑनलाइन चलेंगी कक्षाएं

हरियाणा,16 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में छोटे बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सरकार ने 5वीं कक्षा तक के स्कूलों को बंद करने के फैसला किया है। स्कूल अगले आदेश तक बंद रहेंगे। बच्चों की ऑनलाइन कक्षाएं संचालित होंगी। हरियाणा सरकार की ओर से राज्य के सभी उपायुक्तों को पत्र जारी कर स्कूल बंद करने के बारे में आदेश दिए गए हैं। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान तीन (ग्रैप–3) के अनुसार गंभीर वायु गुणवत्ता सूचकांक के कारण कक्षा 5वीं तक के स्कूल बंद रहेंगे। सरकार ने निर्णय लिया है कि जिलों के उपायुक्त दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में गंभीर एक्यूआई स्तर को देखते हुए मौजूदा स्थिति का आकलन करें।

विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के हित में कक्षा 5वीं तक के लिए स्कूलों (सरकारी और निजी) में कक्षाएं बंद रखें। इसकी जगह ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करने को कहा गया है। वहीं आदेश अनुसार संबंधित जिलों के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का मूल्यांकन अलग–अलग किया जा सकता है। बढ़ते प्रदूषण के कारण स्कूल सभी बच्चों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि बच्चों की पढ़ाई का नुकसान न हो और पाठ्यक्रम को पूरा किया जा सके। पिछले साल भी प्रदूषण के खतरनाक श्रेणी में पहुंचने पर स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया था।

अनिल विज ने पंजाब के मंत्री चीमा के बयान पर किया पलटवार

चंडीगढ़ पर हरियाणा का हक बराबर

हरियाणा,16 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा के बयान पर हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने कहा कि चंडीगढ़ की बात है तो उन्हें पिछले समझौतों को पढ़ना चाहिए जिसमें साफ तौर पर लिखा हुआ है कि जो हिंदी भाषी क्षेत्र हैं वो हरियाणा को दिए जाएंगे।

जितना चंडीगढ़ पर पंजाब का अधिकार है उतना ही हमारा भी अधिकार है। चंडीगढ़, केंद्र शासित प्रदेश है न कि पंजाब का हिस्सा। केंद्र शासित प्रदेश में जितने कर्मचारी कार्यरत हैं उसमें पंजाब और हरियाणा, दोनों राज्यों के कर्मचारी हैं।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में गांधी परिवार राजशाही की तरह सबसे ऊपर है, कांग्रेस प्रजातांत्रिक नहीं बल्कि राजशाही पार्टी है। विज शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान को नष्ट करना चाहते हैं, के बयान पर विज ने तंज कसते हुए कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। उन्होंने कहा कि संविधान की धज्जियां गांधी परिवार ने उड़ाई है और राहुल गांधी अपने परिवार का इतिहास देखें।

इनकी दादी इंदिरा गांधी ने 1975 में ईमरजेंसी लगाते हुए लोगों के मौलिक अधिकार बंद कर दिए थे, अखबारों पर सेंसर लगा दिया, डेढ़ लाख लोगों को जेल में डाल दिया था। उन्होंने कहा कांग्रेस संविधान की बात करती है, कितनी बार धारा 356 लगाकर चुनी सरकारों को तोड़ा।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि हुड्डा राज में जिनपर उनकी सरकार की मेहरबानी हो जाती थी उन्हीं के बीपीएल कार्ड बनते थे और बाकि घूमते रहते थे। मगर भाजपा सरकार ने सिस्टम को बेहतर बनाते हुए कार्ड बनाने के सेंटर खोले है जिसका लोगों को फायदा मिल रहा है।

रोहतक–भिवानी रोड पर किसान ने खेत में जलाई पराली

हरियाणा,16 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक–भिवानी रोड पर पराली जलाने की एक और घटना सामने आई है। इस घटना ने इलाके में वायु प्रदूषण को और बढ़ा दिया है। खेतों में जली पराली से उठने वाले धुएं ने न केवल हवा की गुणवत्ता को प्रभावित किया, बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों में सांस संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी वायु गुणवत्ता को प्रभावित करता है। इसलिए, इस पर तत्काल नियंत्रण आवश्यक है।

इंस्पेक्टर की पत्नी ने की सास की हत्या

यमुनानगर,16 नवंबर (एजेंसियां)। यमुनानगर में इंस्पेक्टर निर्मल सिंह की मां की हत्या का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया है पुलिस ने इंस्पेक्टर की पत्नी को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर की पत्नी ने ही गला दबाकर अपनी सास की हत्या की थी। बीते सोमवार को हरियाणा पुलिस ने इंस्पेक्टर निर्मल सिंह की मां की घर मे घुसकर हत्या की गई थी।

परिजनों ने 75 लाख रुपये लूट के बाद हत्या का आरोप लगाया था। जिसके बाद से ही पुलिस की चार टीमें जांच कर रही थी। बारीकी से हुई जांच के बाद पुलिस को इंस्पेक्टर की पत्नी पर ही शक हुआ था।पुलिस ने शक के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ की तो जिसके बाद हत्याकांड का खुलासा हो गया। इंस्पेक्टर की पत्नी ने ही अपनी सास की हत्या की थी। बताया जा रहा है कि सास बहू के बीच मे अक्सर झगड़ा होता रहता था। वारदात कर दिन भी झगड़ा हुआ था। जिस कारण बहु ने सास की हत्या कर दी थी। सीआईए 2 की टीम ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

किरोड़ी लाल मीणा के प्रस्ताव पर मदन राठौड़ की असहमति

बोले– कानून करेगा अपना काम

जयपुर,16 नवंबर (एजेंसियां)। नरेश मीणा थप्पड़ कांड के बाद में प्रदेश में जिस तरीके की राजनीतिक खलबली मची हुई है, उसके बीच में डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा कल देर शाम राजस्थान सरकार के गृहमंत्री जवाहर सिंह बेडम के घर पहुंचे थे।उनके साथ में समरावता के ग्रामीणों का प्रतिनिधि मंडल भी था। किरोड़ी लाल मीणा ने जवाहर सिंह के सामने न्यायिक जांच की मांग रखी थी, साथ ही यह भी कहा था कि गृह मंत्री और मैं दोनों गांव जाकर स्थिति में जो भय व्याप्त है, उसको समाप्त करने का प्रयास करेंगे।

जवाहर सिंह ने कहा कि पुलिस अपना काम कर रही है। उस गांव में शांति बनी हुई है, इसलिए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। इतना ही नहीं न्यायिक जांच के ऊपर भी जवाहर सिंह ने अपना कोई स्टैंड नहीं रखा था। आज (शनिवार) भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रेस से बातचीत की और डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा के जवाहर सिंह के घर जाकर समरावता के विषय में बात करने के मुद्दे पर जवाब दिया। मदन राठौड़ ने कहा पुलिस अपना काम कर रही है। किसी को भी इसके बीच में नहीं पड़ना चाहिए। पुलिस एक बार जांच कर ले उसके बाद में तथ्य सामने आएंगे, तभी कुछ कहा जा सकेगा। न्यायिक जांच के ऊपर भी राठौड़ ने कहा कि एक बार जांच पूरी हो जाए फिर आवश्यकता होगी तो देखेंगे कि क्या करना है। मदन राठौड़ ने कहा कि कोई नहीं चाहता कि न्याय नहीं मिले। हम न्याय प्रिय काम करेंगे, न्याय ही मिलेगा। एक बार पुलिस की जांच पूरी हो जाए फिर देखा जाएगा।

दिल्ली से झज्जर डीटीसी बस सेवा शुरू महिलाएं करेंगी मुफ्त सफर

झज्जर/बादली,16 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने नजफगढ़ नागलोई स्टैंड के मेट्रो स्टेशन से झज्जर के लिए डीटीसी बस की शुरुआत की है। शनिवार को ढांसा बॉर्डर मेट्रो स्टेशन से चली दो डीटीसी बस झज्जर पहुंची। दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने ढांसा बॉर्डर से झज्जर की डीटीसी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

लोगों ने इन बसों में सफर भी किया। शनिवार को ढांसा बॉर्डर से झज्जर के रूट पर इन बसों का जगह–जगह पर स्वागत भी किया गया। इस दौरान इन बसों में ढांसा बॉर्डर से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने झज्जर तक सफर किया। डीटीसी बसों को फूलों से सजाकर ढांसा बॉर्डर से झज्जर तक लाया गया। झज्जर के बस अड्डा परिसर में पहुंचने पर इन बसों के ड्राईवर, कंडक्टर और सिक्योरिटी गार्ड का पार्टी के कार्यकर्ताओं ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इससे पहले यह डीटीसी की बसें बादली से लगभग तीन किलोमीटर दूर ढांसा बॉर्डर तक आती थीं, लेकिन अब से यह डीटीसी बस सेवा झज्जर तक चलेंगी।

वहीं, बीस वर्ष पहले डीटीसी की बसें झज्जर तक चलती थी, लेकिन किन्हीं कारणों की वजह से उन्हें बंद करना पड़ा था। अब फिर से झज्जर तक डीटीसी की बसें चलाई जाएगी। रविवार को दो बसें और आएंगी। इस तरह कुल 4 बसें ढांसा बॉर्डर से झज्जर के लिए नियमित रूप से चलेंगी।

पुलिस ने खूंखार अपराधी पर 25 पैसे का इनाम घोषित किया

भरतपुर,16 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर में पुलिस ने अपराधियों के मनोबल को गिराने और जनता में उनके आतंक को समाप्त करने के लिए एक अनोखा कदम उठाया है। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने स्थानीय अपराधी खूबीराम जाट पर 25 पैसे का इनाम घोषित कर सभी का ध्यान आकर्षित किया है। यह इनाम न केवल अपनी राशि की वजह से चर्चा में है, बल्कि इसके पीछे की सोच ने भी लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

48 वर्षीय खूबीराम जाट पर हत्या के प्रयास, मारपीट, गाली–गलौज और एससी–एसटी एक्ट के तहत तीन मामले दर्ज हैं। इनमें से हत्या के प्रयास का मामला इसी वर्ष दर्ज किया गया है। कई बार पुलिस ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह हर बार फरार होने में कामयाब रहा। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस मुख्यालय की सहमति से पुलिस अधीक्षक ने 25 पैसे के इनाम की घोषणा की।

एसपी मृदुल कच्छावा ने स्पष्ट किया कि यह इनाम भले ही प्रतीकात्मक हो लेकिन इसका उद्देश्य अपराधियों में कानून का भय पैदा करना और उनके महिमा मंडन को रोकना है। इनाम घोषित करने वाले पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए हैं और यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। लोगों का मानना है कि पुलिस का यह कदम अपराधियों को 'बाहुबली' कहकर महिमा मंडित करने की बजाय 'चवन्नी छाप' अपराधी के रूप में उनकी छवि बनाने का एक प्रयास है, जिससे उनके हौसले पस्त हों। इस अनोखी पहल से अपराधी अब अपराध करने से पहले हजार बार सोचेंगे। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो भी आरोपी के बारे में सूचना देगा, उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा और उसे 25 पैसे का इनाम दिया जाएगा। भरतपुर पुलिस की यह रणनीति एक उदाहरण प्रस्तुत करती है कि कभी–कभी साधारण उपायों से भी बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं।

महिलाओं ने कस्बे के मुख्य बाजार से निकाला आक्रोश मार्च

शाहपुरा,16 नवंबर (एजेंसियां)। शाहपुरा जिले के जहाजपुर कस्बे में धार्मिक जुलूस पर दो महीने पहले हुए पथराव को लेकर जनता का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। पथराव के दोषियों पर कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए शनिवार को बड़ी संख्या में महिलाओं ने कस्बे के मुख्य बाजार से आक्रोश मार्च निकाला। मार्च के दौरान महिलाएं जहाजपुर थाने के सामने पहुंचीं और प्रतीकात्मक विरोध के रूप में चूड़ियां लहराईं व थाना परिसर में फेंकीं।

पथराव की घटना के विरोध में शनिवार को महिलाओं ने कल्याणजी मंदिर के बाहर धरना दिया और रात में मोबाइल की टॉर्च जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। शनिवार को यह विरोध और तेज हो गया, जब महिलाओं ने विरोध मार्च निकालते हुए थाने पर चूड़ियां लहराईं। संघर्ष समिति ने रविवार 17 नवंबर को शाहपुरा जिला बंद का आह्वान किया है। इस बीच जहाजपुर थाना प्रभारी नरपतराम बाना का ट्रांसफर कर दिया।शुक्रवार रात को विरोध मार्च कल्याणजी मंदिर से शुरू होकर घास भैरव चौराहा, नौ चैक, सदर बाजार, गलगट्टी चैराहा होते हुए वापस मंदिर पर समाप्त हुआ। शनिवार को भी तीसरे दिन कस्बे में बाजार पूरी तरह बंद रहे, साथ ही आसपास के गांवों में भी इसका व्यापक असर देखा गया।

ब्यावर के देवमाली गांव को मिला बेस्ट टूरिस्ट विलेज का खिताब

दीया कुमारी ने गांव पहुंचकर किए बड़े ऐलान

अजमेर,16 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के ब्यावर जिले में मसूदा उपखंड में आने वाला देवमाली गांव अब अपनी ग्लोबल पहचान बनाएगा। इस साल देवमाली को देश के बेस्ट विलेज का दर्जा मिला है। यहां लोगों के पास लग्जरी कारें तो हैं, लेकिन मकान कच्चे हैं। फर्श, छत, दीवारें, रसोई से लेकर बाथरूम तक सब कच्चे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि गांव का हर शख्स करीब 1100 साल पुराना भगवान देवनारायण को दिया वचन निभा रहा है।

आज डिप्टी सीएम और राजस्थान की पर्यटन मंत्री दीया कुमारी इस देवमाली गांव पहुंची। यहां उन्होंने कई बड़े ऐलान किए हैं। इस दौरान दीया कुमारी से स्थानीय विधायक ने मंदिर के लिए रोप–वे तथा ब्यावर से मसूदा तक फोरलेन सड़क की मांग की है, जिससे देवमाली आने वाले श्रृद्धालुओं को सुविधा मिल सके। उपमुख्यमंत्री से ग्रामीणों ने मोबाइल टॉवर नहीं होने और कनेक्टिविटी की सुविधा नहीं होने की बात कही, जिस पर उन्होंने मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को तुरंत दिशा–निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देवमाली गांव हमारी सदियों पुरानी परंपराओं को आज भी जीवित रखे हुए है। ऐसे में ये हम सब की जिम्मेदारी है कि इस गांव के विकास के लिए हरसंभव प्रयास हो तथा यहां आने वाले पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जाए। दीया कुमारी ने गांव के मुख्य चौराहे पर मौजूद 'आई लव देवमाली' के पास खड़े हो कर सभी पर्यटकों को देवमाली आने का निमंत्रण भी दिया।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का राहुल गांधी पर हमला

संविधान का सम्मान करना सीखें

बीकानेर,16 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी ने संविधान को सही तरीके से नहीं पढ़ा है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी को संविधान के चैप्टर और आर्टिकल तक का पता नहीं है। उन्होंने सिर्फ संविधान लहराने का काम किया है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में संविधान दिवस को गरिमा के साथ मनाया।

मेघवाल ने राहुल गांधी पर संविधान का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा, मोदी जी संविधान का सम्मान करते हैं, लेकिन राहुल गांधी इसे केवल एक औपचारिकता के रूप में देखते हैं। देश का अपमान करना छोड़ें और यदि हमारी आलोचना करनी है, तो तथ्यों के साथ करें। ये बातें मेघवाल ने बीकानेर में भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर इन लाइब्रेरी आडिटोरियम के नवीन भवन का शिलान्यास के दौरान कही।

देवली में उप चुनाव के दौरान एसडीएम को नरेश मीणा द्वारा थप्पड़ मारे जाने की घटना पर मेघवाल ने कहा, यह घटना बेहद दुखद और निंदनीय है। दोषी को सज़ा जरूर मिलेगी। अपराधी को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, खड़गे के बयानों को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। जब मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे, तब भी वे सरकार गिराने और अस्थिरता की बातें करेंगे। यह उनकी आदत बन चुकी है। अर्जुनराम मेघवाल ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लेकर भी इशारों में कहा, सब जानते हैं कि गहलोत किस तरफ इशारा कर रहे हैं। उन्हें भी अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए।केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष पर तीखे प्रहार करते हुए स्पष्ट किया कि भारतीय जनता पार्टी संविधान और लोकतंत्र के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कुंभ मेले में क्या-क्या होता है, क्यों गंगा के तट पर जुटते हैं लाखों लोग?

जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और 3 फरवरी को बसंत पंचमी भी मनाई जाएगी। ये सभी आयोजन उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर होंगे।

इस महीने भर चलने वाले आयोजन में तीर्थयात्रियों के रहने के लिए अलग से तंबू लगाकर एक छोटा सा शहर बसा दिया जाता है। यहां रहने की सभी सुविधाएं जुटाई जाती हैं। प्रशासन, स्थानीय अधिकारियों और पुलिस की मदद से इस आयोजन को व्यवस्थित किया जाता है।

कुंभ मेले में दूर-दूर के जंगलों, पहाड़ों और गुफाओं से साधु-संत आते हैं। इन साधुओं के शरीर पर भभूति लिपटी होती है, बाल लंबे होते हैं और वे चीतल की खाल ओढ़ते हैं। स्नान के लिए विभिन्न नाग साधुओं के अखाड़े भव्य जुलूस के रूप में संगम तट पर पहुंचते हैं।

शाही स्नान कुंभ मेले का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। साधुओं के शाही स्नान के बाद आम लोगों को पवित्र नदी में स्नान करने की अनुमति मिलती है।

कुंभ मेला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम है। ये मेला हर 12 साल में चार प्रमुख स्थानों (प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन) पर आयोजित किया जाता है। हर बार लाखों लोग इसमें शामिल होते हैं और पवित्र नदियों में स्नान करते है।

2025 के कुंभ मेले की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस बार महाकुंभ मेला 13 जनवरी 2025 से पौष पूर्णिमा स्नान के साथ शुरू होगा और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन समाप्त होगा। इस दौरान 14

क्या है कुंभ मेले की कहानी

कुंभ मेला सिर्फ एक मेला नहीं, बल्कि यह भारत की प्राचीन पौराणिक कथाओं से जुड़ी एक अद्भुत परंपरा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसकी जड़ें सागर मंथन की कथा से जुड़ी हैं, जब देवताओं और दानवों ने मिलकर समुद्र का मंथन किया था। मंथन से निकले अमृत कलश को लेकर जब देवताओं और दानवों के बीच संघर्ष हुआ,तब अमृत की कुछ बूंदें भारत की चार पवित्र नदियों के तटों पर गिरीं।

ये चार बूंदें प्रयाग, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में गिरीं। इसलिए, हर बार जब ग्रह-नक्षत्र की स्थिति अनुकूल होती है, तो इन चार स्थानों पर कुंभ मेला आयोजित किया जाता है। इनमें से प्रयाग को तीर्थराज भी कहा जाता है और यहां हर बारह साल में महाकुंभ मेला लगता है।

कुंभ मेले का पहला लिखित प्रमाण भगवत पुराण में मिलता है। कुंभ मेले का एक और लिखित प्रमाण चीनी यात्री ह्वान त्सांग (या ज़ुआनज़ांग) के यात्रा विवरण में मिलता है, जिन्होंने 629-645 ईस्वी में हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत का दौरा किया था। साथ ही, समुद्र मंथन के बारे में भी भगवत पुराण, विष्णु पुराण, महाभारत और रामायण में उल्लेख किया गया है।

कितने तरह का होते हैं कुंभ मेले

कुंभ मेले की तारीख सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति ग्रह की खगोलीय स्थिति के आधार पर तय की जाती हैं। इन खगोलीय स्थितियों के अनुकूल समय को पवित्र माना जाता है। इसी कारण से कुंभ मेला हर बार अलग-अलग समय पर मनाया जाता है। नासिक और उज्जैन में अगर मेला उस समय होता है जब कोई ग्रह सिंह राशि में होता है, तो उसे सिंहस्थ कुंभ कहा जाता है। इस समय को शुभ माना जाता है।

महाकुंभ मेला: यह मेला केवल प्रयागराज में होता है और यह हर 144 साल में एक बार मनाया जाता है। इसे 12 पूर्ण कुंभ मेलों के बाद मनाया जाता है।

पूर्ण कुंभ मेला: यह मेला हर 12 साल में एक बार होता है। यह प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में मनाया जाता है। हर 12 साल में इन चारों स्थानों पर घूमा करता है।

अर्ध कुंभ मेला: ये हर 6 साल में एक बार होता है। सिर्फ दो स्थानों पर होता है: हरिद्वार और प्रयागराज।

माघ कुंभ मेला: यह मिनी कुंभ मेला के नाम से भी जाना जाता है। यह हर साल प्रयागराज में आयोजित होता है और यह माघ माह में हिंदू कैलेंडर के अनुसार मनाया जाता है।

कुंभ मेले में क्या-क्या होता है?

कुंभ मेले में कई तरह की धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियां होती हैं। शाही स्नान कुंभ मेले का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसमें तमाम अखाड़ों के साधु-संत पवित्र नदी में डुबकी लगाते हैं। यह स्नान सुबह 3 बजे शुरू होता है। साधुओं के शाही स्नान के बाद आम लोगों को पवित्र नदी में स्नान करने की अनुमति मिलती है।

कुंभ मेले का एक प्रमुख आकर्षण शाही जुलूस है, जिसे 'पेशवाई' भी कहा जाता है। इस दौरान अखाड़ों के साधु-संत हाथी, घोड़े और रथों पर सवार होकर भव्य जुलूस निकालते हैं। यह एक अद्भुत नजारा होता है। इसके अलावा कुंभ मेले में जाने-माने संत और आध्यात्मिक गुरु धार्मिक प्रवचन देते हैं। इन प्रवचनों में आध्यात्मिक ज्ञान, भक्ति और मोक्ष के बारे में चर्चा की जाती है।

कुंभ मेले में तमाम अखाड़ों के साधु अपने-अपने कौशल का प्रदर्शन करते हैं। जैसे कि योग, प्राणायाम और अन्य शारीरिक क्रियाएं। अखाड़े अपने पसंदीदा भगवान के आधार पर विभाजित होते हैं। शैव अखाड़े भगवान शिव की पूजा करते हैं। वैष्णव अखाड़े भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। उदासीन अखाड़ा का सिख समाज से जुड़ाव माना जाता है। गुरु नानकदेव के सुपुत्र श्रीचंद्र ने उदासीन संप्रदाय की स्थापना की थी।

कुंभ मेले में एक विशाल मेला भी लगता है जहां कई तरह के सामान मिलते हैं। यहां लोग खरीदारी करते हैं और स्थानीय कला और शिल्प का आनंद लेते हैं। जगह-जगह पर कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहते हैं। जैसे कि नृत्य, संगीत, नाटक आदि। इसमें कोई शक नहीं कि कुंभ मेला कमाई का एक प्रमुख अस्थायी स्रोत है जो कई लोगों को रोजगार देता है।

क्यों गंगा के तट पर जुटते हैं लाखों लोग?

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, जो लोग गंगा के पवित्र जल में डुबकी लगाते हैं, वे हमेशा के लिए धन्य हो जाते हैं। इतना ही नहीं, यह पाप भी धो देता है और उन्हें मोक्ष के मार्ग की ओर ले जाता है। ऐसी मान्यता है।

आधुनिक भारत में कुंभ मेला अब पहले से कहीं ज्यादा विशाल और भव्य हो गया है। हर साल लाखों लोग, न सिर्फ भारत से बल्कि दुनिया भर से मेले का हिस्सा बनने आते हैं। कुंभ मेले का प्रसारण दुनिया भर में किया जाता है। लोग इसे टीवी या इंटरनेट पर देखते हैं।

कुंभ 2019: तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स!

2019 का कुंभ मेला सिर्फ एक धार्मिक आयोजन ही नहीं था, बल्कि एक ऐसा आयोजन था जिसने दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया। इस मेले ने तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए- सबसे बड़ी यातायात और भीड़ प्रबंधन व्यवस्था, सबसे बड़ा पेंटिंग अभियान, सबसे बड़ा स्वच्छता और कचरा निपटान तंत्र।

ये तीनों रिकॉर्ड्स दिखाते हैं कि भारत कैसे आधुनिक तरीके से धार्मिक आयोजन कर सकता है। ये रिकॉर्ड्स सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल हैं।

मांगलिक दोष से मुक्ति के लिए जरूर करें सौभाग्य सुंदरी तीज

नवंबर का महीने कई महत्वपूर्ण व्रत-त्योहारों से भरा है, जिसमें सौभाग्य सुंदरी तीज भी एक है। विशेषकर उत्तरी भारत में इसे मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार सौभाग्य सुंदरी तीज मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पत्र की तृतीया तिथि को होता है।

सौभाग्य सुंदरी तीज को सौभाग्य सुंदरी व्रत भी कहते हैं। इस दिन महिलाएं व्रत रखकर देवी मां का पूजन करती हैं और परिवार की सुख-समृद्धि व कल्याण की कामना करती है। बता दें कि इस साल सौभाग्य सुंदरी तीज का व्रत सोमवार 18 नवंबर 2024 को रखा जाएगा।

सौभाग्य सुंदरी व्रत का महत्व

ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार, सौभाग्य सुंदरी व्रत से वैवाहिक जीवन में खुशहाली आती है और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस व्रत के प्रभाव से कुंडली के मांगलिक दोष का प्रभाव भी कम होता है। विवाह में यदि देरी हो रही हो या किसी कारण विवाह में अड़चन आ रही हो तो कुंवारी कन्याएं भी इस व्रत को कर सकती हैं।

सौभाग्य सुंदरी तीज की पूजा कैसे करें

सौभाग्य सुंदरी तीज के दिन महिलाओं सबसे पहले जल्दी उठकर स्नान करें और नए वस्त्र पहनकर अच्छी तरह साज-श्रृंगार करें। इस दिन सुहाग से जुड़ी चीजों जैसे मेहंदी, कुमकुम, आलता, सिंदूर आदि को श्रृंगार में जरूर शामिल करें।

इसके बाद मां पार्वती और भगवान शिव की एक साथ पूजा करें। मां पार्वती का भी श्रृंगार करें और पूजा में उन्हें सुहाग का सामान चढ़ाएं। इसके बाद धूप-दीप जलाएं। साथ ही इस दिन भगवान गणेश की भी पूजा जरूर करें। सौभाग्य सुंदरी व्रत के दिन महिलाएं निर्जला उपवास भी रखती हैं तो कुछ महिलाएं पूजा के बाद फलाहार करती हैं।

मार्गशीर्ष माह हुआ शुरू, जानें व्रत-त्यौहार से लेकर क्या है श्रीकृष्ण का इस महीने से संबंध

मार्गशीर्ष माह हिंदू कैलेंडर के अनुसार एक महत्वपूर्ण महीना है, जो नवंबर और दिसंबर के बीच आता है। यह माह विशेष रूप से धार्मिक क्रियाओं, व्रतों और पूजा-पाठ के लिए प्रसिद्ध है। इस माह में विशेष रूप से भगवान कृष्ण व माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। मार्गशीर्ष माह में पूर्वजों की शांति के पूजा की जाती है। इस दौरान तामसिक भोजन से दूरी बनाने और धर्म के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया जाता है।

मार्गशीर्ष महीना कब से कब तक रहेगा?

यह कृष्ण पक्ष 16 नवंबर को प्रतिपदा तिथि से शनिवार सुबह 2:58 बजे शुरू हुआ।

शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 15 दिसंबर रविवार रात 11:50 बजे समाप्त होगा।

मार्गशीर्ष माह के व्रत-त्यौहार की लिस्ट

तारीख व्रत-त्यौहार

16 नवंबर - वृश्चिक संक्रांति
18 नवंबर - गणाधिप संकष्टी चतुर्थी
22 नवंबर - कालभैरव जयंती
23 नवंबर - कालाष्टमी
26 नवंबर - उत्पन्ना एकादशी
28 नवंबर- प्रदोष व्रत
29 नवंबर - मासिक शिवरात्रि
30 नवंबर - दर्श अमावस्या
06 दिसंबर- विवाह पंचमी
07 दिसंबर- चंपा षष्ठी
08 दिसंबर - भानु सप्तमी
11 दिसंबर -गीता जयंती और मोक्षदा एकादशी

12 दिसंबर - मत्स्य द्वादशी
13 दिसंबर - प्रदोष व्रत
14 दिसंबर - दत्तात्रेय जयंती
15 दिसंबर-धनु संक्रांति और मार्गशीर्ष पूर्णिमा

भगवान कृष्ण का मार्गशीर्ष माह से संबंध

हिंदू धर्म में मार्गशीर्ष माह को अत्यंत शुभ महीना माना गया है। भगवान श्री कृष्ण को यह महीना सबसे प्रिय है। उन्होंने खुद श्रीमद्भगवद्गीता के दसवें अध्याय के विभूति योग में कहा है कि मासानां मार्गशीर्षोऽहम्, अर्थात साल के सभी महीनों में, मैं मार्गशीर्ष हूं। ऐसे में मार्गशीर्ष माह को भगवान श्री कृष्ण का स्वरूप माना गया है।

इस माह के दौरान भगवान श्री कृष्ण के विभिन्न रूपों की पूजा होती है। यह समय विशेष रूप से भक्ति और साधना के लिए उपयुक्त माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस माह में विधिपूर्वक किया व्रत, जाप और उपासना कई गुना अधिक फलदायी होता है। विशेषकर भगवद्गीता का पाठ और श्री कृष्ण के उपदेशों का अध्ययन इस समय अत्यधिक लाभकारी माना जाता है।

मार्गशीर्ष माह में भगवान श्री कृष्ण की उपासना करने से भक्तों को आध्यात्मिक उन्नति और मानसिक शांति मिलती है, जिससे उनके जीवन में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है। इस माह में श्री कृष्ण के प्रति भक्ति भाव और विश्वास को प्रगाढ़ किया जाता है।

भगवान शिव के व्यक्तित्व से सीखें जीवन में कैसे लाएं संतुलन?

भगवान शिव को देवों के देव महादेव ही नहीं कहा जाता बल्कि उन्हें उनके व्यक्तित्व के कई गुणों की वजह से भी सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। कभी वो सौम्य-शांत है, तो कभी वो अत्यंत क्रोधी। ऐसे में उनके व्यक्तित्व से सीखा जा सकता है कि कैसे जीवन में संतुलन लाना है।

नकरात्मकताओं से गुजरते हुए भी सकरात्मक बने रहना

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि समुद्रमंथन से जब विष बाहर आया, तो सभी ने कदम पीछे खींच लिए थे क्योंकि विष कोई नहीं पी सकता था। ऐसे में महादेव ने स्वयं विष (हलाहल) पिया और उन्हें नीलकंठ नाम दिया गया। इस घटना से बहुत बड़ा सबक मिलता है कि हम भी जीवन में आने वाली नकरात्मक चीजों को अपने अंदर रखकर या इससे गुजरते हुए भी जीवन की सकरात्मकता बनाए रख सकते हैं।

शांत रहकर खुद को नियंत्रित रखना

शिव से बड़ा कोई योगी नहीं हुआ। किसी परिस्थिति से खुद को दूर रखते हुए उस पर पकड़ रखना आसान नहीं होता है। महादेव एक बार ध्यान में बैठ जाएं, तो दुनिया इधर से उधर हो जाए लेकिन उनका ध्यान कोई भंग नहीं कर सकता है। शिव का यह गुण हमें जीवन की चीजों पर नियंत्रण रखना सिखाता है।

जीवन के हर रूप को खुलकर जीना

शिव की जीवन शैली हो या उनका कोई अवतार, वे हर रूप में बिल्कुल अलग हैं। फिर वो रूप तांडव करते हुए नटराज हो, विष पीने वाले नीलकंठ, अर्धनारीश्वर, सबसे पहले प्रसन्न होने वाले भोलेनाथ का हो। वे हर रूप में जीवन को सही राह देते हैं।

बाहरी सुंदरता की जगह गुणों को चुनना

शिव का संपूर्ण रूप देखकर यह संदेश मिलता है कि हम जिन चीजों को अपने आस-पास देख भी नहीं सकते, उसे उन्होंने बड़ी आसानी से अपनाया है। उनके विवाह में भूतों की मंडली पहुंची थी। वहीं, शरीर में भभूत लगाए भोलेनाथ के गले में सांप लिपटा होता है। बुराई किसी में नहीं बस एक बार आपको उसे अपनाना होता है।

अपनी प्राथमिकताओं को समझना

भगवान शिव को हमेशा से अपनी प्राथमिकताओं का भान रहा। उन्होंने अपनी पत्नी से प्रेम और सम्मान को सबसे ऊपर रखने के साथ अपने मित्र और भक्तों को भी उचित स्थान दिया।

एक्शन से भरपूर वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन का धमाकेदार टीजर आउट

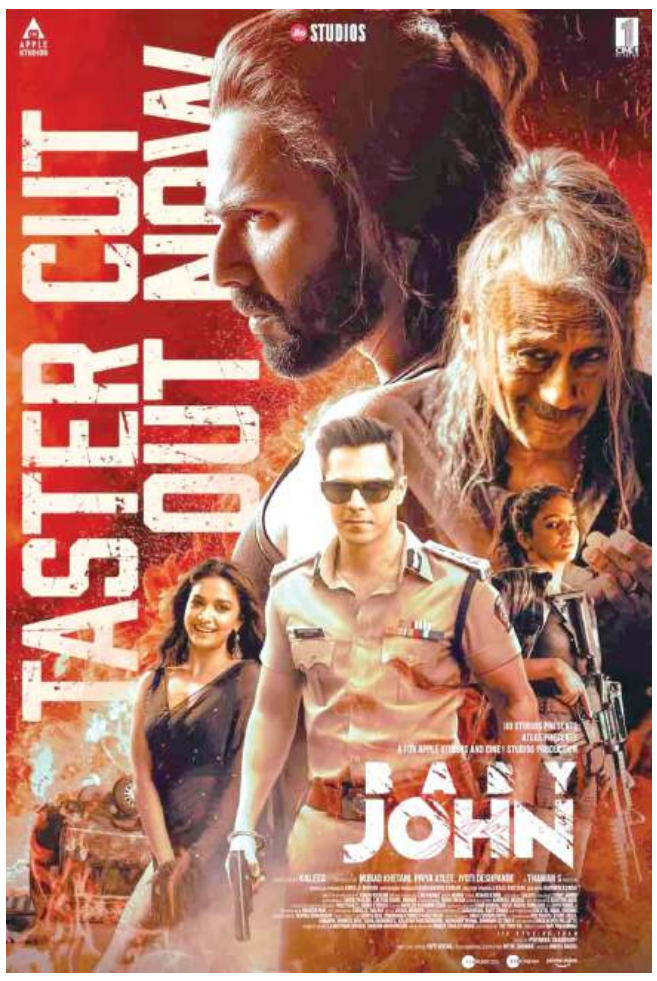

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन इन दिनों साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु के साथ सिटाडेल हनी बनी में नजर आ रहे हैं। इस सीरीज को हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया है, जिसको दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म में वरुण एक्शन में मोड में नजर आ रहे हैं। उनके किरदार को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

एक्शन से भरपूर इस सीरीज के बाद वरुण धवन जल्द ही एक और नई एक्शन से भरपूर फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसका हाल ही में उन्होंने टीजर जारी किया है।जी हां, सिटाडेल हनी बनी के बाद वरुण धवन इन दिनों अपनी अपकमिंग नई फिल्म बेबी जॉन को लेकर बिजी हो चुकी हैं और उनकी रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पुलिस अवतार की एक झलक फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसको देखने के बाद फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। इस वीडियो में वरुण पहली बार पूरी तरह से एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने इस टीजर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मेरे जैसे कई आए होंगे, लेकिन मैं पहली बार आया हूं। ये किरदार वरुण धवन के अब तक के निभाए गए सभी किरदारों से बिल्कुल अलग है और फैंस को उनका नया अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

इस टीजर से पहले भी फिल्म का एक टीजर जारी किया गया था। उसको भी काफी पसंद किया गया था, जिसे टेस्टर कट कहा गया था। ये टीजर सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया था। टीजर देखने के बाद ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में एक्शन और इमोशन का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा।

वरुण फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे। इसके साथ ही फिल्म में सिंगल पिता का किरदार भी निभाने वाले हैं। टीजर में उनके दमदार डायलॉग्स और जबरदस्त एक्शन सीन फैंस का ध्यान खींच रहे हैं। इस फिल्म में वरुण के साथ तमिल एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश नजर आने वाली हैं, जबकि जैकी श्रॉफ विलेन के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव और कई कलाकार नजर आएंगे। फिल्म को कलीस ने डायरेक्ट किया है और ये फिल्म इसी साल क्रिसमस पर 25 दिसंबर को दुनिया भर में रिलीज होगी। इसे जियो स्टूडियोज, ए फॉर एप्पल स्टूडियो और सिने1 स्टूडियो के सहयोग से बनाया गया है।

हनुमान बनेंगे प्रभास?, केजीएफ के मेकर्स ने जारी किया शॉकिंग पोस्टर

ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ के मेकर्स ने हाल ही में एक सरप्राइजिंग पोस्टर शेयर किया है। जिसे देखते ही फैंस एक्साइटेड भी हैं और कंफ्यूज भी कि ये पोस्टर किस प्रोजक्ट का है। दरअसल हाल ही में होम्बले फिल्म्स ने प्रभास के साथ तीन मेगा प्रोजेक्ट का एलान किया था ये उनमें एक का अनाउंसमेंट हो सकता है या फिर कोई प्रोजेक्ट हालांक इसका आज 16 नवंबर को हो जाएगा। आइए जानते हैं पोस्टर में क्या है।होम्बले फिल्म्स ने जो पोस्टर रिलीज किया है उसमें सिर्फ एक हाथ नजर आ रहा है जो किसी माइथोलॉजिकल फिल्म का लग रहा है। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, जब आस्था को चुनौती दी जाती है, तो वह प्रकट होता है। पहली झलक आज 16 नवंबर को दोपहर 3:33 बजे। हालांकि यह अनाउंसमेंट ऑफिशियल है लेकिन अभी तक पता नहीं चला है कि ये पोस्टर किस फिल्म और किस एक्टर का है। इसका पता कल यानि 16 नवंबर को शाम 3।33 बजे ही चलेगा।हाल ही में सालार और केजीएफ के मेकर्स होम्बले फिल्म्स ने 8 नवंबर को

प्रभास के फैंस को बड़ी गुडन्यूज दी। होम्बले फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था- रेबल स्टार प्रभास के साथ जुड़कर बहुत हमें बहुत गर्व महसूस हो रहा है, हम प्रभास के साथ इंडियन सिनेमा को वर्ल्ड लेवल तक पहचान दिलाने के लिए तीन फिल्मों का एलान करते हैं, प्रभास के साथ फिल्म का यह हमारा कमिटमेंट नया सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देगा, जो कभी ना भुला पाने वाला होगा, स्टेज सज चुकी है और अब रास्ते की कोई सीमा नहीं है, तैयार रहें, सालार 2 के साथ हमारा यह सफर शुरू होता है। अब होम्बले फिल्म्स ने इस अनाउंसमेंट के साथ फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। इसीलिए फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि हो ना हो ये फिल्म प्रभास की ही है।बता दें प्रभास की तीनों फिल्में साल 2026, 2027, 2028 तक रिलीज होंगी। यानि प्रभास अब तीन साल तक होम्बले फिल्म्स के लिए बुक हो गए हैं। इस अनाउंसमेंट के बाद से प्रभास के फैंस काफी खुश और एक्साइटेड हो गए और अब इस नए अनाउंसमेंट के बाद से फैंस की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई है। बता दें, प्रभास बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट को लेकर चर्चा में हैं। प्रभास के फैंस को इस फिल्म का भी बेसब्री से इंतजार है।

कंगुवा की आंधी में उड़ीं लियो और वेट्टैयन समेत यह फिल्में

हिंदी बॉक्स ऑफिस पर बनी सबसे बड़ी ओपनिंग कॉलीवुड फिल्म

साउथ स्टार सूर्या की नई फिल्म कंगुवा बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो गई है। फर्स्ट डे शो देखने के लिए बड़ी संख्या में ऑडियंस सिनेमाघरों में पहुंची। सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पटानी स्टारर ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छी शुरुआत की है। कंगुवा की हिंदी वर्जन ने लियो, इंडियन 2, द गोट और वेट्टैयन से बड़ी कमाई की है।सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, कंगुवा ने भारत से 22 करोड़ रुपये कमाए हैं। वेबसाइट के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, फिल्म ने तमिलनाडु से 13.65 करोड़ रुपये कमाए हैं। जबकि शिवा की निर्देशित फिल्म ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन लगभग 3.25-3।50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है।

इसने नवंबर 2018 के बाद से हिंदी में कॉलीवुड फिल्म के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंगुवा ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर लियो, द गोट, पोन्नियिन सेल्वन 1, पोन्नियिन सेल्वन 2, वेट्टैयन, इंडियन 2 और अन्य फिल्मों से बड़ी ओपनिंग की है। लियो, द गोट और वेट्टैयान को टॉप नेशनल चैन (पीवीआरइनॉक्स और सिनेपोलिस जैसी चैन) पर रिलीज नहीं किया गया क्योंकि मेकर्स हिंदी डब रिलीज के लिए मल्टीप्लेक्स चैन पर निर्धारित शर्तों का पालन करने के लिए तैयार नहीं थे। कंगुवा की ओपनिंग पुष्पा: द राइज के लगभग समान है, जिसने हिंदी में 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की।कंगुवा सूर्या की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।

फिल्म को शुरुआत में फैंस और समीक्षाओं से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हालांकि कुछ फैंस को फिल्म की स्क्रिप्ट थोड़ी वीक लगी। सूर्या के अलावा शिवा की निर्देशित फिल्म में बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल और दिशा पटानी है। वहीं सूर्या के भाई-एक्टर कार्थी कैमियो की भूमिका में नजर आए हैं।

विजय देवरकोंडा और राधिका मदान का गाना साहिबा जारी

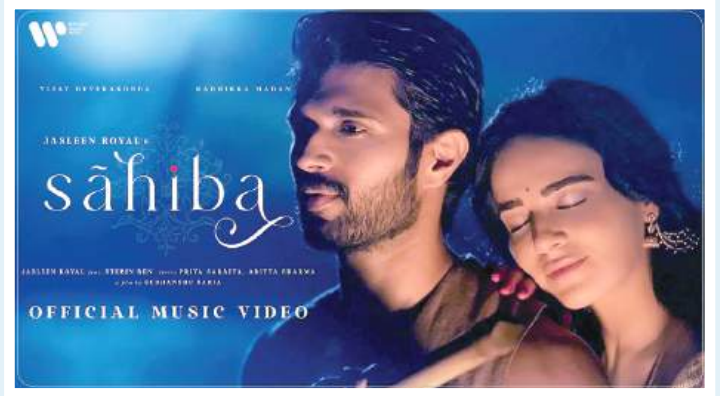

जसलीन रॉयल ने लगाए सुर

अभिनेता विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री राधिका मदान के गाने साहिबा का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो अब खत्म हो चुका है।दरअसल, साहिबा गाना रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।इस गाने को जसलीन रॉयल ने अपनी आवाज दी है, जिन्हें दिन शगना दा, हीरिये और माये नी जैसे गानों के लिए जाना जाता है। इस दौरान स्टेबिन बेन ने भी उनका साथ दिया है।विजय और राधिका की केमिस्ट्री को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। प्रिया सरैया और आदित्य शर्मा ने इस गाने के बोल लिखे हैं। जसलीन ने ही इस गाने को कंपोज किया है।विजय ने गाना साझा करते हुए लिखा, बिना शर्त प्यार के लिए एक प्रेम पत्र, साहिबा अब आ गया है। उम्मीद है कि आप सभी को यह उतना ही पसंद आएगा जितना हमें इसे बनाते समय आया।विजय के साथ साहिबा गीत को करके जसलीन काफी खुश हैं। वह विजय को सुरपहीरो मानती हैं और उनके साथ काम करने को किसी सपने के पूरे होने जैसा मानती हैं। उन्हें उम्मीद है कि श्रोता इस गाने को भी खूब प्यार देंगे। आगे भी वह विजय के साथ काम करने की इच्छा रखती हैं। इस गाने के अलावा विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म वीडी 14 को लेकर भी चर्चा में हैं। बताया जा रहा है कि यह एक वॉर ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म में विजय अलग रूप में नजर आ सकते हैं। उनके फैंस के लिए विजय को इस तरह के किरदार में देखना काफी बेहतरीन अनुभव साबित होगा। इसके अलावा भी विजय कुछ और फिल्म प्रोजेक्ट्स कर रहे हैं जिनके बारे में अभी विस्तार से जानकारी नहीं मिली है।

गुलाबी साड़ी पहन सुरभि चंदना ने बिखेरा जलवा

टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस सुरभि ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनकी ग्लैमरस अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस सुरभि चंदना आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में उनका ट्रेडिशनल लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। सुरभि ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।एक्ट्रेस की इन लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट।

बॉक्स ऑफिस पर सिंघम अगेन का संघर्ष जारी, 14वें दिन कमाए इतने करोड़ रुपए

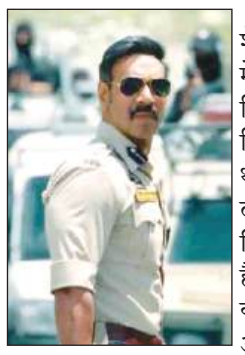

अभिनेता अजय देवगन और निर्देशत रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 2 सप्ताह पूरे हो गए हैं। यह फिल्म 1 नवंबर को रिलीज हुई थी।इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह पिछले कुछ दिनों से दर्शक जुटाने के लिए टिकट खिड़की पर संघर्ष कर रही है।अब सिंघम अगेन की कमाई के 14वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सिंघम अगेन ने अपनी रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को 3 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 220.50 करोड़ रुपये हो गया है।सिंघम अगेन में अजय की जोड़ी करीना कपूर के साथ बनी है। रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं।फिल्म के अंत में सलमान खान और अक्षय कुमार का कैमियो भी है।अजय की आगामी फिल्मों की बात करें तो वह अब फिल्म नाम में नजर आएंगे। यह फिल्म 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।उनके पास अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद भी है। इस फिल्म से रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अमन देवगन की भी यह फिल्म है।अजय रेड 2, दे दे प्यार दे सरदार 2 जैसी फिल्मों में भी दिखाई देंगे।

अदा शर्मा ने पिता के सेंस ऑफ ह्यूमर को किया याद

अदा शर्मा ने हाल ही में अपने पिता के हास्य बोध के बारे में बात की और खुलासा किया कि उनके पास सबसे खराब परिस्थितियों में भी हंसी ढूंढने की क्षमता थी।इंस्टाग्राम हैंडल पर अभिनेत्री ने अपने पिता के साथ बचपन की तस्वीरें शेयर कीं, साथ ही एक नोट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि उनके दिवंगत पिता गंभीर परिस्थितियों में भी हंसी ढूंढ ही लेते थे।द केरल स्टोरीज़ की अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मेरे पिता का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत खराब था। वह सबसे बेतुकी चीजों में भी हास्य ढूंढ लेते थे। मैंने उनसे सबसे खराब परिस्थितियों में भी हास्य ढूंढना सीखा। लोग मुझसे कहते रहते हैं कि चिंता मत करो, वह हमेशा तुम्हारे साथ हैं और हमेशा तुम्हें देखते रहते हैं। वो मुझे लाश की एक्टिंग करने को कहते थे।

उन्हें यह निश्चित रूप से बहुत मजेदार लगता और हम सब एक साथ खूब हंसते थे। जब भी मैं अब हंसती हूं तो मुझे याद आता है कि कैसे वह हंसते हुए अपनी कुर्सी से गिर जाते थे और मुझे इस बात का दुख होता है कि मैं उन्हें फिर कभी हंसते हुए नहीं देख पाऊंगी, लेकिन मैं और अधिक हंसती हूं क्योंकि जब भी मैं हंसती हूं तो मुझे याद आता है कि कैसे वह हंसते हुए अपनी कुर्सी से गिर जाते थे।एक इंटरव्यू में पहले अभिनेत्री ने खुलासा किया था कि उसे यह पूरी तरह से स्वीकार करने में दो साल लग गए कि उसके पिता अब नहीं रहे। अदा के पिता एस।एल। शर्मा तमिलनाडु के मदुरै से थे और वह भारतीय मर्चेंट नेवी में कैप्टन थे।हाल ही में अभिनेत्री को शो रीता सान्याल में देखा गया था।

अभिरूप घोष के निर्देशन में बनी टेलीविजन सीरीज का प्रीमियर 14 अक्टूबर, 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हुआ था।बड़े पर्दे पर अदा को पिछली बार सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित एक राजनीतिक थ्रिलर बस्तर: द नक्सल स्टोरी में देखा गया था। इसमें इंदिरा तिवारी, विजय कृष्ण, शिल्पा शुक्ला, यशपाल शर्मा, सुब्रत दत्ता और राइमा सेन भी थीं।

जिज्ञासा

पंख होने पर भी पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से 650 लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियां पक्षियों की तरह ही हल्की होती थी और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियां भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालांकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं

मैग्लेव ट्रेन

बच्चों तुमने पटरियों पर दौड़ती रेलगाड़ी तो देखी ही होगी पर क्या कभी तुमने पटरियों पर रेल को उड़ते हुए देखा है? नहीं न पर यह सच है। मैग्लेव ट्रेन ऐसी ही एक ट्रेन है जो विद्युतचुंबकीय बल के सहारे पटरी पर उड़ती हुई प्रतीत होती है। इस ट्रेन की रफ्तार बहुत तीव्र होती है किसी जेट विमान से बस थोड़ा कम यानी लगभग 580 किमी प्रति घंटा यह मुख्यत: दो प्रकार की तकनीक पर काम करती है। एक ईएमएस और दूसरी ईडीएस। ईएमएस यानि इलैक्ट्रोमैग्नेटिक सस्पेंशन तकनीक। इस तकनीक में ट्रेन को पटरियों से थोड़ा ऊपर उठा कर दौड़ाने के लिए ट्रेन के निचले भाग में इलैक्ट्रोमैग्नेट्स लगे होते हैं। दूसरी तकनीक यानी ईडीएस में पटरी और ट्रेन दोनों चुंबकीय प्रवाह के कारण विपरीत दिशा में विद्युत चुंबकीय बल छोड़ते हैं और इस तरह ट्रेन पटरी से ऊपर उठकर गति प्राप्त करती है। मैग्लेव ट्रेन फिलहाल जापान, इंग्लैंड, चीन व जर्मनी में देखने को मिल रही है पर जल्द ही हमारे देश में भी दिल्ली से मुंबई के बीच ऐसी एक ट्रेन दौड़ाने की योजना है। यह ट्रेन सबसे पहले इंग्लैंड में 1984 में सफलता पूर्वक चलाई गई थी। वैसे ऐसी ट्रेनों के निर्माण पर शोध कार्य 1960 में ही शुरू हो चुका था। जर्मनी और जापान ने भी 1990 में इससे होने वाले फायदों का ध्यान में रखकर इस पर काम शुरू कर दिया था।

टमाटर दुनिया को चीन की देन है!

अपने लाल सुर्ख रंग से सब्जी मंडी की रौनक बढ़ाने वाला और खाने की मेज पर हर किसी को ललचाने वाला टमाटर सब्जियों में फल माना जाता है और फलों में सब्जी। टमाटर कितना प्राचीन है, ये ठीक से कोई नहीं बता पाता। लेकिन हाल के एक प्रयोग से इतना साबित हो गया कि कम से कम दो हजार वर्ष पहले टमाटर दुनिया में मौजूद था। चीन के एक समाचार पत्र के अनुसार, मध्य चीन के चेंगडू में, जो सिचुआन राज्य में है, अंवेषण के दौरान पुरात्तत्ववेत्ताओं को अनेक ऐसी वस्तुएं मिलीं, जो कोयले का रूप ले चुकी थी। एक कब्र के ऊपर उन्हें ऐसे बीज मिले, जो फलों के प्रतीत हो रहे थे। पुरात्तत्ववेत्ताओं ने उस स्थान को गीले-गरम कम्बल से ढक दिया और दूसरे स्थान पर अपने काम में लग गए। करीब एक माह बाद वे लौटे और कंबल उठाया तो पाया कि वहं लगभग 40 अंकुर निकल आए हैं। अंकुर बढ़ते रहे और पौधे बन गए और फिर उनमें फल भी लगने लगे। पहले तो ये फल खजूर जैसे लगे परंतु जब बाद में और बढ़े तो अंडे जितने हो गए। विशेषज्ञों ने इन फलों का तरह-तरह से परीक्षण किया और अंत में घोषित कर दिया कि से टमाटर ही हैं। अब इन फलों को लेकर चीन में गरमागरम बहस छिड़ी है और दावा किया जा रहा है कि टमाटर दुनिया को चीन की देन है।

दुनिया का विशालकाय प्राणी व्हेल

समुद्र में रहने वाले प्राणियों में व्हेल एक विशाल मछली है। इसके स्पर्म व्हेल, किलर व्हेल, पायलट व्हेल, बेलुगा व्हेल आदि प्रजातियां होती हैं। ब्लू व्हेल इनमें सर्वाधिक विशालकाय होती है। इसकी लंबाई 115 फुट और वजन 150 से 170 टन तक होता है, जबकि कुछ व्हेल 11 फुट की भी होती हैं। व्हेल मछली सदियों से मानव सभ्यता के साथ भी जुड़ी है। अनेक देशों में व्हेल मछली के किस्से-कहानियां प्रचलित हैं।

समुद्र में 5 करोड़ वर्ष पूर्व व्हेल अस्तित्व में आई। अन्य स्तनधारी प्राणियों की तरह व्हेल हवा में सांस लेती है, उसका खून गर्म होता है बच्चों को दूध पिलाती है और उसके शरीर पर बाल होते हैं। व्हेल मछली की चमड़ी मोटी होती है, जिसे ब्लबर कहा जाता है। यह ऊर्जा को इकट्ठा करती है और उसके शरीर की रक्षा करती है।

इसकी एक रीढ़ होती है, कुछ हड्डियां और चार चेम्बर वाला हृदय होता है। इसकी गर्दन बहुत लचीली होती है, जो तैरते वक्त गोल घूम सकती है। यह ब्लोहोल्स से सांस लेती है। बैलीन व्हेल के दो ब्लोहोल्स होते हैं जबकि दांत वाली व्हेल को एक ब्लोहोल होता है। यह उनके सिर के ऊपर हिस्से में होते हैं। जब ब्लोहोल्स से व्हेल सांस लेती है तो उसके साथ काफी मात्रा में पानी भी उसके फेफड़ों में जमा हो जाता है जिसे बाद में फव्वारे के रूप में वापस बाहर कर देती है।

व्हेल की पूंछ के अंत में दो सिरे उसे तैरते समय मुड़ने में सहायक होते हैं। व्हेल अपने गले से बाहरी आवाज को ग्रहण करती है और वहां से वह आवाज अंदरूनी कान तक पहुंचती है। मादा व्हेल एक बार में एक बच्चे को जन्म देती है। वह अपने बच्चे को अपना दूध पिलाती है। उसका दूध टूथपेस्ट की तरह गाढ़ा होता है। बच्चे अपनी मां के साथ एक साल तक रहते हैं।

अधिकतर प्राणियों की तरह व्हेल भी आराम करती है। बाकी सभी जानवर तो सो सकते हैं, लेकिन व्हेल

कभी भी लंबे समय तक नहीं सोती। इसके शरीर का आकार इस तरह गोल होता है कि यदि यह सो जाए तो डूबकर मर जाती है। केवल इसका मस्तिष्क कुछ समय के लिए सोता है। पानी के ऊपर यह एक हमलावर की तरह उछलकर आती है और अपनी पूंछ जोर से पानी पर पटकती है।

व्हेल अपनी दूसरे साथियों से संपर्क करते समय एक मधुर ध्वनि निकालते हैं, जिसे व्हेल सांग कहा जाता है। यह ध्वनि बहुत तेज होती है। लगभग 20 हजार वाट के बराबर। यह मीलों दूर तक सुनाई देती है। व्हेल का भोजन मछलियां होता है।

17वीं शताब्दी में कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भारी मात्रा में व्हेल का शिकार किया जाने लगा था। व्हेल को मारकर उसका मांस, तेल और परफ्यूम बनाया जाता था। 1986 में इंटरनेशनल व्हेलिंग कमीशन ने व्हेल के व्यावसायिक शिकार पर पाबंदी लगाई। हालांकि अब भी पूरी तरह से व्हेल का शिकार बंद नहीं हुआ है।

कुछ रोचक बातें

- व्हेल को सांस लेने के लिए हवा की जरूरत होती है।
- यह अधिक लंबे समय तक नहीं सोती। इसका आधा मस्तिष्क सोता है तो आधा जागता रहता है।
- व्हेल 30 मील प्रति घंटे की रफ्तार से तैर सकती है।
- व्हेल के शरीर पर बहुत बारीक बाल भी होते हैं।
- इसका खून गर्म होता है।
- व्हेल का सबसे बड़ा दुश्मन मनुष्य है।

जानें यह भी

कहां से आई बिल्ली

बिल्ली एक ऐसा जीव है जिसे ब्रिटेन और अमेरिका में सबसे ज्यादा पाला जाता है। शायद ही विश्व का कोई ऐसा महाद्वीप हों जहां पर जंगली या घरेलू बिल्लियां न पाई जातीं हों। बिल्ली अच्छी और बुरी दोनों हैं, यह एक ऐसा जीव है जो अपने मालिक की आज्ञाओं का पालन करता है। लाखों वर्ष से विकास की एक चरम प्रक्रिया ने इस जंगली जानवर को पालतु बनाया है। गौरतलब है कि 4000 ई.पू. मिश्र के लोग बड़े-बड़े घरों में अनाज का भंडारण करते थे। उनकी प्रमुख समस्या चूहों से उस अनाज के भंडार की रक्षा करना था। उस समय तक चूहों से अनाज की रक्षा करने के लिए उन लोगों के पास कोई युक्ति नहीं थी। मिश्रवासियों को जब यह पता चला कि जंगली बिल्ली को पालतु बनाकर वे अपने अनाज के भंडारों की चूहों आदि जैसे जीवों से हिफाजत कर सकते हैं तो उन्होंने इस जंगली बिल्लियों को घरों में पालना शुरू किया। जल्द ही जंगली बिल्लयां मिश्रवासियों के घर के सदस्य की तरह उनके परिवार में रम गई। यह बिल्लयों और आदमजाति की दोस्ती की शुरूआत थी। इसी प्रक्रिया के मद्देनजर मिश्रवासियों ने बिल्लयों की हत्या पर पाबंदी लगाई और उनके शिकार करने पर दंड का प्रावधान रखा। उन्होंने बिल्लयों को अपने धार्मिक चिन्हों में भी जगह दी और उसकी मृत्यु के पश्चात उसके शव की ममी बनाने की प्रक्रिया भी शुरू की। एक लम्बे समय तक मिश्र से बिल्ली को किसी अन्य जगह ले जाने पर रोक थी इसलिए कुछ लोगों ने तस्करी के जरिए इसे एशिया और यूरोप के अन्य देशों में भी भेजा। धीरे-धीरे मिश्र में बिल्लियों की संख्या बढ़ने लगी और मिश्रवासियों ने इसे रोम में बेचना शुरू किया। 18 वीं शताब्दी के अंत तक बिल्ली एक पालतु जीव बन गई।

राजा के आगंन में आकर रहस्यमयी बातें बोला पंछी

एक राजा था उसके महल के आंगन में एक नीम का पेड़ था। रोज एक पंछी उस पेड़ पर आकर बैठता और चारों पहर अलग-अलग बातें कहता। पहले पहर में, 'किस मुंख दूध पिलाऊं' दूसरे पहर में 'ऐसा कहूं न दीख' तीसरे पहर में 'अब हम करबूं का' और चौथे पहर में 'सब विदवान मर जाएं'।

रोज उसकी बातें सुनकर राजा सोच में पड़ जाता लेकिन राजा को इन बातों को अर्थ समझ में नहीं आता। एक दिन उसने राजपुरोहित को बुलाया और पक्षी द्वारा कही गई सारे बातें बताकर उनका अर्थ पूछा। लेकिन पुरोहित ने थोड़ा समय मांगा और अपने घर लौट गया।

जब वह घर पहुंचा तो बहुत परेशान था। उसे देखकर पुरोहित की पत्नी ने परेशानी का कारण पूछा। तब पुरोहित ने पक्षी के प्रश्न कह सुनाए। प्रश्न सुनकर वह बोली- सब, इतनी सी बात। मैं राजा को सभे प्रश्नों के जवाब दे सकती हूं। कल मैं आपके साथ राजदरबार चलूंगी।

दूसरे दिन पुरोहित के साथ उसकी पत्नी भी राजदरबार में पहुंची। राजा ने पहले प्रश्न 'किस मुख्ज दूध पिलाऊं' का अर्थ पूछा। पुरोहित की पत्नी ने कहा 'महाराज ये पक्षी आधी बात बोलता है, पूरी बात इस प्रकार है- लंका में रावण भयो, बीस भुजा दस शीश, माता ओ कि जा कहे, किस मुंख दूध पिलाऊं? यानी लंक अमें रावण ने जन्म लिया, उसकी बीस भुजाएं और दस सिर हैं। यह देखकर माता कहती है कि मिअं उसे कौन-कौन से मुख से दूध पिलाऊं?

राजा ने दूसरा प्रश्न पूछा 'ऐसो कहूं न दीख?' पूरोहित की पत्नी ने बताया 'घर जम्ब नव दीप, बिना चिंता को ऐसो आदमी कहूं न दीख। यानी चारों दिशाओं, पृथ्वी, नवखंड सभी छान मारों पर बिना चिंता का आदमी कहीं नहीं मिलेगा।

राजा ने तीसरा प्रश्न पूछा- 'अब हम करबूं का'? पुरोहित की पत्नी बोली 'पांच वर्ष की कन्या साठे दई ब्याहे, बैठी करम बिसरूती, अब हम करबूं का? यानी पांच वर्ष की कन्या का विवाह एक बूढ़े से करवा दें तो वह अपनी किस्मत को कोसती हुई ये कहेगी 'अब मैं क्या करूं'।

चौथा प्रश्न था 'सब विदवान मर जाएं'। पुरोहित की पत्नी ने कहा कि 'विश्व सगंत जो करें, सुरा मांस जो खाएं, बिना सपरे भोजन करें, वे सब विदवान मर जाएं'। यानी जो विद्वान परस्त्री की सगंति करें, सुरा और मांस का सेवन करें और बिना स्नान के भोजन करें ऐसे विद्वान का मर जाना ही उचित है।

राजा इन सभी प्रश्नों के उत्तर जानकर बहुत खुश हुआ। उसने पुरोहित की पत्नी की बुद्धि को सराहा और खूब सारा धन देकर उसे विदा किया।

कुटुर कुटर राग अलापे कुटर्रू

छोटी गर्दन, बड़े सिर और लाल रंग की बड़ी भारी चोंच वाला हरा बंसता घने जंगलों और बाग बगीचों में अक्सर दिखाई देता है। चूंकि पक्षी के पंख हरे होते हैं इसलिए इसे हरा बंसल भी कहा जाता है। यह सफाई पंसद पक्षी है। यह परिंदा निचले हिमाचल से लेकर गोदावरी तक मिलता है। यह पक्षी छोटे-छोटे समूहों में रहता है। इसका कद मैना से थोड़ा बड़ा होता है। नर और मादा लगभग एक समान होते हैं। उड़ान में यह कमजोर होता है। चोंच के पास उगे बालों की प्रारंभ में दाढ़ी समझ कर इसे बाश्बेट नाम दिया गया था। इनकी 72 जातियों में 16 भारतीय है। अमेरिका में 12, अफ्रीका में 37 जातियां पायी जाती हैं। हरे बसंता का मुख्य भोजन पीपल, बरगद जैसे वृक्षों के फल, सेमल के फूलों का मकरंद, कचनार के फूल और कीड़े-मकोड़े आदि हैं। यह गरमी की नीरव दोपहरी में भी बोलना बंद नहीं करता है।

गर्मी की तपती दोपहरी में भी कुटुरू-कुटुरू राग अलापने के कारण इसे कुटर्रू भी कहा जाता है।

नर और मादा मिलकर विशेषकर पुराने सड़ रहे वृक्षों या नरम लकड़ी के पेड़ों में कोटर बनाकर रहता है घरौंदा बनाते समय जो बुरादा कोटर से गिरता है। सामान्यतया मादा एक खेप में दो से चार अंडे देती है। अंडों को सेने और लालन-पालन का काम नर-मादा मिलकर करते हैं।

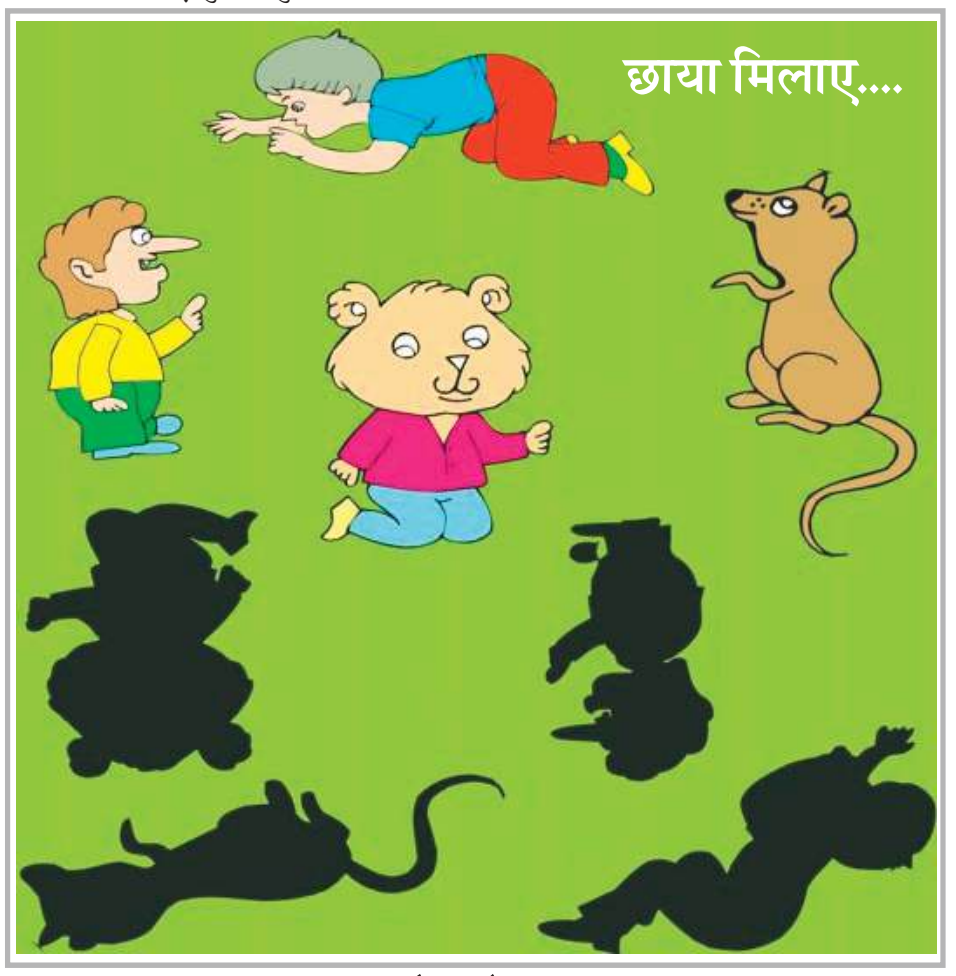

बैटमेन

1938 के शुरूआती समय में एक्शन कॉमिक्स में सुपरमैनं नामक काल्पनिक चरित्र की अपार सफलता ने डीसी कॉमिक्स को भी नए पात्र लोगों सामने लाने के लिए प्रेरित किया और इस तरह काफी कशमकश के बाद जन्म हुआ बैटमैन का। इस चरित्र को दो लोगों बॉब कॉन व बिल फिंगर ने मिलकर गढ़ा था। अपराधियों के दिलों में दहशत जगाने वाला यह किरदार सबसे पहले डीसी कॉमिक्स ने प्रकाशित किया था। बैटमैन की पहली कहानी थी। केस-ऑफ द केमिकल सिंडीकेटं जो कि सन् 1939 में आई थी। अपने खास चमगादड़ की शक्ल के काले लिबास में बैटमैन को बुरे लोगों से लड़ते हुए दिखाया गया पर इसके पास सुपरमैन की तरह कोई सुपरनैचुरल ताकत नहीं है। यह तो अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, जासूसी दक्षता और तकनीकी ज्ञान के बलबूते अपराधियों को छकाता है।

बचपन में अपने माता-पिता की नृशंस हत्या का बदला लेने के लिए बैटमैन अपने आप को मानसिक व शारीरिक तौर पर मजबूत बनाता है और वह काल्पनिक शहर गोथम में अपने इस काम को अंजाम देता है। दरअसल बैटमैन का नाम ब्रूस वेन है जो कि आम जिंदगी में एक अमीर आदमी है। उसके दो सहयोगियों का नाम है रॉबिन व एन्फ्रेड। रॉबिन नामक पात्र को फिंगर के इस सुझाव के बाद बैटमैन की जिंदगी में शामिल किया गया कि प्रसिद्ध जासूसी पात्र शॉरलॉक होम्स की कहानियों में वॉटसन नामक किरदार की तरह बैटमैन को भी अपने मन की बात कहने के लिए किसी दोस्त की जरूरत है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 1952 में प्रकाशित कहानी द्वद माइटिएस्ट टीम इन द वर्ल्ड में पहली बार इसे सुपरमैन के साथ पेश किया गया जिसमें यह दर्शाया गया कि दोनों एक दूसरे की असली पहचान को जान लेते हैं। यह सिलसिला लगभग 1986 तक लगातार चला क्योंकि बच्चों को यह बेहद पंसद आया। इसके बाद समय-समय पर लोगों की बदलती रुचि को ध्यान में रखकर इस पात्र में अपेक्षित बदलाव किए गए। 1943 में पहली बार बैटमैन पर एक टेलीविजन धारावाहिक का प्रसारण हुआ जिसमें लिक्स विल्सन यह किरदार निभाने वाले पहले अभिनेता बने। अगले दो वर्षों में यह किरदार सुपरमैन टीवी के साथ-साथ रेडियो पर भी छाने लगा और 1949 में बैटमैन एंड रॉबिन शीर्षक से बने धारावाहिक ने इसे उन घरों में भी पहुंचा दिया जिन्होंने कभी कॉमिक्स खरीदी ही नहीं।

सीसामऊ और गाजियाबाद में निकला योगी का जानदार रोड शो

सीसामऊ और गाजियाबाद के भाजपा प्रत्याशियों के लिए जनता से मांगा समर्थन

कानपुर/गाजियाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सीसामऊ व गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किया। सीसामऊ विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने सुरेश अवस्थी और गाजियाबाद से संजीव शर्मा को टिकट दिया है। रोड शो में सीएम योगी की झलक पाने के लिए आमजन में बेताबी दिखी। इस दौरान जनसैलाब उमड़ा रहा। लोगों ने घरों की छतों व दुकानों से मुख्यमंत्री पर पुष्पवर्षा की। सीसामऊ से मतदाताओं ने सीएम योगी को विश्वास दिलाया, बाबा हम सब आपके साथ हैं। गाजियाबाद के जनमानस ने भी योगी आदित्यनाथ को फिर से कमल खिलाने का वायदा किया। बोले कि हम बंटेंगे नहीं, एक रहेंगे और सेफ

रहेंगे।

रोड शो के दौरान महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग व युवा घरों से योगी आदित्यनाथ का अभिवादन करते रहे। लोगों ने सीएम पर पुष्पवर्षा कर अपनत्व बरसाया। पूरा रास्ता 'योगी-योगी, बुलडोजर बाबा' जैसे गगनभेदी नारों से गुंजायमान रहा। पूरे रास्ते भगवा गुब्बारा तो हाथों में कमल का झंडा फहराता रहा। सीसामऊ में सम्राट कुल्चा भंडार के बगल में छत पर खड़ी बुजुर्ग ने छत से सीएम की आरती उतारी तो योगी आदित्यनाथ ने भी हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया। आमजन सीएम योगी की झलक अपने मोबाइल के कैमरों में कैद करते रहे। सीसामऊ में छत से लोग थाली बजाकर, आरती उतारकर योगी आदित्यनाथ के प्रति अभिवादन करते रहे। लोग मुख्यमंत्री की पेंटिंग भी बनाकर लाए थे।

सीएम योगी ने सीसामऊ में आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि जो उत्साह आपने दिखाया है, उसके लिए अभिनंदन। सीएम ने 20 नवंबर को सीसामऊ से सुरेश अवस्थी को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि बंटना नहीं है, एक रहना है और सेफ रहना है। उन्होंने अपील की कि दो बातें न जाना भूल-राम मंदिर और कमल का फूल। गाजियाबाद वालों पर भी सीएम योगी का जादू खूब चला। यहां मोबाइल का टॉर्च जलाकर समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों ने मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया। योगी जी आए हैं, योगी ही आएंगे। संतों की नगरी को, बाबा ही चलाएंगे। योगी-मोदी जिंदाबाद आदि गीतों पर युवा थिरकते दिखे।

आमजनमानस ने एक ही नारा, एक ही नाम-जयश्रीराम, जयश्रीराम, योगी जी को जयश्रीराम आदि नारों से स्वागत किया। सीएम योगी के वाहन के दोनों तरफ उमड़ा जनमानस उनकी एक झलक पाने को आतुर दिखा।

सीसामऊ रोड शो में यूपी के मंत्री सुरेश खन्ना, नितिन अग्रवाल, बलदेव सिंह औलख, कानपुर से सांसद रमेश अवस्थी, विधान परिषद सदस्य सलिल विश्नोई, गाजियाबाद में सांसद अतुल गर्ग, मंत्री सुनील शर्मा, नरेंद्र कश्यप, ब्रजेश सिंह, विधायक नंदकिशोर गुर्जर आदि शामिल थे।

योगी के मंत्री मनोहर लाल के काफिले पर हमला, सुरक्षाकर्मी की पिस्टल लूटी

झांसी, 16 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ (मन्नू कोरी) के काफिले पर ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में भीड़ ने हमला बोल दिया।

शुक्रवार शाम को मंत्री के सुरक्षाकर्मी समेत स्टाफ को गाड़ी से नीचे घसीटकर लात-घूंसों से पीटा। सुरक्षाकर्मी को पीटने के साथ ही भीड़ में शामिल लोग उसकी सर्विस पिस्टल लूट ले गए। मंत्री के काफिले पर हमले की खबर मिलने से पुलिस महकमे में खलबली मच गई। आला पुलिस अफसर भी पहुंच गए। पुलिस ने देर शाम नाकेबंदी करके दो आरोपियों को गिरफ्तार करके पिस्टल बरामद कर ली।

अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री मनोहर लाल शुक्रवार को आगरा में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद ग्वालियर के रास्ते लौट रहे थे। जनसंपर्क अधिकारी सोनू चौबे के मुताबिक, मंत्री का काफिला ग्वालियर-डबरा हाईवे से होते हुए जैसे ही बघेल ढाबा के पास पहुंचा जाम लगा होने से चालक ने उल्टे हाथ से गाड़ी निकालने की कोशिश की। इस दौरान एक बाइक सवार से गाड़ी निकालने को लेकर बहस होने लगी। काफिले में मौजूद सुरक्षाकर्मी सर्वेश कुमार ने बाइक सवार को थप्पड़ जड़ दिए। बाइक सवार धमकाता हुआ चला गया। कुछ दूर पहुंचने पर युवक अपने साथ 10-15 लोग को बुलाकर मंत्री की कार को घेर लिया।

सुरक्षाकर्मी सर्वेश कुमार, अर्दली राकेश कुमार, पीआरओ सोनू को नीचे उतारकर जमकर पीटा। मंत्री के सामने ही लात-घूंसों से पीटने लगे। आरोपी सर्वेश कुमार की नाइन एमएम पिस्टल एवं दस राउंड कारतूस भी लूट ले गए। मंत्री के काफिले पर हमले की सूचना मिलते ही पुलिस अफसरों में हड़कंप मच गया। मौके पर आला अफसर पहुंच गए। बिलौआ थाने में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

निर्दोष हिंदुओं की हत्या करते हैं सपा से जुड़े दुर्दांत माफिया : योगी

जनसभाओं में गरजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज/अलीगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यूपी की रैलियों में समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। बोले-हर दुर्दांत माफिया सपा के गले के हार हैं। उनसे ही इन (सपा) की आजीविका चलती है। उनके घरों से यह लोग जीते हैं। जया पाल-पूजा पाल पर अत्याचार किसी से छिपा नहीं है। भाजपा विधायक कृष्णानंद राय के साथ रमेश यादव, रमेश पटेल समेत सात अन्य की निर्मम हत्या कर दी गई। सपा से जुड़े दुर्दांत माफिया निर्दोष हिंदुओं की हत्या व सम्पत्ति पर कब्जा करते थे। व्यापारियों का अपहरण, बेटी की सुरक्षा में सेंध, धार्मिक स्थलों पर कब्जा और पर्व-त्यौहारों में व्यवधान डालकर अशांति पैदा करते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होता, क्योंकि यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा है, यहां सब चंगा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूलपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल व खैर से सुरेंद्र दिलेर के पक्ष में शनिवार को जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने रैलियों में भी झांसी की दर्दनाक घटना जिक्र कर बच्चों की मौत पर शोक जताया। सीएम योगी ने कहा कि सपा को विकास, युवाओं, किसानों, व्यापारियों से कोई मतलब नहीं है। सबका साथ, सैफई परिवार का विकास ही सपा का सिद्धांत है।

हमने यूपी को दंगा मुक्त बनाने, खनन, नकल, पशु, वन समेत सभी माफिया से सख्ती से निपटने की बात कही थी और इसे पूरा भी किया। शुचितापूर्ण परीक्षाएं के साथ ही सरकार जब युवाओं के हित में कार्य करती है तो इन्हें परेशानी होती है। हमने पहले दिन ही कहा था कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों से हम भी खिलवाड़ करेंगे। नकल माफिया के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। प्रतियोगी परीक्षाएं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न हो। इसके लिए सरकार व चयन बोर्ड-आयोग

कार्य कर रही है। अच्छे नौजवान सेवा में आएंगे तो विकास को द्रुत गति से बढ़ाकर गरीबों तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने में योगदान देंगे।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के प्रयास से प्रयागराज कुंभ दुनिया में मानवता के मूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है। सपा राम मंदिर, दीपोत्सव, देव दीपावली, परीक्षाओं की शुचिता, विकास कार्यों, गरीब कल्याण योजनाओं का विरोध करती है। सपा बांटने की राजनीति पर विश्वास करती है। यह लोग जाति के नाम पर बांटेंगे। ऐसे लोग दुश्मन की तरह काम कर रहे हैं। सपा पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि सत्ता ऐसे लोगों को मिल जाती है तो गरीब हिंदू टकटकी लगाए देखते रह जाता है, लेकिन उसे शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। सीएम योगी ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे प्रयागराज को पश्चिमी उत्तर प्रदेश से जोड़ेगी।

महज छह से सात घंटे में मेरठ पहुंच जाएंगे। सपा के लोग गुमराह करके सोशल मीडिया पर आपस में लड़ाएंगे। इससे सावधान रहना है। समाजवादी पार्टी के गठबंधन में हर दिन नया घोटाला होता था। चुनाव भाजपा के लिए सेवा का मिशन है, जबकि सपा-बसपा के लिए अपने कारनामों को अंजाम देने का व्यवसाय और जनता के शोषण, अराजकता फैलाने का सर्टिफिकेट प्राप्त करने का माध्यम है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने खैर में कहा कि भारत के विभाजन की नींव रखने वाली मुस्लिम लीग की स्थापना 1906 में अलीगढ़ में हुई थी। अलीगढ़ ने उनकी चलने नहीं दी, लेकिन देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटने के उनके मंसूबे सफल हो गए। मुस्लिम लीग की स्थापना कराची, इस्लामाबाद, ढाका में नहीं, बल्कि अलीगढ़ में हुई थी। उस समय समाज को बांटने को जो काम मुस्लिम लीग कर रही थी। वही कार्य आज समाजवादी पार्टी कर रही है। इनके मंसूबों को सफल नहीं होने देना है। सीएम ने विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि कुछ ही दिनों के अंदर इस क्षेत्र की वैल्यू दिल्ली से अधिक होने वाली है। जेवर एयरपोर्ट, फिल्म सिटी व ट्राय सिटी बनने के बाद सर्वाधिक लाभ यहां के लोगों का होगा। कांग्रेस और सपा सरकारें विकास नहीं करा सकती थीं। ऐश करने वाले यह लोग राजसी ठाठ-बाट के साथ सत्ता को बपौती बनाकर आज भी जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ में लगे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 1947 में 10 लाख से अधिक हिंदुओं को इसलिए कटना पड़ा था, क्योंकि हम बंटे थे। अब बंटना नहीं है, बंटेंगे तो कटेंगे। अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय और पाकिस्तान की रूह कंपाने के लिए डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण हुआ है। अलीगढ़ की तोप जब दुश्मन की तरफ नाल करते हुए गरजेगी तो पाकिस्तान की रूह कांप जाएगी। सीएम ने कहा कि एक तरफ सबको सम्मान देने वाले लोग हैं तो दूसरी तरफ पूर्व विधायक मलखान सिंह के हत्यारों को संरक्षण देने वाले। अपराधी व माफिया समाज के दुश्मन हैं, इन्हें कभी भी आगे न बढ़ने देना। इनकी जगह जेल या जहन्नुम होनी चाहिए

यूपी उपचुनाव : अयोध्या का झटका कटेहरी से चुकाएगी भाजपा

अंबेडकर नगर, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

यूपी में इन दिनों उपचुनाव को लेकर पार्टियां मैदान में डटी हुई हैं। अयोध्या में लोकसभा चुनाव में मिली हार के झटके से उबरने के लिए भाजपा ने अंबेडकरनगर के कटेहरी उपचुनाव को जीतने के लिए पूरा दम लगा रखा है। यहां से भाजपा को बड़ी आस है। सरकार की तरफ से लंबे समय से बार-बार यह संदेश दिया जा रहा है कि अयोध्या के साथ ही अंबेडकरनगर का भी विकास प्राथमिकता पर होगा।

मालूम हो कि अंबेडकरनगर जनपद का सृजन करीब तीन दशक पहले अयोध्या (तत्कालीन फैजाबाद) जनपद को ही विभक्त

कर हुआ था। ऐसे में अयोध्या से खासी नजदीकी अभी भी यहां के लोगों को रहती है। इसे भांपते हुए ही भाजपा और सरकार की तरफ से लगातार यह कहा जा रहा है कि अयोध्या की तर्ज पर यहां का भी विकास होगा।

हालांकि यह वायदे तो लोकसभा चुनाव के पहले भी किए गए थे। लेकिन, उसका कोई असर यहां हुआ नहीं। सवा एक लाख से अधिक मतों के अंतर से भाजपा प्रत्याशी को करारी हार का सामना करना पड़ा था। अब उपचुनाव में फिर से कटेहरी और पूरे जिले के विकास का मुद्दा उठा है। इस बार यहां ज्यादा विकास कराने की बात स्वयं सीएम योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। वह बार-बार कटेहरी पहुंच रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा यह सीट जीतकर अयोध्या की हार के बाद बड़ा संदेश देना चाहती है। वह बताना चाहती है कि अयोध्या और आसपास के जिलों में भगवा राजनीति का दबदबा अभी कायम है। कटेहरी की जीत का एक असर यह भी होगा कि लोकसभा चुनाव में पूर्वांचल में सामने आई सपा की धमक के असर को कम किया जा सकेगा। इसका फायदा आगे होने वाले मिल्कीपुर विधानसभा के उपचुनाव में उठाया जा सकेगा। शनिवार को सपा सांसद लालजी वर्मा ने उपचुनाव में प्रशासन पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया है। उन्होंने वीडियो जारी करके कहा कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी प्रधानों और कोटेदारों को अपने बूथ पर भाजपा को जीत दिलाने का दबाव बना रहे हैं।सांसद ने अलग-अलग अधिकारियों के पद और नाम का जिक्र किया। इसमें थानेदार तक शामिल हैं। कहा कि मेरे गांव को जाने वाली सड़क के मोड़ पर रोज चेकिंग की जा रही है। जिन वाहनों को मंजूरी मिली है, उन्हें भी रोका जा रहा है। हमने लोगों से संपर्क साधने के लिए नाम सहित जो फोन नंबर नोट किए हैं। उनकी भी कॉपी की जा रही। यह निजता और गोपनीयता का उल्लंघन है। सांसद ने कहा कि भाजपा की जो गाड़ियां चल रही हैं, प्रशासन को वह नहीं दिख रहा है। मनमानी यह है कि पाबंद करने की जो कार्रवाई हुई है, उसमें 99 फीसद लोग सपा के कार्यकर्ता हैं। प्रशासन उपचुनाव में हर तरह की मनमानी कर रहा है।

बहराइच में लव-जेहादियों की करतूत का संदेह

14 दिन में 17 लड़कियां रहस्यमय तरीके से लापता

बहराइच, 16 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच से बीते दो सप्ताह में 14 किशोरियां और तीन युवतियां रहस्यमय तरीके से लापता हो गईं। घरवालों ने थाने पहुंचकर इसकी सूचना दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज किया है। बेटियों की तलाश की जा रही है। हालांकि पुलिस को संदेह है कि लड़कियों की रहस्यमय गुमशुदगी के पीछे लव जेहादियों की करतूत हो सकती है। इस एंगल से मामले की छानबीन की जा रही है। हरदी थाना के एक गांव निवासी महिला ने बताया बीते नौ नवंबर को उनकी 12 वर्षीय बेटी व बहन की 13 वर्षीय बेटी खेत पर उरद काटने गई थी। तभी से घर वापस नहीं लौटी। इसी क्षेत्र निवासी एक अन्य युवक ने नौ नवंबर को अपनी 15 वर्षीय बेटी को विनय गौतम, मटेरा निवासी युवक ने चार नवंबर को 15 वर्षीय बेटी के अहमद रजा पर ले जाने, रानीपुर निवासी युवक ने 12 नवंबर को 16 वर्षीय बेटी के घर से घास काटकर लौटकर वापस न आने की जानकारी दी। दरगाह शरीफ थाना के एक गांव निवासी युवक ने बताया चार नवंबर को 14 वर्षीय बेटी कोचिंग पढ़ने गई थी। जरवलरोड थाना निवासी एक युवक ने बताया गांव निवासी अखिलेश कुमार, रामानंद व उनकी पत्नी पांच नवंबर की रात उनकी 19 वर्षीय बेटी को अपने साथ ले गए। कैसरगंज कोतवाली निवासी युवक ने बताया 27 अक्टूबर को उनकी 16 वर्षीय बेटी बाजार गई थी। अपने साथ तीन जोड़ी पायल, 46 हजार नकदी ले गई। इसी तरह मटेरा निवासी युवक के अनुसार उनकी 17 वर्षीय बेटी घर में कहासुनी होने के चलते चार नवंबर को घर से चली गई। मोतीपुर निवासी चंदा ने बताया दो नवंबर को उनकी 21 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। मुर्तिहा कोतवाली के गांव निवासी युवक के मुताबिक पांच नवंबर को उनकी 16 वर्षीय बेटी को बाबू ले गया। वहीं क्षेत्र निवासी महिला ने बोझिया गांव निवासी रोहित, महेश, रामकुमार पर तीन नवंबर को उनकी 15 वर्षीय बेटी को ले जाने का आरोप लगाया है। विशेश्वरगंज निवासी महिला ने गोंडा भटपुरवा गोकरननाथ निवासी मोनू पर उनकी 18 वर्षीय बेटी को ले जाने का आरोप लगाया है। नानपारा कोतवाली निवासी महिला ने छह नवंबर को आठ वर्षीय बेटी के गायब होने की जानकारी दी। पयागपुर निवासी युवक ने गांव निवासी सूरज पर नौ नवंबर को अपनी 16 वर्षीय बेटी को ले जाने का आरोप लगाया है। इसी तरह फखरपुर थाना निवासी युवक ने आठ नवंबर को 16 वर्षीय बेटी के गायब होने की जानकारी दी।

बांग्लादेश टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित,जस्टिन ग्रीव्स, केविन सिंक्लेयर की वापसी

सेंट जॉन्स, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स और स्पिनर केविन सिंक्लेयर की 22 नवंबर से नॉर्थ साउंड में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली दो मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

क्रेग ब्रैथवेट की अगुआई वाली इस टीम में अनुभवी, फॉर्म में चल रहे खिलाड़ियों और नई प्रतिभाओं का शानदार मिश्रण है। ग्रीव्स ने घरेलू व्हाइट-बॉल प्रतियोगिता में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद वापसी की है, जिसमें उन्होंने तीन शतक जड़े थे। सिंक्लेयर भी एक मूल्यवान स्पिन गेंदबाजी विकल्प के रूप में टीम में वापस आ गए हैं, जबकि जेसन होल्डर कंधे की चोट के कारण पुनर्वास के लिए सीरीज से बाहर रहेंगे।

इस बीच, टेस्ट सीरीज से पहले, टेस्ट कप्तान क्रैग ब्रैथवेट 17 और 18 नवंबर को एंटीगुआ के कूलिज क्रिकेट ग्राउंड पर बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दो दिवसीय अभ्यास मैच के लिए सीडब्ल्यूआई सिलेक्ट इलेवन टीम का नेतृत्व करेंगे।

मुख्य कोच आंद्रे कोली ने एक आधिकारिक बयान में कहा,हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज दो उभरती हुई टीमों के बीच एक प्रतिस्पर्धी मुकाबला होगा। दो दिवसीय अभ्यास मैच और प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से सीरीज की तैयारी हमें सर्वश्रेष्ठ संभव तैयारी प्रदान करेगी, क्योंकि वे अनुभवी और उभरते हुए दोनों खिलाड़ियों को टेस्ट सीरीज से पहले अपने कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करेंगे। बांग्लादेश 4 दिसंबर को किंग्स्टन में दूसरे टेस्ट के समापन के बाद तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज का दौरा करेगा।

वर्तमान में, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में सबसे निचले पायदान पर हैं।

वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम इस प्रकार है:

क्रेग ब्रैथवेट (कप्तान), जोशुआ दा सिल्वा (उपकप्तान), एलिक अथानाज़े, कीसी कार्टी, जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, एंडरसन फिलिप, केमर रोच, जेडन सील्स, केविन सिंक्लेयर, जोमेल वारिकन।

न्यूज़ ब्रीफ

रोहित दोबारा बने पिता, सूर्यकुमार यादव संजू सैमसन, तिलक वर्मा ने दी बधाई

नई दिल्ली। रोहित शर्मा दोबारा पिता बन गए हैं। शुक्रवार रात उनकी पत्नी रितिका सजदेह ने एक बेटे को जन्म दिया है। दोनों को हर तरफ से बधाइयां मिल रही हैं। रोहित, जो इससे पहले आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टेस्ट टीम के साथ यात्रा नहीं कर पाए थे, दूसरी बार पिता बने, जब उनकी पत्नी रितिका ने मुंबई के एक स्थानीय अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया। शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर 3-1 से सीरीज जीतने वाली भारतीय टी20 टीम ने भी रोहित और रितिका को बधाई दी और भारतीय कप्तान को चिढ़ाते हुए कहा कि एक नया क्रिकेटर मैदान में आया है। तिलक वर्मा ने बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, वास्तव में, हम सभी बहुत खुश हैं रोहित भाई। हम सभी इस पल का इंतजार कर रहे थे। मैं जल्द ही आपके और बच्चे के साथ जुड़ूंगा। संजू सैमसन ने कहा, रोहित और उनके परिवार के लिए बहुत-बहुत खुश हूं। टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, हमें अब एक नए क्रिकेटर के लिए तैयार होना होगा जो जल्द ही हमारे साथ जुड़ेगा। रोहित और रितिका की पहले से ही एक बेटी समायरा है, जिसका जन्म 2018 में हुआ था। शुक्रवार को बच्चे के आने के साथ, संभावना है कि रोहित 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाले पहले पर्थ टेस्ट में खेल सकते हैं। इससे पहले, मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि रोहित पहले टेस्ट में खेलेंगे या नहीं।

नीरज गोयत ने सुपर-मिडिलवेट मुकाबले में व्हिंडरसन नून्स को हराया

नई दिल्ली। नीरज गोयत ने शुक्रवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन स्थित एटी एंड टी स्टेडियम में जेक पॉल बनाम माइक टायसन नेटफ्लिक्स इवेंट के अंडरकार्ड सुपर-मिडिलवेट मुकाबले में व्हिंडरसन नून्स को हराया। डब्ल्यूबीसी रैंकिंग में जगह बनाने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज ने छह राउंड की गैर-टाइटल लड़ाई में 60-54 के व्यापक अंतर से सर्वसम्मत निर्णय से अपना मुकाबला जीता। यह भारतीय मुक्केबाज का एकतरफा मुकाबला था, जिसने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। भारत के 33 वर्षीय मुक्केबाज ने अपने पिछले पांच मैचों में से चार जीते हैं, जिसमें उनकी आखिरी जीत पिछले साल दूसरे दौर में फाकोर्न ऐम्योद पर तकनीकी नॉकआउट (टीकेओ) से जीत के रूप में आई थी। उनके प्रतिद्वंद्वी, नून्स ने हाल ही में मिसफिट्स बॉक्सिंग प्राइम कार्ड में नाथन बार्टलिंग से हारकर अपना पेशेवर पदार्पण किया। ब्राजीलियाई मुक्केबाज केवल प्रदर्शनी मैचों में ही दिखाई दिए हैं।

विश्व कप क्वालीफायर मैच के लिए ब्राजील की टीम में शामिल हुए अनकैप्ड डिफेंडर डोडो

रियो डी जेनेरियो। फिओरेंटीना के अनकैप्ड डिफेंडर डोडो को उरुग्वे के खिलाफ होने वाले विश्व कप क्वालीफायर मैच के लिए ब्राजील की टीम में शामिल किया गया है। ब्राजील फुटबाल परिसंघ (सीबीएफ) ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। 25 वर्षीय खिलाड़ी मोनाको के राइट-बैक वेंडरसन की जगह लेंगे, जिन्हें पीले कार्ड जमा होने के कारण अगले मंगलवार को साल्वाडोर में होने वाले मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है। सीबीएफ ने गिलहर्मे अराना के टखने में चोट लगने के बाद बोटाफोगो और मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व लेफ्ट-बैक एलेक्स टेल्स को भी वापस बुला लिया है। गुरुवार को वेनेजुएला के साथ 1-1 से ड्रॉ के बाद पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में तीसरे स्थान पर है, जो लीडर अर्जेंटीना से पांच अंक पीछे है। शीर्ष छह टीमें संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले 2026 विश्व कप में स्वतः ही स्थान प्राप्त कर लेंगी, जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में भाग लेगी।

ब्रांड एंबेसडर के रूप में एचआईएल टीम गोनासिका में शामिल हुए बॉलीवुड स्टार संजय दत्त

विशाखापत्तनम,16 नवंबर (एजेंसियां)।

आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में विजाग की पुरुष टीम गोनासिका ने पहले सीजन में बॉलीवुड स्टार संजय दत्त को टीम का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। खेल के दिग्गजों, हेड कोच जगबीर सिंह और मेंटर एम.एम. सोमाया की अगुआई वाली टीम 28 दिसंबर को राउरकेला के प्रतिष्ठित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में दिल्ली एसजी पाइपर्स के खिलाफ अपने मुकाबले से अपने एचआईएल अभियान की शुरुआत करेगी।

बॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक संजय दत्त, जिन्हें 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'वास्तव' जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है, अपनी स्टार पावर और खेल के प्रति जुनून को टीम में लेकर आए हैं। उनकी भागीदारी निस्संदेह लीग की ओर महत्वपूर्ण ध्यान और समर्थन आकर्षित करेगी, जिससे गोनासिका और हॉकी इंडिया लीग की प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में संजय दत्त ने कहा,आज टीम गोनासिका के ब्रांड एंबेसडर के रूप में आपके सामने खड़े होकर मुझे बेहद गर्व महसूस हो रहा है। हॉकी इंडिया लीग में अपनी यात्रा शुरू करने वाली इस शानदार टीम का समर्थन करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैं तारिणी प्रसाद मोहंती और उनके बेटे अब्रिद मोहंती की दिल से प्रशंसा करना चाहता हूँ, जिनके जुनून और दूरदर्शिता ने इस टीम को जीवंत किया है। हॉकी को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता वास्तव में प्रेरणादायक है। मैं इस परिवार का हिस्सा बनकर भी रोमांचित हूँ, जो गोनासिका विजाग को लीग में एक पावरहाउस बनाने के लिए उनकी टीम का समर्थन कर रहा है।

उन्होंने कहा, मैं अपने भाइयों जैसे दो लोगों, रमेश डीपी दास और स्टीवन शिपिंग के अटूट समर्थन को भी स्वीकार करना चाहूंगा। हमारे पास भारतीय पुरुष हॉकी टीम के दिग्गज पूर्व कप्तान डॉ. दिलीप तिर्की हैं जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं, हमें सलाह देते हैं और हमें गौरव के मार्ग पर ले जाते हैं। गोनासिका विजाग परिवार के एक हिस्से के रूप में, मैं 28 दिसंबर को उद्घाटन समारोह में शामिल होने और हमारी टीम का उत्साहवर्धन करने के लिए उत्साहित हूं। आइए हम अपने खिलाड़ियों का समर्थन करें और विजाग को गौरवान्वित करें। आप सभी का धन्यवाद और गोनासिका टीम को शुभकामनाएं। गोनासिका ने पिछले महीने एचआईएल नीलामी में एक शानदार टीम बनाई थी। मनप्रीत और मंदीप इस टीम में सबसे महत्वपूर्ण भारतीय खिलाड़ी हैं, साथ ही भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व खिलाड़ी बीरेंद्र लाकड़ा, एस.वी. सुनील, एस.एल. उथप्पा और निकिन थिमैया भी इस टीम में शामिल हैं। उनके पास अरिजीत सिंह हुंदल और विष्णुकांत सिंह जैसे बेहद सम्मानित युवा भारतीय खिलाड़ी भी हैं।

टीम में विदेशी खिलाड़ियों में एफआईएच राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर 2022 टिमोथी क्लेमेंट, ऑस्ट्रेलियाई टिमोथी हॉवर्ड और ग्रेट ब्रिटेन से ओलिवर पायने, जैक वालर, जैकब ड्रेपर, ली मॉर्टन और स्टुआन वॉकर सहित एक बड़ा दल शामिल है।

गोनासिका के मालिक तारिणी प्रसाद मोहंती ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, संजय दत्त को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाकर हम रोमांचित हैं। गोनासिका के साथ उनका जुड़ाव हमारी टीम में उत्साह और ऊर्जा की एक अतिरिक्त परत लाता है। संजय का बड़ा व्यक्तित्व और खेलों के प्रति जुनून निस्संदेह हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों को प्रेरित करेगा। हमारी टीम अनुभवी दिग्गजों और युवा प्रतिभाओं का एक आदर्श मिश्रण है, चाहे वह घरेलू हो या अंतरराष्ट्रीय। हम आने वाले रोमांचक सीज़न की प्रतीक्षा कर रहे हैं और अपने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए सर्वश्रेष्ठ वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कोच जगबीर सिंह और मेंटर एम.एम. सोमाया के मार्गदर्शन में, हमें विश्वास है कि गोनासिका हॉकी इंडिया लीग में नए मानक स्थापित करेगी।

भारत ने टी-20 प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका में रचा इतिहास लगाई रिकार्डों की झड़ी

जोहान्सबर्ग, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत ने चौथे टी-20 में 283 रन का स्कोर खड़ा कर दक्षिण अफ्रीका में इतिहास रच दिया है। भारत का 283 रन का स्कोर दक्षिण अफ्रीका में टी20 मैच में अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। तिलक वर्मा और संजू सैमसन के शतकों की बदौलत भारत चेक गणराज्य और जापान के बाद सिर्फ़ तीसरी अंतरराष्ट्रीय टीम बन गई है, जिसके दो बल्लेबाजों ने एक ही टी20 पारी में शतक बनाए हैं।

अपनी पारी के दौरान, भारत ने 23 छक्के लगाए, जो एक टी20आई पारी में तीसरे सबसे ज्यादा छक्के हैं। इसके अलावा दो पूर्ण सदस्य पक्षों के बीच एक टी20आई में सबसे ज्यादा छक्के का भी रिकार्ड है।

संजू सैमसन और तिलक वर्मा के बीच नाबाद 210 रनों की साझेदारी अब टी20आई में भारत के लिए किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

तिलक वर्मा ने 47 गेंदों पर 120 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिससे वह संजू सैमसन के बाद दूसरे भारतीय और टी20आई क्रिकेट में लगातार शतक बनाने वाले कुल पांचवें खिलाड़ी बन गए।

संजू सैमसन ने 56 गेंदों पर 109 रन बनाकर पिछले पांच टी20आई में अपना तीसरा शतक बनाया।

मैच की बात करें तो इस मुकाबले में टॉस जीतकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने भारत के लिए ओपनिंग करते हुए 73 रनों की ठोस साझेदारी की। अभिषेक ने 2 चौके और 4 छक्के लगाते हुए 18 गेंदों मे 36 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन छठे ओवर में लुथो सिपामला

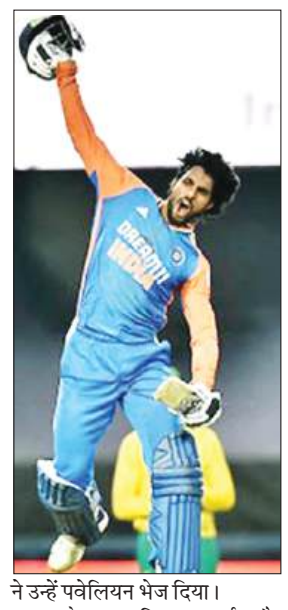

ने उन्हें पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद तिलक वर्मा और सैमसन ने आतिशी पारी खेली। 18वें ओवर में संजू सैमसन ने सिर्फ 51 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, इसके बाद अगले ही ओवर में तिलक वर्मा ने अपना दूसरा टी20 शतक बनाया। सैमसन और तिलक के बीच रिकॉर्ड तोड़ 210 रनों की साझेदारी से भारत ने 20 ओवरों में 1 विकेट पर 283 रनों का विशाल स्कोर बनाया। सैमसन ने 51 गेंदों पर 109 रनों की तूफानी पारी खेली, जबकि तिलक ने सिर्फ 47 गेंदों पर नाबाद 120 रनों की पारी खेली।

दवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 19 ओवर में 148 रनों पर सिमट गई। मेजबान टीम के लिए, ट्रिस्टन स्टब्स (29 गेंदों पर 43 रन, 3 चौके और 2 छक्के) और डेविड मिलर (27 गेंदों पर 36 रन, 2 चौके और 3 छक्के) शीर्ष स्कोरर रहे।

जेक पॉल ने दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन को हराया

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)।

युवा यूट्यूबर से मुक्केबाज बने जेक पॉल ने शुक्रवार रात 58 वर्षीय पूर्व हेवीवेट चैंपियन दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन पर सर्वसम्मति से जीत हासिल की। जजों के अनुसार मुकाबला करीबी नहीं था, एक ने पॉल को 80-72 की बढ़त दी, जबकि अन्य दो ने इसे 79-73 बताया। टायसन शुरुआती घंटी बजने के तुरंत बाद पॉल के पीछे आए और कुछ तेज़ मुक्के मारे, लेकिन बाकी समय उन्होंने कुछ और करने की कोशिश नहीं की। यह लगभग 20 वर्षों में टायसन का पहला स्वीकृत पेशेवर मुकाबला था, जहां उनका सामना एक नौसिखिए मुक्केबाज से था। टायसन के शुरुआती सेकंड में तेज धमाके के बाद पॉल अधिक आक्रामक हो गए, लेकिन मुक्के बहुत प्रभावी नहीं थे। कई बार उन्होंने बेतहाशा वार किए और चूक गए, हालांकि इसके बाद भी उन्होंने अंत में जीत दर्ज की। यह टायसन के लिए 2005 के बाद से पहली स्वीकृत लड़ाई थी, जबकि पॉल ने चार साल से थोड़ा अधिक समय पहले लड़ना शुरू किया था। यह मुकाबला मूलत: 20 जुलाई को होना था, लेकिन उड़ान के दौरान बीमार पड़ने के बाद पेट के अल्सर के उपचार के लिए टायसन को ले जाया गया, जिसके कारण इसे स्थगित करना पड़ा।

पॉल पोग्बा और जुवेंटस ने आपसी सहमति से अलग होने का किया फैसला

ट्यूरिन, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

पॉल पोग्बा और जुवेंटस ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है क्योंकि फ्रांसीसी मिडफील्डर को फुटबॉल से 18 महीने का प्रतिबंध झेलना पड़ रहा है। सितंबर 2023 में नियमित ड्रग टेस्ट के दौरान 2018 विश्व कप विजेता को डीएचईए के लिए सकारात्मक पाया गया, जो टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाने वाला पदार्थ है। इतालवी क्लब के साथ पोग्बा का अनुबंध आधिकारिक तौर पर 30 नवंबर, 2024 को समाप्त हो जाएगा, 31 वर्षीय पोग्बा मार्च 2025 में पिच पर वापसी की तैयारी कर रहे हैं।

जुवेंटस द्वारा जारी एक बयान में, क्लब ने ट्यूरिन में अपने समय के दौरान पोग्बा के योगदान को स्वीकार किया और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना की।

बयान में कहा गया, जुवेंटस फुटबॉल क्लब और पॉल पोग्बा ने घोषणा की है कि वे 30 नवंबर 2024 तक अपने अनुबंध को समाप्त करने के लिए आपसी समझौते पर पहुँच गए हैं। क्लब पॉल को उनके पेशेवर भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देता है।

पोग्बा ने क्लब और उसके प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, जुवेंटस में मेरा

समय समाप्त हो गया है। बियानकोनेरी शर्ट पहनना और साथ में इतने सारे खास पल साझा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है। मैं उन यादों को संजो कर रखूँगा जो हमने बनाई हैं।

शुरुआत में चार साल का निलंबन झेलने वाले पोग्बा ने प्रतिबंध को घटाकर 18 महीने करने के लिए कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में सफलतापूर्वक अपील की। ??मिडफील्डर ने निलंबन हटने के बाद और मजबूत वापसी करने का दृढ़ संकल्प बनाए रखा है।

जुवेंटस समर्थकों को समर्पित एक भावपूर्ण इंस्टाग्राम पोस्ट में, पोग्बा ने ट्यूरिन में अपने समय के दौरान प्रशंसकों के साथ साझा किए गए बंधन को दर्शाया। उन्होंने लिखा, ऐसे क्षण होते हैं जब चीजें उस तरह नहीं होतीं जैसा हम चाहते हैं, लेकिन एक बात निश्चित है: मेरे और आपके बीच का बंधन, प्रिय प्रशंसकों, अविस्मरणीय रहेगा। आपने मुझे इतना कुछ दिया है, जितना मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता, और मैं हमेशा आपके द्वारा दिए गए सभी स्नेह को अपने साथ रखूंगा। आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगे। शुभकामनाएं, जुवेंटस।

कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, पोग्बा लीग 1 में जाने की सोच रहे हैं, जिसमें मार्सिले एक संभावित गंतव्य के रूप में उभर रहा है। फ्रांसीसी फुटबॉल में वापसी से पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड स्टार को अपने करियर को फिर से जीवंत करने और अपने निलंबन के समाप्त होने के बाद प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी करने का मौका मिल सकता है।

यूएसपीएल 3 : वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज रहकीम कॉर्नवाल संभालेंगे अटलांटा ब्लैककैप्स की कमान

फ्लोरिडा,16 नवंबर (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी रहकीम कॉर्नवाल फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में होने वाले आगामी यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 में अटलांटा ब्लैककैप्स का नेतृत्व करेंगे।यूएसपीएल 3 का आयोजन 22 नवंबर से 1 दिसंबर तक किया जाएगा। 10 टेस्ट और 84 टी20 मैच खेल चुके रहकीम कॉर्नवाल अपनी टीम अटलांटा ब्लैककैप्स को सीजन के फाइनल में देखना चाहते हैं। टूर्नामेंट को लेकर रहकीम कॉर्नवाल ने कहा कि, अटलांटा ब्लैककैप्स का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। टीम में बेहतरीन खिलाड़ियों का संयोजन किया गया है और हमें बेसब्री से टूर्नामेंट का इंतजार है। पिछले सीजन में हम सेमीफाइनल में पहुंचे थे और मुझे उम्मीद है कि इस बार समापन ट्रॉफी पर पकड़ बनाने के साथ ही होगा। एंटीगुआ के क्रिकेटर ने आगे कहा, हर टीम अच्छा प्रदर्शन करना चाहती है और मुझे लगता है कि हमारी तैयारी अच्छी चल रही है। प्रशंसक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट देखना चाहते हैं और यूएसपीएल सीज़न 3 में अटलांटा ब्लैककैप्स इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। मैं उम्मीद करता हूं कि हम एक कड़े प्रतिद्वंदी बनकर उभरेंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच रोमांचक मुकाबले के साथ होगी, उसके बाद मैरीलैंड मावेरिक्स और अटलांटा ब्लैककैप्स के बीच दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। लीग में रोमांच बनाए रखने के लिए प्रतिदिन ट्रिपल-हेडर मुकाबले खेले जाएंगे ताकि प्रशंसकों को रोज एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने को मिले।

दोनों ही सेमीफाइनल 29 नवंबर को तो 1 दिसंबर को सीजन 3 का फाइनल खेला जाएगा।

टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही टीमें- कैरोलिना ईगल्स, अटलांटा ब्लैककैप्स, कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स, मैरीलैंड मावेरिक्स, न्यू जर्सी टाइटन्स, न्यूयॉर्क काउबॉय।

टीम अटलांटा ब्लैककैप्स- मिलिंद कुमार, अमिला अपोंसो, क्वामे पैटन जूनियर, देव सलियन, स्मित पटेल, सैयद साद अली, आकर्षित गोमेल, रहकीम कॉर्नवाल, आदिल भट्टी, स्टीफन वाइग, अली शेख, केल्विन सैवेज, जहमार हैमिल्टन, नकाश बशारत, जाहिदुल अलोम।

चोटिल मैथ्यू फोर्ड की जगह ओबेद मैककॉय वेस्टइंडीज की टी20 टीम में शामिल

सेंट लूसिया। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने बचे हुए दो टी20 मैचों के लिए चोटिल मैथ्यू फोर्ड की जगह ओबेद मैककॉय को टीम में शामिल किया है। पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले प्रशिक्षण के दौरान फोर्ड की जांघ में खिंचाव आ गया था, जिसके बाद मैककॉय को टीम में शामिल किया गया है। फोर्ड को शुरू में बारबाडोस में सीरीज का दूसरा मैच खेल रहे निलंबित अल्जारी जोसेफ के कवर के तौर पर शामिल किया गया था। सेंट लूसिया में जोसेफ की जगह उन्हें टीम में शामिल किया गया था। वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज 3-0 से गंवा दी है। मैककॉय कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के दौरान चोटिल होने के बाद टी20 सीरीज की शुरुआत के लिए उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने आखिरी बार अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान वेस्टइंडीज के लिए खेला था।

जीतन राम मांझी ने 43वें आईआईटीएफ में एमएसएमई मंडप का उद्घाटन किया

नई दिल्ली,16 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को यहां भारत मंडपम में 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के हॉल नंबर 6 में एमएसएमई मंडप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मांझी ने मंडप में विभिन्न प्रदर्शकों से बातचीत की और उन्हें मेले में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जीतन राम मांझी ने 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के हॉल नंबर 6 में एमएसएमई मंडप का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक 'नुक्कड़ नाटक' भी प्रस्तुत किया गया। उनके साथ एमएसएमई मंत्रालय के एएस एवं डीसी डॉ. रजनीश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मंत्रायल ने कहा कि एमएसएमई मंडप में देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 200 प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। इस बार मंडप का मुख्य विषय हरित एमएसएमई है, जो एमएसएमई द्वारा अपने व्यवसाय संचालन को बदलने के लिए स्वच्छ यानी हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर जोर देता है। इसके अलावा मंडप में पीएम विश्वकर्मा योजना पर भी प्रकाश डाला गया है, जो 18 व्यवसायों में लगे कारीगरों और शिल्पकारों को अंतिम सहायता प्रदान करने के लिए मंत्रालय की प्रमुख योजना है। इस योजना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर, 2023 को लॉन्च किया था। आईआईटीएफ-2024 के 43वें संस्करण में एमएसएमई मंडप में उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जा रही है, जिसमें कपड़ा, हथकरघा, हस्तशिल्प, कढ़ाई, चमड़े के जूते, खेल और खिलौने, बांस शिल्प, बेंत की वस्तुएं, रत्न और आभूषण, चीनी मिट्टी और मिट्टी के बर्तनों के उत्पाद, यांत्रिक वस्तुएं आदि शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

धर्म बदलो नहीं ...

जब उन्होंने इस्लाम नहीं स्वीकार किया तो उनका करियर खराब करने के प्रयास होने लगे और उनका प्रमोशन रोक दिया गया। गवाह नंबर-2 दलित समुदाय से आने वाली शिक्षिका हैं। उन्होंने बताया कि उनपर भी जामिया विश्वविद्यालय प्रबंधन ने धर्मांतरण का दबाव डाला। जब उन्होंने इस्लाम कबूलने से मना कर दिया तो उनके करियर में भी अड़ंगा लगाना शुरू हो गया। उन्हें जब केबिन मिला तो मुस्लिम स्टाफ ने खुलेआम यह कहना शुरू कर दिया कि एक काफिर को केबिन मिल गया। इसके बाद उनपर केबिन खाली करने के दबाव डाले जाने लगे।

गवाह नंबर-3 भी जामिया विश्वविद्यालय में शिक्षिका हैं। वह बताती हैं कि उन्होंने जामिया से ही अपनी एम.एड. की डिग्री हासिल की थी। उस समय प्रोफेसर ने उन्हें खुलेआम कहा था कि जब तक वो इस्लाम नहीं कबूलती तब तक वो अपनी डिग्री नहीं पूरी कर पाएंगी। शिक्षिका ने कहा, जिसने उन्हें ऐसी बात कही थी वह प्रोफेसर मौलाना आजाद नेशनल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति मोहम्मद मियां की पत्नी हैं। इसके अलावा अन्य फैकल्टी सदस्य जैसे सारा बेगम और फरहाना खातून ने भी उन्हें इस्लाम कबूल करवाने की कोशिश की थी। जब उन्होंने ऐसा नहीं किया तो उनपर काम का भार बढ़ा दिया गया। हफ्ते में 24 पीरियड की जगह उन्हें 38 पीरियड दिए जाने लगे। इतना ही नहीं, उन पर यह भी दबाव बनाया था कि वो मुस्लिम छात्रों को अच्छे नंबर दें। एक प्रोफेसर जिनका नाम अमुतुल हलीम था उसने तो यहां तक धमकी दी थी कि अगर इस्लाम नहीं कबूला तो उसका रेप हो सकता है, उसपर तेजाब फेंका जा सकता है या शायद उसे मार दिया जाए। उक्त शिक्षिका ने कहा, जब मेरे पति का निधन हुआ तो उसके बाद दबाव डाला गया कि मैं मुस्लिम सहकर्मी से निकाह कर लूं और धर्मांतरण कर लूं। उन्होंने खुलासा किया कि यूनिवर्सिटी में एमएस कुरैशी जैसे मौलवी, जिनके पास पीएचडी तक न हो उन्हें असिस्टेंट प्रोफेसर बना दिया जाता है। वहीं तबस्सुम नकी जैसे मुस्लिम छात्र जिनके एमएड में नंबर भी न हों उन्हें पीएचडी में एडमिशन मिल जाता है।

गवाह-4 दलित समुदाय से आने वाले प्रोफेसर हैं। उन्हें भी इस्लाम कबूलने को कहा गया था। जब उन्होंने इससे मना किया तो न केवल उनके खिलाफ झूठी शिकायतें की गईं बल्कि उनका करियर खत्म करने का प्रयास भी हुआ। गवाह-5 जामिया में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें भी मुसलमान बनाने की कोशिश हुई थी। जब उन्होंने किसी की नहीं सुनी तो उनसे कम उम्र के मुस्लिम साथियों को उनसे सीनियर बना दिया गया और उन्हें आर्थिक रूप से भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश हुई। उनका न केवल प्रमोशन रोका गया बल्कि उनके सम्मान को भी ठेस पहुंचाया गया। गवाह-6 ने भी कहा कि यूनिवर्सिटी में उनका करियर बर्बाद करने का प्रयास हुआ और प्रमोशन लेट हुआ क्योंकि उन्होंने इस्लाम कबूलने से मना कर दिया था। गवाह-7 का कहना है कि वो दलित वर्ग से आते हैं और उनको जामिया में कई तरह से प्रताड़ित किया गया। कभी उनसे चाय बनवाई गई तो कभी कप धुलवाए गए। इतना ही नहीं, झूठी शिकायतें भी उनके खिलाफ दायर करवा दी गईं। उन्हें इंसाफ के लिए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति/जनजाति आयोग से मदद मांगनी पड़ी थी।

गवाह-8 बताते हैं कि यूनिवर्सिटी में उन्हें इसलिए निशाना बनाया गया था क्योंकि उन्होंने इस्लाम कबूल करने से मना कर दिया था। उनका यह भी कसूर था कि उन्होंने विवि में वंदे मातरम गीत क्यों सुना। इस वजह से उन्हें अलग-अलग विभाग में पोस्ट किया जाता था जहां उनके लायक कोई काम न हो। उनके इंक्रीमेंट को रोक दिया गया और उन्हें जॉब से हटवाने के लिए फर्जी जांच तक करवाई गई। आखिर में उन्हें काम से ही जबरन रिटायर करवा दिया गया। गवाह-8 ने कहा कि उनके साथ एक आर्नेल कुमार थे जिन्होंने इस्लाम कबूल करके अब्दुल्ला नाम रख लिया था। यूनिवर्सिटी ने उन्हें प्रमोशन और लाभ दिए। गवाह-9 जामिया में सिक्योरिटी गार्ड थे। प्रशासन ने उन्हें पहले झूठे केस में जेल भिजवा दिया। गार्ड के जेल में होते हुए ही दबाव देकर गार्ड की पत्नी और बच्चों को मुस्लिम बनवा दिया। जब गार्ड जेल से बाहर आए तो उन्हें भी इस्लाम कबूल करने को कहा गया। उन्होंने इस्लाम कबूलने से मना कर दिया।

गवाह-10 ने बताया कि वो 2015 में यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। उस समय जब उन्होंने पीएम मोदी से जुड़ा पोस्ट साझा किया तो जामिया छात्रों ने उन्हें निशाना बनाया। उन्हें उनकी वेशभूषा के लिए, कलावा पहनने के लिए प्रताड़ित किया गया। इसके अलावा उन्हें गौमूत्र पीने और गोबर खाने वाला कहा जाता था। गवाह-11 जामिया के स्टाफ हैं और पिछड़ा वर्ग से आते हैं। उन्हें भी इस्लाम न कबूल करने पर बहुत कुछ झेलना पड़ा। उन्हें प्रताड़ित किया गया, झूठे इल्जाम लगाए गए, अलग-अलग जगह से धमकियां दी गईं। बाद में उन्होंने तंग आकर प्रोफेसर नाजिम हुसैन और शाहिद तस्लीम व नदीम हैदर के विरुद्ध एफआईआर कराई थी।गवाह-12 जामिया के पूर्व छात्र हैं और जैन धर्म को मानते हैं। लेकिन यूनिवर्सिटी में उन्हें मुस्लिम बनाने की कोशिश हुई। वहीं उनके धर्म को गालियां दी गईं। एक आदित्य नाम के छात्र को भी तीन मौलवियों ने इस्लाम कबूल करवाने की बहुत कोशिश की जिसमें एक मौलवी जामिया का ही था। गवाह-13 ने कहा कि जामिया में जो इस्लाम कबूलने से मना करता है उसे तो यातनाएं झेलनी पड़ती हैं लेकिन जो हिंदू कर्मचारी मुस्लिम बन जाता है उसे तमाम फायदे दिए जाते हैं। गवाह ने किसी चारू गुप्ता नाम की महिला का उदाहरण दिया जिसने एमएड के बाद इस्लाम कबूला तो उसे जामिया में शिक्षक की नौकरी मिली वो भी पर्मानेंट। इसी तरह प्राची शुक्ला को भी जामिया में मुस्लिम बनने के बाद अपॉइंट किया गया।

गवाह-14 इस बात की गवाह हैं कि उनकी सहेली भावना वशिष्ठ को दो मुस्लिम छात्र इस्लाम कबूल करवाना चाहते थे। भावना को इन्हीं कारणों से क्लास छोड़नी पड़ी। वहीं एक सिमरन सिंह जिसे इस्लाम में परिवर्तित करवाकर अलीगढ़ ले जाया गया। बाद में वो अलीगढ़ पुलिस की मदद से रिकवर की गई। गवाह-15 ने बताया है कि उन्होंने 2017-18 में जेएमआई के छात्रों के समूह द्वारा किए गए एक फेसबुक पोस्ट का विरोध किया था। उसके बाद वो जब एक दिन लाइब्रेरी से बाहर आए तो उन्हें घेरकर उनपर हमला किया गया। उन्होंने इस बाबत शिकायत भी दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। गवाह के अनुसार, होस्टल में तबलीगी जमात के लोग आते थे जो हिंदू धर्म छोड़कर लोगों से इस्लाम कबूलने को कहते थे।

गवाह-16 जामिया में पीएचडी के छात्र हैं। उन्होंने फेलोशिप के लिए अप्लाई किया था, मगर मुस्लिम छात्रों को फेलोशिप मिल गई, लेकिन उन्हें नहीं मिली। उलटा उन्हें ऑफिस के काम करने को कहा गया जबकि मुस्लिम छात्रों से ऐसा कुछ करने को नहीं कहा गया था। गवाह-17 ने खुलासा किया जामिया के कई सीनियर प्रोफेसर जमात-ए-इस्लामी, स्टूडेंट इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के साथ करीब से जुड़कर काम करते हैं। इन संगठनों का काम ही गैर-मुस्लिमों को मुस्लिम बनाकर देश को इस्लामी मुल्क बनाना है। गवाब-18 ने अपने बयान में बताया कि वह जामिया में भारतीय संस्कृति और सभी धर्मों के बारे में पढ़ने गए थे। वहां हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म के बारे में एक हफ्ते में पढ़ा दिया गया जबकि बाकी पांच महीना सिर्फ इस्लाम पढ़ाया जाता रहा। इस दौरान सभी धर्मों को तुच्छ बताया गया और कहा गया कि अगर जीवन में शांति चाहिए तो इस्लाम कबूलें। इसके अलावा एक हिंदू छात्रा को हिजाब पहनने के लिए दबाव बनाया गया

गवाह-19 ने बताया कि जामिया में मुस्लिम छात्र गैर मुस्लिमों पर कुरान पढ़ने, हदीस पढ़ने का दबाव डालते हैं और कहते हैं कि हर अन्य धर्म इस्लाम से छोटा है। रमजान के वक्त तो क्लास ही मुस्लिम छात्रों की सहूलियत के हिसाब से चलती है। गवाह के अनुसार, अगर यूनिवर्सिटी में कोई लिबरल मुस्लिम भी होगा तो वो कट्टरपंथियों की संगत में कट्टरपंथी हो जाता है। गवाह20 ने बताया कि वह पीएचडी में एडिमशन लेना चाहते थे, लेकिन प्रोफेसर नजीम हुसैन जाफरी ने कहा कि अगर वो इस्लाम कबूलेंगे तो ही उन्हें पीएचडी में एडमिशन मिलेगा और एक-दो साल में असिस्टेंट प्रोफेसर भी बना दिए जाएंगे। गवाह के अनुसार, उन्होंने प्रोफेसर अल्ताफ हुसैन को एक लड़की का यौन उत्पीड़न करते भी देखा। हालांकि लड़की जब दबाव के बावजूद मुस्लिम नहीं बनी तो उसे यूनिवर्सिटी छोड़नी पड़ी। इसी तरह एक नवनीत नाम की लड़की को भी मुस्लिम बनाया गया था।

गवाह-21 जामिया में पढ़ाई कर रहे छात्र हैं। उन्होंने बताया कि पहले दिन से उन्हें यहां भेदभाव झेलना पड़ रहा है। उन्हें एडमिशन के वक्त कहा गया मुस्लिमों के लिए सिर्फ जामिया और अलीगढ़ यूनिवर्सिटी ही है, फिर भी हिंदू यहां आ जाते हैं। इसके अलावा उन्होंने बताया कि जामिया में उन्हें दीवाली मनाने से भी रोका गया और धमकाया गया कि अगर हिंदूवादी प्रोग्रामों का हिस्सा लिया तो कभी पीएचडी पूरी नहीं होगी। छात्र ने यह भी बताया कि रमजान में हिंदू छात्रों को उनके साथ पानी तक लाने नहीं दिया जाता। होली मनाने पर मुस्लिम छात्र नारा-ए-तकबीर और अल्लाहू अकबर के नारे लगाते हैं। गवाह-22 जामिया के पूर्व कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें भी मुस्लिम बनाने के प्रयास हुए थे। सर्विस के वक्त अगर कोई हिंदू कर्मचारी की मौत हो गई तो फिर उसकी पेंशन, उसके मुआवजे को हमेशा लेट किया जाता था। अनुसूचित जाति के लोगों को कोशिश होती थी कि मुस्लिम बना दिया जाए। हाल यह है कि जामिया में भेदभाव इस कदर है कि कक्षा 1-2 में दाखिला भी लकी ड्रॉ से तय होता है ताकि कोई हिंदू दाखिला न ले ले।

गवाह-23 ने कहा कि साल 2012 में सुपरवाइजर बनने के बाद भी उनकी असली पहचान यूनिवर्सिटी में नहीं दिखाई जाती थी। वो देखती थीं कि जब कोई हिंदू वहां नमस्ते कहता है तो तुरंत उसे सलाम कहकर जताया जाता है कि वो एक मुस्लिम यूनिवर्सिटी है। गवाह-24 जामिया मिलिया के पूर्व कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि जामिया में उनके रिश्तेदार अजय को इस्लाम कबूल करवाया गया था। वहीं एक सफाई कर्मचारी भी मुसलमान बन गया था। क्लास-4 के कर्मचारियों को भी 5 लाख रुपए देकर धर्मांतरित कराया गया था। वहीं क्लास-3 के कर्मचारियों को प्रमोशन का लालच देकर मुसलमान बनाया गया। गवाह-25 जामिया की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने बताया कि अपनी पढ़ाई के दौरान उन्होंने देखा कि कैसे छात्राओं को इस्लाम कबूलने को कहा जाता था। उनके मुस्लिम कल्चर, मुस्लिम साहित्य और नमाज पढ़ने पर उनसे पूरा जेहादी गिरोह खुश रहता था

गवाह-26 एक पूर्व कश्मीरी छात्रा हैं। उन्हें कश्मीर मामले में थीसिस जमा करनी थी, मगर चूंकि आयशा नाम की क्लर्क उनके लिए टॉपिक से नाखुश थी इसलिए उसने वो थीसिस जमा करने में ही लेट करती रही। इसके अलावा छात्रा ने बताया कि होस्टल में वो मुस्लिम छात्रा के साथ रहती थी जो उन्हें उनके देवी-देवता की मूर्ति भी कमरे में नहीं लगाने देती थी। गवाह-27 जामिया की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने बताया कि वहां हिंदू लड़कियों को टारगेट बनाया जाता है। उन्हें मुस्लिमों के साथ रिश्ते में आने का दबाव होता है और फिर उन्हें इस्लाम में परिवर्तित करने के प्रयास होते हैं। छात्रा के अनुसार, उन्होंने खुद ये सब झेला था जिसके कारण उन्हें कॉलेज छोड़ना पड़ा।

इस रिपोर्ट में हर्षिता नामक लड़की से जुड़े मामले का जिक्र है, जिसे जामिया में लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा और उस पर इस्लामी वेशभूषा में रहने और धर्मांतरण करने का दबाव डाला जाता रहा। विडंबना यह है कि ऐसे मामलों को जामिया मिलिया पुलिस थाने में दर्ज नहीं किया जाता क्योंकि अहम पयाम सिद्दीकी नाम का आईपीएस अफसर जानिया का रजिस्ट्रार है। वह किसी को जामिया के खिलाफ या उसके प्रशासनिक स्टाफ के खिलाफ थाने में शिकायत नहीं दर्ज करने देता और थाने को मिला कर रखता है।

जो छात्र जामिया में ऐसी घटनाओं पर आवाज उठाते हैं उन्हें आरएसएस का सदस्य कह दिया जाता है। जतिन जैन इसका उदाहरण है जिसने इस अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाई तो उसकी कम्प्लेन लिखे जाने की जगह उसे आरएसएस वाला बता दिया गया। पुलिस ने तब भी उसकी एक नहीं सुनी जब उसके हाथ पर मुस्लिम छात्रों की हिंसा के कारण चोट आई। उलटा उसी के विरुद्ध जांच बैठा दी गई।

पीएम किसान...

इस्तेमाल करने का प्लान बना लिया।

गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने रांची और बाकी जगहों पर छापेमारी कर डॉक्टर इश्तियाक और उसके साथी आतंकियों इनामुल अंसारी, शाहबाज अंसारी, मोतिउर्रहमान और अल्ताफ को गिरफ्तार किया था। तब यह सामने आया था कि ये सभी आतंकी अल कायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट से जुड़े हुए हैं। इस मामले में राजस्थान में भी छापेमारी हुई थी। राजस्थान में हुई छापेमारी में अनामुल, शाहबाज, अल्ताफ, अरशद, हसन और उमर को गिरफ्तार किया गया था। यह राजस्थान के भिवाड़ी में हथियार चलाने की ट्रेनिंग ले रहे थे। यह भी सभी रहने वाले रांची के पास के गांव के ही है हैं।

सुरक्षा एजेंसियों को उनके पास से एके 47 राइफलें, प्वाइंट 38 बोर की रिवाल्वर और छह जिंदा कारतूस, .32 बोर की 30 जिंदा कारतूस, एके 47 की 30 कारतूस, इंसास राइफल, एयर राइफल, आयरन एल्बो पाइप, हैंड ग्रेनेड समेत अन्य आग्नेयास्त्र मिले थे। जांच में सामने आया कि आतंकी डॉक्टर इश्तियाक फिदायीन आतंकी दस्ता तैयार कर रहा था। इश्तियाक ने इसके लिए एक पहाड़ी इलाका चुना था। यहां वह अपने साथी आतंकियों को लाकर हमले की ट्रेनिंग देने वाला था।

दर्जनों स्वस्थ ...

राज्य के स्वास्थ्य सचिव द्वारा बनाई गई जांच समिति के सदस्य डॉ. प्रकाश मेहता ने बताया, हमारी रिपोर्ट से पता चला है कि डॉ. प्रशांत वज-ीरानी ने ख्याति मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. कार्तिक पटेल, डॉ. संजय पटोलिया, राजश्री कोठारी, सीईओ चिराग राजपूत और अन्य लोगों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के धन का दुरुपयोग किया और सरकारी पैसे का घोटाला किया।

डॉक्टर मेहता ने बताया, उन्होंने मरीजों की असली शारीरिक स्थिति के बारे में गलत जानकारी दी और एक आपराधिक साजिश रची। उन्होंने मरीजों को गुमराह किया, उन्हें झूठे बहाने से सहमति पत्र पर दस्तखत करवाकर स्टेंट लगाने और अनावश्यक एंजियोप्लास्टी और एंजियोप्लास्टी के लिए राजी किया। इस मामले में दर्ज की गई एफआईआर के अनुसार, इस गड़बड़ी के कारण दो मरीजों की मौत हो गई और बाकी को गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचा। क्योंकि ऑपरेशन इस तरह से किया गया जिससे और अधिक मौतें हो सकती थीं।

मृतकों के परिजनों द्वारा करवाई गई एफआईआर में बताया गया गया है कि ख्याति अस्पताल ने मरीज ढूंढ़ने के लिए 10 नवम्बर 2024 को मेहसाणा जिले के कडी तालुका के बोरिसाना गांव में एक मुफ्त जांच कैम्प आयोजित किया था। कैम्प के बाद अस्पताल ने 11 नवंबर को 19 लोगों को अपने अहमदाबाद वाले अस्पताल में भर्ती कर दिया। इन मरीजों से बताया गया कि उन्हें एंजियोग्राफी करवानी होगी। एंजियोग्राफी के बाद उनकी एंजियोप्लास्टी भी कर दी गई। इन मरीजों को उसी दिन स्टंट भी लगा दिए गए। स्टंट उन मरीजों को लगाया जाता है जिनकी खून की धमनियों में कुछ अवरोध पैदा हो जाता है और। यह स्टेट उनकी धमनियों से यह अवरोध हटाता है और हार्ट अटैक का ख़तरा कम करता है।

इस मामले में अहमदाबाद के जोन-1 के डीसीपी हिमांशु कुमार वर्मा ने बताया, अस्पताल के चेयरमैन कार्तिक जसु पटेल, सीईओ चिराग हीरासिंह राज-पूत, डायरेक्टर राजश्री प्रदीप कोठारी और बैरिएट्रिक सर्जन डॉ. संजय मुलजी पटोलिया पुलिस की गिरफ्त से फरार हैं। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ बीएनएस अधिनियम के तहत गैर इरादतन हत्या, गैर इरादतन हत्या का प्रयास, जालसाजी, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं। वस्त्रपुर पुलिस धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के लिए ख्याति अस्पताल के डॉक्टरों और प्रबन्धन के खिलाफ एक और शिकायत दर्ज करने पर विचार कर रही है।

मुस्लिम महिलाओं...

वक्फ बोर्ड ने अपना दावा पेश कर दिया था।

वक्फ बोर्ड की इस ओछी हरकत के बाद हजारों लोगों की मुसीबतें बढ़ गईं। राज्य पंजीकरण विभाग ने मलकाजगिरी की 100 से अधिक सर्वेक्षण नंबरों पर सम्पत्तियों की खरीद-फरोख्त पर रोक लगा दिया। मलकाजगिरी जिले के डिप्टी रजिस्ट्रार श्रीकांत के अनुसार 750 एकड़ जमीनों को वक्फ बोर्ड ने अपना करार दिया था। खास बात ये कि पंजीकरण विभाग ने इसे वक्फ के नाम पर रजिस्टर भी कर दिया।

झांसी अस्पताल में...

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुधा सिंह ने कहा कि इस घटना में घायल हुए अन्य 16 बच्चों का इलाज चल रहा है। घटना के वक्त एनआईसीयू में 50 से ज्यादा बच्चे भर्ती थे। हादसे की सूचना मिलते ही करीब 15 दमकलें मौके पर पहुंच गईं। सेना को भी बुला लिया। सेना एवं दमकल ने मिलकर आग बुझाई। बच्चों को सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार दिया जा रहा है, वे जल्द ठीक हो जाएंगे। आज सुबह डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक भी मेडिकल कॉलेज पहुंचे।

दोनों पार्टियों ...

इसमें स्टार प्रचारकों और नेताओं पर नियंत्रण रखने के लिए कहा गया था। ताकि सार्वजनिक शिष्टाचार का उल्लंघन न हो और चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन किया जा सके।

कांग्रेस ने 14 नवंबर को चुनाव अभियान के दौरान झूठे, विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बयान देने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। विपक्षी दल ने आयोग से महाराष्ट्र और झारखंड में शेष चुनाव अभियान के लिए पीएम मोदी और शाह को चुनाव संबंधी किसी भी गतिविधि से प्रतिबंधित करने, मामले की गहन जांच कराने की मांग की थी। कांग्रेस ने चुनाव अभियान के दौरान नफरती बयान देने वाले भाजपा में शामिल सभी नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि 8 नवंबर को पीएम मोदी ने नासिक और महाराष्ट्र के धुले में चुनावी रैलियों के दौरान कांग्रेस और उसके सहयोगियों को निशाना बनाते हुए कई झूठे, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बयान दिए। उन्होंने अपने बयानों में कांग्रेस के प्रमुख नेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी पर आरोप लगाए।

भाजपा ने 11 नवंबर को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की शिकायत की थी। भाजपा ने कहा था कि राहुल गांधी ने राज्यों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। उन्होंने संविधान की धज्जियां उड़ाईं और झूठ बोला कि भाजपा संविधान को नष्ट करने वाली है। यह झूठ है। हमने आयोग से कहा है कि इसे रोका जाना चाहिए। हमने आयोग को यह भी बताया कि राहुल गांधी ऐसा करने के आदी हैं और चेतावनी और नोटिस के बाद भी वे ऐसा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। मेघवाल ने कहा कि हमने राहुल गांधी के खिलाफ बीएनएस की धारा 353 के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

कानून है या...

बॉम्बे हाईकोर्ट के नागपुर पीठ के सिंगल बेंच जज गोविंद सनप ने 12 नवंबर को पारित आदेश में कहा, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित कानून कि पत्नी होने के नाते संभोग को बलात्कार नहीं माना जाएगा, स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस मामले में यह कहने की जरूरत है कि 18 साल से कम उम्र की लड़की के साथ यौन संबंध बलात्कार है, भले ही वह शादीशुदा हो या नहीं।

कोर्ट ने कहा, 18 वर्ष से कम उम्र की पत्नी के साथ संभोग बलात्कार है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मद्देनजर मौजूदा मामले में पत्नी के साथ सहमति से यौन संबंध बनाने के बचाव को स्वीकार नहीं किया जा सकता। यहां तक कि अगर उनके बीच विवाह हुआ था, फिर भी पीड़िता द्वारा लगाए गए आरोपों के मद्देनजर कि यह उसकी सहमति के खिलाफ यौन संबंध बनाया गया था, बलात्कार होगा।

राष्ट्रपति टीनूबू के..

क्योंकि 17 साल के बाद पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री इस अफ्रीकी देश के दौरे पर आ रहा है। इससे पहले, अक्टूबर 2007 में मनमोहन सिंह ने नाइजीरिया की यात्रा की थी। इस दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी स्थापित हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 17 नवंबर को नाइजीरिया के राष्ट्रपति विला में स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वह राष्ट्रपति टीनूबू के साथ अकेले में बैठक करेंगे और फिर प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों और इसके सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। नाइजीरिया के बाद पीएम मोदी ब्राजील पहुंचेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी 19-21 नवंबर तक दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। पीएम मोदी की गुयाना यात्रा इस मायने में खास है क्योंकि किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 1968 के बाद यह पहली यात्रा होगी।

रूस में ब्रिक्स की बैठक के एक महीने से भी कम अंतराल के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दोबारा मुलाकात ब्राजील में हो सकती है। दोनों नेता जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर एक और बैठक कर सकते हैं। दोनों ही ओर से शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात की संभावना तलाशी जा रही है।

जी-20 सम्मेलन के इतर मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से भी मुलाकात होगी। चूंकि अमेरिका में सत्ता परिवर्तन हुआ है और जनवरी में बाइडन की जगह डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की कमान संभालेंगे, ऐसे में इस द्विपक्षीय मुलाकात के संदर्भ में कोई खास कूटनीतिक हलचल नहीं है। कई अहम मुद्दों पर ट्रंप का बाइडन के इतर रुख रहा है, इसलिए कोई भी देश किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए नई सरकार के आने का इंतजार करेगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 17 नवंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पित्ती इंजीनियरिंग द्वारा निर्मित

जनरल वार्ड और पीडिएट्रिक आउटपेशेंट विंग उद्घाटित

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

औरंगाबाद स्थित हेडगेवार अस्पताल में पित्ती इंजीनियरिंग द्वारा निर्मित जनरल वार्ड तथा पीडियाट्रिक्स आउट पेशेंट विंग का उद्घाटन पित्ती इंजीनियरिंग तथा बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के चेयरमेन शरद ब. पित्ती द्वारा किया गया।

पित्ती इंजीनियरिंग के उपाध्यक्ष अक्षय पित्ती द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड द्वारा औरंगाबाद के हेडगेवार अस्पताल में नवजात शिशुओं तथा अन्य रोगियों की सुविधा हेतु आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित जनरल

वार्ड तथा पीडियाट्रिक्स आउट पेशेंट विंग का निर्माण लगभग 90 लाख रुपये की लागत से करवाया गया। जिसका उद्घाटन पित्ती इंजीनियरिंग तथा बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के चेयरमेन शरद ब. पित्ती द्वारा किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हेडगेवार अस्पताल के प्रमुख डॉ. अनंत पेनधारे ने जनरल वार्ड तथा पीडियाट्रिक्स आउट पेशेंट विंग के निर्माण हेतु पित्ती इंजीनियरिंग के चेयरमेन शरद ब. पित्ती तथा अक्षय पित्ती का आभार व्यक्त किया। उन्होनें कहा कि नए जनरल वार्ड तथा पीडियाट्रिक्स आउट पेशेंट विंग द्वारा वे रोगियों की और बेहतर सेवा कर पाएंगे। अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. महेश देशपांडे ने बताया कि अस्पताल द्वारा जरूरतमंद नवजात शिशुओं की चिकित्सा स्वयं सेवी संगठनों की सहायता से नाम मात्र के शुल्क पर की जाती है। शरद ब. पित्ती ने अपने संबोधन में कहा कि उनके द्वारा वैसे तो पित्ती इंजीनियरिंग तथा पित्ती ट्रस्ट द्वारा शिक्षा, चिकित्सा तथा अन्य कई क्षेत्रों में सेवा की जाती रही है लेकिन नवजात शिशुओं की चिकित्सा हेतु कुछ करने का यह उनका पहला अवसर है। उन्होंने घोषणा की कि पित्ती इंजीनियरिंग जरूरतमंद नवजात शिशुओं की चिकित्सा हेतु प्रतिवर्ष 24 लाख रुपये का अनुदान अस्पताल को देगा। डॉ. सतीश कुलकर्णी तथा डॉ. अभिषेक परलीकर ने सेवा कार्य के लिए शरद पित्ती, अक्षय पित्ती एवं पित्ती इंजीनियरिंग का धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर श्रीमती माधुरी पित्ती, राधिका पित्ती, अमारा पित्ती, विजय भरतिया, शैलेश डागा, रश्मि डागा, ऊषा गारोडीया, कनुप्रिया, रोहिणी, हरीश बागला, विभा बागला, अशोक जैन, सुजाता जैन, देव-न्शी जैन, समवित जैन, मोहित सिंघल, ईशान सिंघल, अरविंद पित्ती, राहुल गुप्ता, गिरिधर सांगानेरिया, कुमकुम सांगानेरिया एवं अन्य उपस्थित थे।

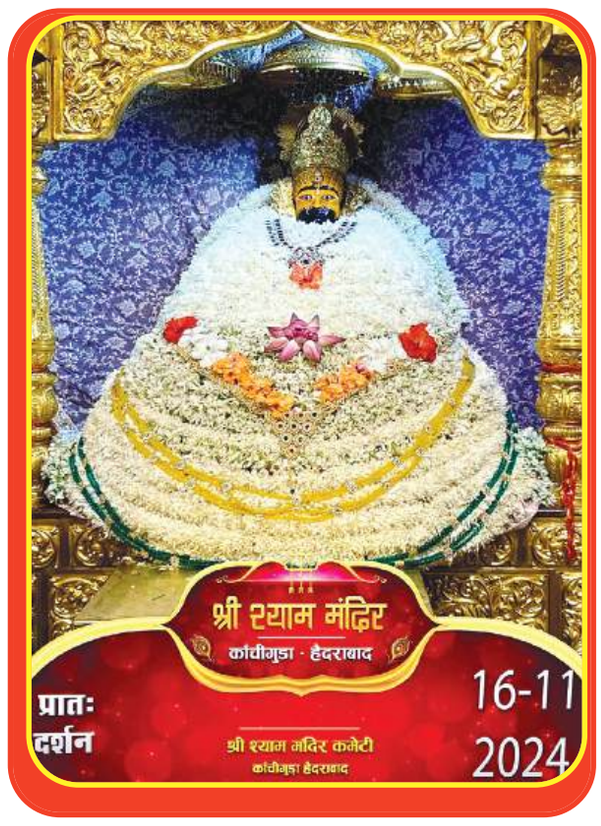

नागरखाना बेगमबाजार स्थित श्रीकाल भैरव मंदिर में अन्नकूट महोत्सव पर मंदिर के चेयरमैन मनी यादव वाइस चेयरमैन कुणाल यादव, पुजारी विकास शर्मा। इस अवसर पर लालचंद जायलवाल, रामदेव नागला, नेमीचंद-कुमावत, संदीप जायलवाल, पप्पू भाई, रविंद्र सिंह व अन्य भक्त उपस्थित थे।

तेलंगाना ने 15वें कूडो नेशनल्स, 5वें फ़ेडरेशन कप और 16वें अक्षय कुमार इंटरनेशनल कूडो टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। टीम कोच अनिकेत टिपनिस और टीम मैनेजर पवन कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम ने गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किये।

राज्यपाल को गौसेवा कार्यों की जानकारी दी गयी एवं सहयोग मांगा

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लव फॉर काऊ फाउण्डेशन तथा विभिन्न जीवदया संस्थाओं के पदाधिकारीयों ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से भेंट कर राज्य में संस्था द्वारा किये जा रहे गौसेवा एवं जीवदया कार्यों पर चर्चा की गयी तथा गौसेवा कार्यों के लिए सहयोग मांगा।

यहां लव फॉर काऊ फाउण्डेशन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि शनिवार दि. 16 नवम्बर को सोमाजीगुडा स्थित राजभवन में लव फॉर काऊ फाउण्डेशन की ओर से चेयरमेन गौरत्न जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, भारतीय प्राणीमित्र संघ की ओर से अध्यक्ष जैनरत्न जसराज श्रीश्रीमाल तथा गोवत्स फाउंडेशन के अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से भेंट कर उन्हें स्मृति चिन्ह, शॉल एवं पगडी द्वारा भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल को लव फॉर काऊ फाउण्डेशन, भारतीय प्राणीमित्र संघ तथा गोवत्स फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे जीवदया कार्यों की जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर लव फॉर काऊ फाउण्डेशन के चेयरमेन जसमत पटेल ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से कहा कि गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने, गौमाता से जुडे आध्यात्मिक व वैज्ञानिक तथ्यों को सुन्दरता के साथ प्रभावी ढंग से समाज में प्रचारित करना, गौरक्षा में जुडे कार्यकर्ताओं को सरकारी नियमों व कानून की जानकारी

प्रत्येक कार्यकर्ता को देना तथा उस आधार पर गोवध रोकने का प्रयास करना, गो गव्य प्रचार एवं गोशालाओं को स्वालंबी बनाने के लिए गो गव्यों का आर्थिक उपार्जन करने हेतु प्रयास करना एवं किसानों को जैविक खेती हेतु प्रेरित करना आदि विषय पर लव फॉर काऊ फाउण्डेशन द्वारा कार्य किया जा रहा है।जसराजी श्रीश्रीमाल ने राज्यपाल से कहा कि तेलंगाना में गौ वध निषेद्य एवं पशु संरक्षण अधिनियम 1977 के अनुसार प्रदेश में गौ एवं गोवंश, भैंस एवं बछड़ों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध है एवं अन्य पशु जैसे बैल-भैंस 14 वर्ष एवं कृषि उपयोगी होने तक उनके वध पर पूर्ण प्रतिबन्ध है। सक्षम अधिकारी से प्रमाण पत्र लेकर ही अनुपयोगी बैल-भैंस को वध के लिये लाईसेंस प्राप्त कत्लखानें में भेजने का सक्षम अधिकारी को अधिकार दिया गया है। दुर्भाग्य से सक्षम अधिकारी अपने अधिकारों का दुर्पयोग करते हुए भ्रष्ट अनुचित तरीकों से सरलता से प्रमाण पत्र दे देते हैं और गैर कानूनी रूप से पशु कत्लखाने भेज दिये जाते हैं जहां इन्हें क्रूरता से कत्ल कर दिया जाता है। आन्ध्र प्रदेश एवं तेलंगाना उच्च न्यायलायों ने कई बार सरकार को आदेश दिये हैं कि उपरोक्त कानूनों का कडाई एवं सख्ती से पालन करना चाहिये इसके बावजूद, राजनैतिक कारणों से सरकारें विशेष वर्ग की नाराजगी नहीं लेने के लिये, कानून को ताक पर रखते हुए धड़ल्ले से गौवंश को कत्लखाने को भेज देते हैं और यह सब पुलिस के नाक के नीचे हो रहा है।ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि लव फॉर काऊ फाउण्डेशन के माध्यम से चलाये जा रहे प्रतीदिन एक रुपया दान की जानकारी दी। बूंद-बूंद सरोवर भरें इस वाक्य अनुसार अगर हम रोज गौमाता के नाम एक रुपया निकलाते हैं तो वह महिने के 30 या साल के 365 रुपये होते हैं जो एक छोटी रकम है पर जब यह एक विशाल रूप धारण करता है तो इससे सरोवर समान राशि जमा हो जायेगी। जिसके फल स्वरूप हम एक बडे लक्षय को साध सकते हैं और फाउंडेशन को इसमें काफी सफलता भी प्राप्त हुई है। मुरली मनोहर पलोड ने गोवत्स फाउंडेशन के माध्यम से शहर की करीब 22 गोशालाओं में पिछले 10 वर्षों मे करीब 10.5 करोड रुपये की राशि का सहयोग किया गया तथा कोरोना काल में गोवत्स द्वारा राज्य ही नहीं बल्कि देश की कई गौशालाओं को चारा, दवाई आदि के लिये सहयोग किया गया। इसकी विस्तृत जानकारी राज्यपाल को दी।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राज्य में पी.सी.ए. एक्ट या एनीमल वेलफेर बोर्ड द्वारा देश में जारी कानून की जानकारी मांगी तथा उसके माध्यम से कैसे समाधन हो इस पर गंभीरता से चर्चा की। उन्होंने अपनी ओर से भी मुख्यमंत्री तथा पशुपालन विभाग को इस संबंध में पत्र लिखकर यथा संभव सहयोग करने का विश्वास दिलाया। उन्होंने लव फॉर काऊ फाऊंडेशन द्वारा चलाये जा रहे एक रुपये योजना पर भी जानकारी मांगी तथा डोनेशन बॉक्स में एक रुपया डालकर योजना हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।

तेरापंथ भवन से साध्वीश्री शिवमलाजी का मंगल विहार

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ भवन डीवी कोलोनी में विविध उपलब्धियों भरा चातुर्मास सम्पन्न कर शासन श्री साध्वीश्री शिवमालाजी आदि ठाणा-4 अपनी सहवर्तिनी साध्वियों के साथ मंगल विहार किया। विहार से पूर्व परम्-परागत राजा प्रदेशी का उपदेशात्मक प्रेरणाप्रद आख्यान का साध्वीश्री शिवमालाजी ने श्रवण करवाया। साध्वी श्री जी के मंगल प्रस्थान में जन सैलाब उमड़ता जा रहा था।

सभी संस्थाओं के पदाधिकारीगण, सदस्यगण की उपस्थिति रही। बृहद जुलूस के साथ मंगल जयकारों के मध्य मुख्य मार्ग से साध्वीश्री जी ने अपनी सहयोगिनी साध्वियों के साथ-विहार किया। इस विहार यात्रा में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुशील संचेती, जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महेन्द्र भंडारी की एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की महनीय उपस्थिति रही। जयघोषों के साथ साध्वीश्री सुरेश सुराणा के निवास स्थान पर पहुंची। जहां सुराणा जी ने साध्वी श्री का भावभीना स्वागत किया । साध्वी श्री ने कहा कि तेरापंथ का विनीत श्रावक श्राविका समाज अपना निरंतर विकास करता रहे।

तेलंगाना सचिवालय में एसपीएफ़ कर्मियों के लिए अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के अग्निशमन सेवा विभाग ने शनिवार को यहां सचिवालय में अग्नि सुरक्षा पर विशेष सुरक्षा बल (एसपीएफ) कर्मियों के लिए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया।एसपीएफ तेलंगाना सचिवालय की सुरक्षा की देखरेख करता है। कार्यक्रम के दौरान, जीवी प्रसाद, सहायक जिला अग्निशमन अधिकारी, जान्या और ए यादैया, स्टेशन अग्निशमन अधिकारियों के साथ बुनियादी अग्नि सुरक्षा प्रोटोकॉल और अग्निशामक यंत्रों तथा निश्चित अग्नि प्रतिष्ठानों के उपयोग पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।

ब्रोंटो स्काई लिफ्ट (बीएसएल) का उपयोग करके छत पर बचाव कार्यों का लाइव प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त, दो-व्यक्ति बचाव विधि, जिसमें श्वास अभ्यास और कृत्रिम श्वसन तकनीक शामिल है, के बारे में भी बताया गया।

श्री लक्ष्मीनरसिंह मंदिर चौक कसारहट्टा पर आयोजित देव दीपावली पुजा एवं अन्नकूट महोत्सव भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी गोवर्धन चौबे, गिरधारी चोबे, गोपाल चौबे, रामदेव नागला, नर-सिंहदास कासट, राधा किशन तोषनीवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय ने उप-पंजीयक कार्यालयों में शिकायत पेटी लगाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गलत काम करने वाले अधिकारियों पर लगाम लगाने और पंजीकरण प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार और महानिरीक्षक, स्टाम्प एवं पंजीकरण को प्रत्येक उप-पंजीयक कार्यालय में शिकायत/शिकायत पेटी लगाने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति एनवी श्रवण कुमार ने निर्देश दिया कि शिकायत पेटी को एक सुस्पष्ट स्थान पर रखा जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पीड़ित पक्ष उप-पंजीयक कार्यालय में आने वाली समस्याओं के बारे में शिकायत कर सके।उप-पंजीयक से उच्च अधिकारी जांच शुरू करेंगे और जनता द्वारा प्रस्तुत प्रत्येक शिकायत और शिकायत की जांच करेंगे और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करेंगे।इसके अलावा, न्यायालय ने आयुक्त और महानिरीक्षक, पंजीकरण एवं स्टाम्प को समय-समय पर शिकायत/शिकायत पेटी की देखभाल की जांच करने और लोगों द्वारा की गई शिकायतों के अनुसार गलत काम करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने शिकायतकर्ताओं को भविष्य के संदर्भ के लिए शिकायत की एक प्रति रखने के निर्देश भी जारी किए।न्यायमूर्ति श्रवण कुमार ने पंजीकरण कार्यालयों में अपनाई जा रही बढ़ती भ्रष्टाचार प्रथाओं पर चिंताओं के बीच ये निर्देश जारी किए। न्यायालय द्वारा पहले दिए गए आदेशों के बावजूद कि किसी भी दस्तावेज के पंजीकरण को मौखिक रूप से अस्वीकार नहीं किया जाएगा तथा एक निगरानी रजिस्ट्रार या सामान्य डायरी रखी जाएगी, जिसमें एक विशेष तिथि और समय पर कार्यालय में आने वाले पक्षों तथा जिस उद्देश्य से वे कार्यालय में आए हैं, उसकी प्रविष्टियां की जाएंगी, उप-पंजीयक कार्यालय इसका पालन नहीं कर रहे हैं।याचिकाकर्ताओं ने न्यायालय के ध्यान में लाया कि दस्तावेज लेखक, अधिकारियों की ओर से, पंजीकरण प्रक्रिया के लिए और अधिक रिश्वत की मांग कर रहे थे।

अग्रवाल शिक्षा समिति के जेकेपीएस एवं एलबीएमटी स्कूल में बाल दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित गणेशीलाल कानोडिया प्राइमरी स्कूल एवं लीलाबाई मोतीलाल तोंडवाला हाईस्कूल के प्रांगण में बाल दिवस मनाया गया।

बाल दिवस के उपलक्ष्य में मॉम एंड मी कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा प्रथम से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए म्यूजिकल चेयर्स, थ्रेड एंड निडिल, मेकअप आर्टिस्ट, नृत्य, रंगोली, फ़ायरलेस कुकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं और उनके अभिभावकों को स्मृति चिह्न देकर पुरस्कृत किया गया। कक्षा छठवीं से दसवीं तक के विद्यार्थियों के लिए भी मॉम एंड मी कार्यक्रम के अंतर्गत फ़्लॉवर डेकोरेशन, मेहंदी और फ़ायरलेस कुकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

फ़ायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता की निर्णायिका डीबी गर्ल्स जूनियर कॉलेज की व्याख्याता श्रीमती विजय लक्ष्मी रहीं। कक्षा दसवीं के छात्र-छात्राओं के लिए म्यूजिकल चेयर्स प्रतियोगिता आयोजित की गई।

विद्यार्थियों और अभिभावकों ने बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ सभी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपनी योग्यताओं और प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया, मानदमंत्री सीए रवीन कुमार अग्रवाल, समिति के संयुक्त मंत्री एवं जीकेपीएस, एलबीएमटी हाई स्कूल के कॉरेस्पॉन्डेंट रजेश कुमार अग्रवाल एवं को-ऑर्डिनेटर प्रदीप कुमार ने विद्यार्थियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीतिबाला ने विजेयी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को पुरस्कार प्रदान कर उनके उत्साह को दोगुना किया।

पंचायती बाड़ा में दीप महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्रीराम दरबार, भगवान श्री विजय शंकर, श्री हनुमान, श्रृंग ऋषि एवं शांता माता स्थित पंचायती बाडा में देव दीपावली पर दीप महोत्सव एवं श्री शालीग्राम संग तुलसी महारानी के विवाह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर रामदेव नागला, किशोर तिवारी, घनश्याम जोशी, मुरलीधर तिवारी, आनंद तिवारी, श्रीराम व्यास,कमल पांडिया , राजेश व्यास,लखन तिवारी,शिधारथ उपाध्याय, पुजारी भगवान दास वैष्णव, अजु वैष्णव, नारायण वैष्णव, प्रह्लाद वैष्णव व अन्य उपस्थित थे। महाआरती के पक्ष्चात प्रसाद वितरण किया गया।

जालोर सिरोही सांसद लुबाराम चौधरी का दक्षिण भारत में हुआ भव्य स्वागत

बाड़मेर चैन्नई नई यात्री ट्रेन के लिए रेल अधिकारियों से हुई मुलाकात

मंचेरियाल , 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान के जालोर सिरोही के सांसद लुंबाराम चौधरी के दक्षिण भारत के चेन्नई प्रवास के दौरान सांसद का भव्य स्वागत किया गया और सांसद ने दक्षिण भारत रेल अधिकारियों से मुलाकात कर नई यात्री ट्रेन चेन्नई से बाड़मेर व जोधपुर के लिए चलाने की मांग की। इस अवसर पर रेल संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं में जालम सिंह राठौड़, कल्याण सिंह ओंगोल, पवन कुमार भाजपा चेन्नई, राजस्थानी प्रवासी युवा मंडल के अध्यक्ष डार्विन शर्मा, बद्रीदान चारण नरपूरा जिन्होंने सांसद लुम्बाराम चौधरी को रेल अधिकारियों से मिलने के लिए निवेदन किया और निरंतर संपर्क में रहे और शनिवार को सांसद लुम्बाराम चौधरी ने रेल अधिकारियों से मुलाकात कर प्रवासी बन्धुओं के साथ रेलवे के अधिकारियों पर दबाव बनाया कि प्रवासियों की हर संभव मदद करे। प्रवासी बन्धुओं ने बताया कि जालोर सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी ने अब तक समदड़ी जालौर भीलडी रेल मार्ग की ट्रेन की समस्या को लेकर 15 से ज्यादा पत्र लिखे हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैश्णव रेलवे बोर्ड चेयरमैन व रेल राज्यमंत्री सहित कई मंत्रियों को पत्र लिखे और 25 नवंबर के बाद पुनः रेल मंत्री अश्विनी वैश्णव से मुलाकात कर प्रवासी बन्धुओं की 17 सालों से लम्बीत मांग जो चैन्नई से बाड़मेर व जोधपुर से चैन्नई व नई दिल्ली से जयपुर होते हुए अहमदाबाद या गांधीधाम के बीच वाया समदड़ी मोकलसर जालोर मोद-रान भीनमाल रानीवाड़ा धनेरा भीलडी रेल मार्ग पर होकर नई नियमित यात्री ट्रेन शुरू करने के लिए मांग रखेंगे। सांसद चौधरी ने प्रवासी बन्धुओं को आश्वासन दिया है कि वह रेलमंत्री से मिलकर इस वर्ष के अंत तक चैन्नई से बाड़मेर व चैन्नई से जोधपुर वाया समदड़ी जालोर भीलडी रेल मार्ग पर होकर यात्री ट्रेन चलाई जाने का प्रयास करेंगे।

बिहार समाज सेवा संघ ने प्रवासी मजदूरों पर बैठक

त्यौहार स्पेशल ट्रेन यात्रियों के साथ एक छलावा : राजू ओझा

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की एक विशेष बैठक प्रवासी मजदूरों को लेकर दुलापल्ली में महामंत्री विकास सिंह के निवास पर सम्पन्न हुई।

बैठक में बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजू ओझा, हैदराबाद इकाई के अध्यक्ष मनीष तिवारी, महामंत्री विकास सिंह, कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, पूर्व अध्यक्ष पप्पू सिन्हा, वरिष्ठ सदस्य गौरव प्रताप सिंह ,दीपक तिवारी, राकेश सिंह आदि उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम संजीवैय्या पार्क के बेबी पॉण्ड में हुए भव्य छठ पूजा प्रोग्राम की समीक्षा की गयी और सभी सदस्यों सहित शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगले वर्ष भी अधिक भव्य और व्यवस्थित रूप से छठ महापर्व का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में बोलते हुए राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने दिवाली और छठ पर्व को लेकर अपने गांव गये प्रवासी मजदूरों के वापस लौटने में हो रही परेशानियों की ओर सबका ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि अपनी जन्मभूमि से अपने कर्मभूमि लौटने के क्रम में श्रमवीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ना ट्रेन में सीट मिल रही है और ना समय की कोई पाबंदी है।राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने कहा कि त्यौहार स्पेशल ट्रेनों की हालत बेहद खराब है। रेलवे के अधिकारी केवल झूठे प्रचार के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की घो-षणा कर देते हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि इन रेलगाड़ियों का कोई माई-बाप नहीं है। ये ना समय से खुलती हैं और ना समय से अपने गंतव्य तक पहुंचती हैं। इनमें ना खान-पान की सुविधा है और ना सुरक्षा की। निर्धारित समय पर एक भी ट्रेन नहीं पहुंचती। उन्होंने कहा कि रेलवे के स्पेशल ट्रेनों की लेटलतीफी जगजाहिर है। ऐसी ट्रेनें 30 से 40 घंटे की देरी से पहुंच रही हैं, ऐसे में मजदूरों को रास्ते में खाने-पीने की भारी समस्या होती है और हजारों रुपये खाने में ही खर्च हो जाते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि बिहार- यूपी से कोई भी ट्रेन जब सिकंदराबाद स्टेशन पहुंचती है तो टीटी-टीसी का झुंड गिद्ध की तरह यात्रियों पर टूट पड़ता है और भोले-भाले मजदूरों से पैसे की उगाही करता है। उन्होंने दक्षिण मध्य रेलवे के उच्चाधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए कहा कि यदि टीटी-टीसी का ये गोरखधंधा बंद नहीं हुआ तो वे इसकी शिकायत रेलमंत्री और प्रधानमंत्री से करेंगे। जरुरत पड़ी वे रेल रोको जैसे आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। टिकट चेकिंग के नाम पर निर्दोष श्रमिकों के साथ हो रही लूट को कदापि बर्दास्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि प्रवासी मजदूर तेलंगाना के विकास के मेरुदंड हैं। शहरों की चकाचौंध और खेतों की हरियाली में इनके परिश्रम से निकले पसीने का योगदान है। इनको परेशान करके देश और प्रदेश को विकास के पथ पर आगे नहीं बढ़ाया जा सकता, ये बात सत्ता में बैठे और विपक्ष की राजनीति कर रहे सभी राजनीतिक दलों को ठीक ढंग से समझ लेनी चाहिए।

नानकशाही मठ, चमन हनुमान मंदिर में अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया। अन्नकूट में महन्त अमित शाह, महामंडेश्वर महन्त अमृत दास खाकी, महंत योगी प्रशांत दास, महंत अरुण दास, पार्षद शंकर यादव, पार्षद लाल सिंह, कमल दास, लक्ष्मी नारायण राठी, राजेश करवा, विमल किशोर करवा, प्रकाश बजाज, कमलेश बजाज, श्रीकिशन शर्मा ओम रामावत, गुलाब सिंह, सुनील कुमार पाण्डेय, केशव सागर, मंहत शिवपाल दास, मनीष व्यास, विनोद सिंह, राणा प्रताप आरएसएस, सुधीर आदि भक्तगण मौजूद थे।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्री ख्वालीकीदास मठ, बेगम बाज़ार में काकंड आरती एवं भव्य गरुड वाहन सेवा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। तत्पश्चात प्रसादी वितरित की गई। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर महन्त अमृत दास खाकी, महंत नर्शीग दास एवं अन्य भक्तगण उपस्थित थे।

दो दिवसीय अ. भा. संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी सम्पन्न

हिंदी में रक्षा वैज्ञानिक लेखन आत्मगौरव व आत्मनिर्भरता से जुड़ा हुआ है : प्रो. अन्नपूर्णा

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से संयुक्त राजभाषा समिति के तत्वावधान में दो-दिवसीय पहली अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), कीसर मंडल स्थित शांतिवनम, डीआरडीओ टाउनशीप, यादगारपल्ली, हैदराबाद में एमएसएस समूह (कलस्टर) की प्रयोगशालाओं : (1) उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस) यादगारपल्ली, हैदराबाद (2) अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), विज्ञान कांचा, हैदराबाद (3) उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), कंचनबाग़, हैदराबाद (4) रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), कंचनबाग़, हैदराबाद (5) विशेष परियोजना निदेशालय (डीएसपी), विज्ञान कांचा, हैदराबाद (6) चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ (7) एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चाँदीपुर, ओडिशा (8) एस एफ कॉम्प्लेक्स, जगदलपुर (छत्तीसगढ़) (9) डीआईसी, पानागढ़ (पश्चिम बंगाल) के संयुक्त तत्वावधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी के विषय थे : रक्षा के क्षेत्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, परीक्षण व मूल्यांकन की आधुनिकतम तकनीकें, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारत में इसका प्रभाव एवं रक्षा क्षेत्र में 5जी तकनीक का उपयोग तथा राजभाषा से संबंधित विचारोत्तेजक विषय रहे।उद्घाटन समारोह कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन, तत्पश्चात वंदना और फिर संयुक्त संगोष्ठी के अध्यक्ष श्री प्रवीण टंडन, वैज्ञानिक-जी ने अपना स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए कहा कि संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया। इस वर्ष को संपूर्ण देश में राजभाषा के हीरक जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं द्वारा वर्ष 2006 से प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। इस संगोष्ठी के लिए देशभर के केंद्रीय सरकारी कार्यालयों से संगोष्ठी के लिए दिये गये विषयों पर 75 शोध-पत्र प्राप्त हुए हैं जिन्हें इस अवसर पर प्रकाशित संस्मारिका में प्रकाशित किया गया है।संस्मारिका का विमोचन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि व हैदराबाद विश्वविद्यालय की हिंदी विभाग की अध्यक्षा प्रो. सी. अन्नपूर्णा के करकमलों द्वारा किया गयां। इस संस्मारिका में जो संदेश प्रकाशित किये गये, उनमें हैं रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) के सचिव व अध्यक्ष डॉ. समिर वी. कामत, नई दिल्ली, श्री यू. राज बाबू, विशिष्ट वैज्ञानिक व महानिदेशक (एमएसएस), हैदराबाद, डॉ. मनु कोरुला, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (आर एंड एम), नई दिल्ली, श्री सुनील शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक (डीपीएआरओ एंड एम), नई दिल्ली, जी. ए. श्रीनिवास मूर्ति, विशिष्ट वैज्ञानिक व निदेशक डीआरडीएल, हैदराबाद, श्री बी. वी. पापाराव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक एएसएल, हैदराबाद, अनिंद्य बिस्वास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक आरसीआई, हैदराबाद, डॉ. सिवसुब्रमणियम एन. विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक सीएएस, हैदराबाद, डॉ. अनुपम शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डीएसपी, हैदराबाद, डॉ. एम. राघवेंद्र राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक टीबीआरएल, चंडीगढ़, श्री कटारी सुचेंदर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक एकीकृत परीक्षण परिसर, चाँदीपुर (ओडिशा), डॉ. एमवीएल रमेश, वैज्ञानिक-एच व महाप्रबंधक एस. एफ़. काम्प्लेक्स, जगदलपुर (छत्तीसगढ़)। आयोजक संस्थाओं के अलावा डीईएएल, देहरादून, डीएमएसअ-रडीई, कानपुर, सीएबीएस, बेंगलुरु, डीएमआरएल, हैदराबाद, आर एंड डीई (ई), पुणे, डीपास दिल्ली, एआरडीई पुणे, पीएक्सई चाँदीपुर, हैदराबाद विश्वविद्यालय, ईसीआईएल (हैदराबाद) आदि से इस संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किये गये हैं।

डॉ. सिवसुब्रमणियम एन. ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस) में पहली बार अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में संदीप चट्टोपाध्याय, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह-निदेशक, सीएएस, डॉ. संजय आनंद राव खलाणे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, एएसएल, डॉ. एन. डी. पांडेय, वैज्ञानिक-जी, डीआरडीएल, डॉ. एम. के. गुप्ता, वैज्ञानिक-जी, आरसीआई, डॉ. एल. श्रीवर्धन, निदेशक प्रबंध सेवाएँ, सीएएस आदि ने भी इस संगोष्ठी की प्रशंसा करते हुए अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किये।

मुख्य अतिथि डॉ. अन्नपूर्णा ने कहा कि इस आयोजन से जुड़े सभी प्रयोगशालाओं, संस्थानों, वैज्ञानिकों, तकनीकी और राजभाषा कर्मियों को बधाई देती हूँ। हिंदी में रक्षा वैज्ञानिक लेखन पर चर्चा हेतु एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन कर राष्ट्रीय महत्व का कार्य कर रहे हैं।इस दो-दिवसीय संगोष्ठी में शोधपत्रों को प्रस्तुत करने हेतु छह सत्रों में बाँटा गया, जिसकी अध्यक्षता और संचालन के भार का निर्वाह श्री नील दूबे, श्री एजाज बेग मिर्ज़ा, डॉ. महेंद्र कुमार गुप्ता, श्री काज़िम अहमद, डॉ. एन. डी. पांडेय, श्री आयुष्मान श्रीवास्तव, श्री प्रमोद कुमार झा, श्री चिमाकुर्ती श्रीकांत, श्री प्रवीण टंडन, श्री महेश कुमार, श्री एम. जंगा रेड्डी, श्रीमती दिव्या नायर ने किया।संगोष्ठी आयोजन समिति मेंप्रवीण टंडन, डॉ. एन. डी. पांडेय, धीरेंद्र गुप्ता, डॉ. पी. अनिल कुमार, नील दुबे, पी. एन. पंडा, एस. भौमिक, अरुण कुमार महोदय, संतोष बोरले, अरविंद कुमार कुशवाहा, डॉ. अर्चना पांडेय, राकेश कुमार वर्मा, काज़िम अहमद, किरण केसकर के नाम सम्मिलित हैं। संगोष्ठी को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों के अलावा प्रमोद कुमार झा, टी. गोविंद सिंह, श्रीमती दिव्या नायर, सूरज कुमार पांडेय, ओम प्रकाश कुमार, वैभव सिंह गौड़, शांभवी शर्मा, सुग्रीव कुमार गौतम,गौतम कुमार महतो आदि की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही है।उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. अर्चना पांडेय और काज़िम अहमद ने किया। समापन समारोह में सभी शोध-पत्र प्रस्तुतकर्ताओं, सहयोगियों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी शानदार प्रस्तुति देने वाले सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ संगोष्ठी समारोह का समापन हुआ।

IN THE COURT OF THE HON'BLE SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURTS AT: HYDERABAD

S.O.P. No.133 OF 2024

BETWEEN:

1. **Banu Bee** W/o Abdul Gaffoor D/o Late Mohammed Moin Uddin, Aged about 64 Years, Occ: Housewife,R/o H.No.1-4-308/14/A, Bholakpur, Siddiq Nagar, VTC, Musheerabad, Hyderabad-500 020.
2. **Mohammed Saja Uddin** S/o Late Mohammed Moin Uddin, Aged about 53 Years, Occ: Business, R/o H.No.1-4-308/22/2, Bholakpur, Siddiq Nagar, VTC, Musheerabad, Hyderabad-500 020.
3. **Mohammed Mustafa** S/o Late Mohammed Moin Uddin, Aged about 48 Years, Occ: Business, R/o H.No.1-4-61/31/3, Bholakpur, Siddiq Nagar, VTC, Musheerabad, Hyderabad-500 020.
4. **Mohammed Rehana Begum** W/o Mohammed Yousuf Khan, D/o Late Mohammed Moin Uddin, Aged about 47 years, Occ: Housewife, R/o Plot No.197, Subhash Nagar, Qutubullapur, IDA Jeedimetla, K.V.Ranga Reddy, Telangana-500055
5. **Haneefa Bee W/o Akbar** D/o Late Mohammed Moin Uddin, Aged about 43 years, Occ:Housewife, R/o Telgaon, Bidar, Karnataka-585 328

.....Petitioners

AND

1. **Central Bank of India,** Musheerabad Branch O/o Raja Delux Complex, Musheerabad, Zamistanpur, Hyderabad-500 020 Rep. by its Branch Manager
2. **All Concerned** .....Respondents

Whereas the above SOP has been filed by the petitioners seeking succession in respect of outstanding amount of **Rs.1,01,981.05/-** paise in the credit of SB A/c No.3011052387 operated in the 1st Respondent Bank in the name of Late Mohammed Moin Uddin

Any person/persons having objection are hereby directed to remain present in person or through their counsel before the above mentioned court at 10:30 am on **02/12/2024,** failing which the matter will be decided with material on record available in the court.

(By Order of the Court)
M/s Praveen Kumar Challa, Advocate
O/o.2-1-340/16, 5th floor, Sai Tara Towers, Beside Fever Hospital, Nallakunta, Hyderabad-44 Mob.No.9985622482

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15821095M C&MH BHEEM KUMAR of AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my daughter name is changed from AARADHYA SINGH to SWASTIKA vide affidavit Sl.No.37AA 370953.

CHANGE OF NAME & DOB

I, DASTAGIRIAMMA Mother of Service No. 2616555P Hav Busannagari Sathish, R/o. 8-100, BC Colony, Vill-Polakal, Teh:CBelagai, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518462 have changed my name and DOB from DASTAGIRIAMMA, DOB:1-1-1956 to GOLLA DASTAGIRIAMMA, DOB:1-2-1950 vide affidavit dt:03-07-2024.

CHANGE OF NAME

I, B HANUMANTHU Father of Service No. 2616555P Hav Busannagari Sathish, R/o.8-100, BC Colony, Vill-Polakal, Teh:CBelagai, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh - 518462 have changed my name from B HANUMANTHU to GOLLA HANUMANTHU vide affidavit dt:03-07-2024.

CHANGE OF NAME

I, SARANGAPANI SARALA spouse of Service No. 7107380F Ex Hav G SARANGAPANI, R/o.H.No.31-72/15/1, J J Nagar, Sainikpuri PO, Hyderabad, Telangana have changed my name from SARANGAPANI SARALA to S SARALA vide affidavit dt:16-11-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Santoshi Mangamma w/o Ramesh Randhi R/o vill:venne,P.O:sesanapalli, Teh:Jami, dist: vizianagaram, state: Andhra Pradesh, pin:535250 changed my name from SANTOSHI MANGAMMA to RANDHI MANGA vide affidavit dt:17-11-2024 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME & DOB

I, SULOCHANA is legally wedded spouse of Bathini Anil Kumar R/o HNo-1-129,Village & Post-Chollaveedu, Tk- Giddalur, District - Prakash, PIN-523372, State- Andhra Pradesh have changed My Name from SULOCHANA to "BATHINI SULOCHANA" and DOB from 07/11/1992 to 04/05/1993 add in my husband Service documents vide affidavit dated 16/11/2024 before Notary G Ramchander Secunderabad.

इसरो ने एलन मस्क से मिलाया हाथ

भारत का अत्याधुनिक सैटेलाइट लॉन्च करेगी स्पेसएक्स

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने अमेरिका के दिग्गज उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स से हाथ मिलाया है। दरअसल इसरो के सबसे आधुनिक कम्युनिकेशन सैटेलाइट जीएसएटी-20 जिसे जीसैट एन-2 भी कहा जा रहा है, उसे अंतरिक्ष में स्पेसएक्स लॉन्च करेगी। अगले हफ्ते की शुरुआत में यह लॉन्चिंग होगी।

जीसैट एन-2 को अमेरिका के कैप कार्निवाल से लॉन्च किया जाएगा। यह 4700 किलो की सैटेलाइट किसी भारतीय रॉकेट द्वारा ले जाने के हिसाब से बहुत भारी है। यही वजह है कि इसरो ने इसकी लॉन्चिंग के लिए एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की मदद लेने का फैसला किया। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी का सबसे ताकतवर रॉकेट मार्क-3 है, जो पृथ्वी की भू स्थैतिक कक्षा में 4000-4100 किलोग्राम वजन ही ले जा सकता है।

भारत अब तक अपने भारी उपग्रहों को लॉन्च करने के लिए एरियनस्पेस कंपनी पर निर्भर था, लेकिन मौजूदा वक्त में कंपनी का कोई भी रॉकेट संचालन में नहीं है।

चीन के रॉकेट से भारत अपने उपग्रह लॉन्च करता नहीं है और यूक्रेन युद्ध के चलते रूस भी अपने रॉकेट को व्यवसायिक तौर पर लॉन्च करने की स्थिति में नहीं है। यही वजह है कि इसरो के पास स्पेसएक्स का ही विकल्प था। इसरो के वैज्ञानिकों का कहना है कि स्पेसएक्स से अपना उपग्रह भेजने के लिए उन्हें अच्छी डील मिली है। स्पेसएक्स अपने शक्तिशाली रॉकेट फाल्कन 9 से भारतीय उपग्रह को अंतरिक्ष में भेजेगा।

इसरो द्वारा तैयार किए गए जीसैट एन-2 उपग्रह 14 साल तक काम करेगा। यह एक वाणिज्यिक लॉन्च है। इस उपग्रह की मदद से भारत में नेटवर्क बेहतर होगा और हवाई सेवा के दौरान भी इंटरनेट कनेक्टिविटी मिल सकेगी।

ऐसा अनुमान है कि जीसैट एन-2 की लॉन्चिंग में फाल्कन 9 रॉकेट के इस वाणिज्यिक प्रक्षेपण पर 6-7 करोड़ डॉलर खर्च होंगे। इसके साथ ही एलन मस्क के उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाओं स्टारलिंक को लाइसेंस देने की मांग कर रहे हैं।

इससे साफ है कि एलन मस्क की भारत में रुचि बढ़ रही है। मस्क अब ट्रंप सरकार में भी काफी ताकतवर होकर उभरे हैं और ट्रंप सरकार में अहम जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

फडणवीस ने एमवीए पर बोला हमला

मतों के धर्म-युद्ध से करना होगा वोट-जेहाद का मुकाबला

पुणे, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव अपने चरम पर है। पक्ष-विपक्ष के नेता एक दूसरे पर जमकर हमला बोल रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वोट-जेहाद का मुकाबला वोटों के धर्म-युद्ध से करने की बात कही। इस दौरान उन्होंने महायुति सरकार के खिलाफ वोट जेहाद के लिए एक इस्लामी विद्वान की कथित अपील का जिक्र किया और दावा किया कि ऐसे प्रयासों के पीछे का उद्देश्य न केवल महाराष्ट्र सरकार बल्कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को भी अस्थिर करना था।

खड़कवासला में एक रैली के दौरान भाजपा नेता फडणवीस ने सज्जाद नोमानी का एक वीडियो दिखाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ लोग चुनावों के दौरान मतदाताओं को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना था कि उनकी

सरकार ने लड़की बहन योजना जैसी योजनाएं बनाई हैं, जो सभी धर्मों की महिलाओं के लिए हैं, न कि सिर्फ एक खास धर्म के लिए।

फडणवीस ने कहा, चुनाव आएंगे और जाएंगे, लेकिन कांग्रेस, शरद पवार और यूबीटी (उद्धव ठाकरे) ने तुष्टिकरण शुरू कर दिया है। हम किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं हैं। जब हमने लड़की बहिन योजना शुरू की, तो हमने नहीं कहा कि हम अपनी हिंदू बहनों को लाभ देंगे, हमने धर्म की परवाह किए बिना सभी बहनों को योजना प्रदान की, लेकिन कुछ लोग मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उलमा काउंसिल ने विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को 17 मांगों का एक चार्टर दिया है। उनमें से कुछ मांगें बहुत खतरनाक हैं, क्योंकि यह मुसलमानों के लिए 10 फीसदी आरक्षण की मांग कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन खतरनाक मांगों में से एक 2012 से 2024 तक दंगों में शामिल मुस्लिम युवाओं के खिलाफ मामले वापस लेना है। एमवीए ने लिखित में दिया है कि वे 10 फीसदी आरक्षण देंगे, अगर वे सत्ता में आए तो मामले वापस ले लेंगे। फडणवीस ने दावा किया कि वोट जेहाद का नारा लगाया गया है। अगर वोट-जेहाद होने वाला है, तो हमें वोटों का धर्मयुद्ध भी लड़ना होगा। उन्होंने कहा, आज हम एकजुट रहेंगे, तभी सुरक्षित रह सकते हैं।

दिशा पाटनी के पिता ने बाबा के झांसे में गंवा दिए 25 लाख

बरेली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता रिटायर्ड डीएसपी जगदीश पाटनी के साथ ठगी का मामला सामने आया है। उन्होंने पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इस बात की जानकारी पुलिस अधिकारियों ने दी है।

अधिकारियों के मुताबिक, पांच लोगों के ग्रुप ने जगदीश सिंह पाटनी को ऊंचा पद और आयोग में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बनवाने के नाम पर 25 लाख रुपए की ठगी की है।

बरेली पुलिस स्टेशन के एसए-चओ डीके शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि जगदीश सिंह पाटनी की तरफ से शुक्रवार देर शाम शिवेंद्र प्रताप सिंह, दिवाकर गर्ग, जनूा अखाड़े के आचार्य जय प्रकाश, प्रति गर्ग समेत पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और रुपये ठगने के आरोप में बरेली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई गई। एसएचओ ने कहा कि आरोपियों के ठिकानों की पहचान की जा रही है।

एसएचओ ने बताया कि बरेली सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाले जगदीश सिंह पाटनी ने आरोप लगाया है कि शिवेंद्र प्रताप सिंह उनके जानकार थे।

शिवेंद्र ने उनकी मुलाकात दिवाकर गर्ग और जूना अखाड़े के आचार्य जयप्रकाश से कराई। इन लोगों ने अपने गहरे राजनीतिक संबंधों होने का दावा किया।

इतना ही नहीं इन सभी ने जगदीश सिंह पाटनी को सरकारी आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और इससे भी बड़ा पद दिलाने का वादा किया। एसएचओ ने बताया कि जगदीश पाटनी को अपने भरोसे में लेने के बाद आरोपियों ने पाटनी से कुल 25 लाख रुपए ठग लिए। इसमें से पांच लाख रुपए तो नकद लिए थे और 20 लाख रुपए तीन अलग-अलग बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए।

जगदीश पाटनी ने आरोप लगाया कि जब तीन महीने में कोई भी काम नहीं हुआ तो आरोपियों ने पैसे ब्याज समेत लौटाने का वादा किया, लेकिन जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी, तो धमकियां देनी शुरू कर दीं और बुरा व्यवहार करने लगे। पाटनी ने आगे आरोप लगाया कि ठगों ने अपने राजनीतिक संबंधों के झूठे दावों को पुष्ट करने के लिए अपने एक साथी का परिचय हिमांशु नाम के ऑफिस ऑन स्पेशल ड्यूटी के रूप में कराकर उन्हें गुमराह किया। बड़ी धोखाधड़ी का शक होने पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद एफआईआर दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिंदूर धुलवा कर गंगा में करा रहे थे हिंदुओं का धर्मांतरण

बिहार के बक्सर में तीन पादरी गिरफ्तार

बक्सर, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार के बक्सर में हिंदुओं का ईसाई में सामूहिक धर्मांतरण कराने का मामला सामने आया है। यहां तीन पादरियों द्वारा 50 से 60 हिंदू महिलाओं एवं पुरुषों को ईसाई बनाने का मामला सामने आया है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिखकर रहा है कि पादरी महिलाओं को गंगा में नहवाने के बाद उनकी मांग से सिंदूर धुलवा रहे हैं और फिर उनके सिर पर क्रॉस बनवा रहे हैं।

वीडियो सामने आने के बाद हिंदू संगठनों ने जबरदस्त विरोध किया। इसको बाद पुलिस ने पादरियों को गिरफ्तार कर लिया। पादरी का कहना है कि सभी व्यक्ति अपनी मर्जी से आए थे और बाइबिल पढ़कर उन्होंने खुद धर्मांतरण का निर्णय लिया है। यह मामला गुरुवार 14

नवंबर को सिमरी थाना के नगपुरा गांव की महावीर गंगा घाट का है।

इनमें से एक पादरी सैमुएल तमिलनाडु से आया था, वहीं दो पादरी- राजू राम मसीह और राजीव रंजन राम बिहार के रहने वाले हैं।

भोजपुर के रहने वाले दलित समाज के पादरी राजू राम ने बताया कि उनके पास कई लोग आए और उन्होंने अपनी बीमारियों के बारे में बताया। राजू राम ने कहा, हमने उन्हें कहा कि आप दवाई लीजिए। मैं जीसस से प्रार्थना करूंगा कि आपकी बीमारी ठीक हो जाए। पादरी राजू राम ने आगे बताया, जिनके कष्ट दूर हुए, वे अपनी मर्जी से हमारा धर्म अपनाना चाहते हैं। वे आए तो हमने उन्हें बाइबिल के बारे में बताया। उन्हें ईसाई धर्म के बारे में शिक्षा दी। हमने किसी पर दबाव नहीं डाला। ये सारे लोग अपनी मर्जी से यहां आए थे। उन्होंने कहा, इसलिए हम पुलिस से मांग करेंगे की निष्पक्ष जांच हो, क्योंकि जिसे जो धर्म अपनाना है वो अपना सकता है।

सिमरी थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय के अनुसार, प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि इनमें से सभी लोग गांवों से आए हुए हैं। इन्हें गंगा घाट पर बाइबिल के अनुसार गुरु दीक्षा के लिए लाया गया था। स्थानीय प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए चेतावनी दी है कि धर्मांतरण कानून का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि पहले आदिवासियों के साथ छेड़छाड़ किया गया। अब गरीबों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के खिलाफ कठोर कानून लाने की आवश्यकता है। हर जिला इससे परेशान है। चमत्कार दिखाकर, स्वास्थ्य और शिक्षा के नाम पर परिवर्तन करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

कश्मीर में आतंक के साथ-साथ मानव-पशु संघर्ष भी बढ़ रहा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 16 नवंबर।

कश्मीर में हर महीने कम से कम एक व्यक्ति की जान मानव-पशु संघर्ष के कारण जा रही है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस क्षेत्र में इस तरह के संघर्षों के कारण हर साल लगभग 15 लोग अपनी जान गंवाते हैं। जबकि पिछले 18 वर्षों में, मानव-पशु संघर्ष की घटनाओं में 270 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 3,200 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

आंकड़ों से पता चलता है कि हाल के वर्षों में मौतों की संख्या में वृद्धि हुई है। 2020-21 के दौरान, पाँच लोगों की मौत हुई, जो 2021-22 में बढ़कर 10 हो

गई और उसके बाद के दो वर्षों में 14 और 16 हो गई। इसी तरह, इन चार वर्षों में घायलों की संख्या 87 से बढ़कर 89, फिर 65 और अंत में 181 हो गई। भोजन की तलाश में जंगल से बाहर निकलने वाले भालू और तेंदुओं की रिपोर्टें लगभग रोजाना आती रहती हैं, जिससे अक्सर कश्मीर में हमले होते हैं। वन्यजीव विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुख्य कारणों में मानव बस्तियों में वृद्धि, आवास विखंडन और कुत्तों की बढ़ती आबादी शामिल है, जो तेंदुओं के लिए आसान शिकार बन जाते हैं। इसके अतिरिक्त, एक व्यवहारिक बदलाव है जहां तेंदुए मानव बस्तियों के पास प्रजनन करते हैं।

इस अधिकारी ने कहा, जंगली जानवरों के आवासीय क्षेत्रों में आने को हमेशा मानव-पशु संघर्ष के रूप में लेबल नहीं किया जाना चाहिए; बल्कि, इसे मानव-पशु संपर्क माना जाना चाहिए जब तक कि मनुष्यों को चोट न लगे या फसलों को नुकसान न पहुंचे। वन्यजीव विभाग ने लोगों से ऐसे मुठभेड़ों से बचने के लिए निवारक उपाय करने का आग्रह करते हुए कई सलाह जारी की हैं। हालांकि वन्यजीव अधिकारी संचालन के दौरान उनकी सुरक्षा बढ़ाने के लिए ढाल, चेस्ट प्लेट, हेलमेट, शिन गार्ड और बछड़े के गार्ड जैसे सुरक्षात्मक उपकरणों की तत्काल आवश्यकता पर भी जोर देते हैं।

वन्य विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन, भूमि उपयोग पैटर्न में परिवर्तन और वन क्षेत्रों में या उसके आस-पास निर्माण गतिविधियाँ मानव-पशु संघर्ष को बढ़ाने में योगदान करती हैं। जंगली जानवरों के अपने परिवार और आबादी होती है, लेकिन मनुष्य उनके आवासों पर अतिक्रमण करना जारी रखते हैं। हालांकि वन्य अधिकारी कहते हैं कि बफर जोन जरूरी हैं और हम अक्सर जंगली जानवरों को अप्रत्याशित स्थानों से बचाते हैं, जैसे कश्मीर के शहरी इलाके।

कश्मीरी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य में आ रही गिरावट

जम्मू, 16 नवंबर (ब्यूरो)।

चाइल्ड गाइडेंस एंड वेलबीइंग सेंटर इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज श्रीनगर द्वारा तैयार वर्ष 2022-2023 के लिए वार्षिक रिपोर्ट ने कई चौंकाने वाला रहस्योद्घाटन करते हुए चेताया है कि अगर समय रहते हम सावधान नहीं हुए तो कश्मीरी बच्चों का मानसिक संतुलन और बिगड़ जाएगा। दरअसल इस रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि कश्मीर में फैले आतंकवाद ने कश्मीरी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को बिगाड़ दिया है।

इस रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट के लिए पारिवारिक गतिशीलता और सामाजिक आर्थिक कारक दो प्रमुख कारण हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कश्मीरी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट के पीछे कई कारक हैं। अभिभावक माता-पिता और उपेक्षापूर्ण पालन-पोषण की शैली के मुद्दे बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य बीमारी के 6.14 प्रतिशत का योगदान करते हैं। शैक्षणिक तनाव जिसमें परीक्षा तनाव और खराब शैक्षणिक प्रदर्शन भी शामिल है, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट का 15.68 प्रतिशत योगदान देता है।

रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि मनोवैज्ञानिक विकार कई कारकों से उत्पन्न होते हैं और इनका एक जटिल एटियलजि होता है और प्रस्तुत डेटा सीधे एक से एक कारण का सुझाव नहीं देता है, बल्कि क्लिनिक में देखी गई समस्याओं की सीमा को उजागर करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पारिवारिक आवास संबंधी मुद्दे, मानसिक बीमारी का पारिवारिक इतिहास, भाई-बहनों के बीच प्रतिद्वंद्विता और पारिवारिक कलह कश्मीरी बच्चों में देखे जाने वाले मनोवैज्ञानिक विकारों में 26.73 प्रतिशत का योगदान करते हैं। यह परिवार से संबंधित कारकों को सबसे बड़ा योगदान देने वाला कारण बनाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष (राजनीतिक और जातीय), निम्न सामाजिक-आर्थिक स्थिति, प्रियजनों की मृत्यु, सामाजिक कलंक और मादक द्रव्यों के सेवन सहित सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक कारक बच्चों में बढ़ते मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के 21.73 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं। अध्ययन में कहा गया है, कलह, बीमारी और अलगाव जैसे माता-पिता के मुद्दे बच्चों द्वारा सामना की जाने वाली मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों में 7.62 प्रतिशत योगदान करते हैं, जबकि आघात और दुर्व्यवहार, जिसमें बदमाशी, साथियों का दबाव, रिश्ते का तनाव और शारीरिक दंड शामिल हैं, बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी 9.29 प्रतिशत चिंताओं के लिए जिम्मेदार हैं।

यह आगे संकेत देता है कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के 12.77 प्रतिशत मुद्दे अन्य कारकों से जुड़े हैं, जिनमें गैजेट का अत्यधिक उपयोग शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र ने 2022-23 में कुल 18006 विजिट, 12477 फालो-अप और 5529 नए पंजीकरण दर्ज किए। रिपोर्ट में कहा गया है, केंद्र में 18006 बच्चों को तृतीयक देखभाल सेवाएं प्रदान की गईं। स्कूल आउटरीच के माध्यम से 13,165 छात्रों और शिक्षकों तक पहुंच गया।

सामुदायिक आउटरीच के माध्यम से 3961 माता-पिता/देखभाल करने वालों तक भी पहुंचा गया। इसमें कहा गया है कि 17,356 लाभार्थियों को मनोशिक्षा के माध्यम से कवर किया गया।

अखाड़ों को भूमि आवंटन के बाद शुरू होगा अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटन

प्रयागराज मेला प्राधिकरण 18-19 नवंबर को करेगा अखाड़ों को भूमि आवटंन

प्रयागराज, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

सनातन परंपरा के सबसे बड़े समागम महाकुंभ 2025 का आयोजन प्रयागराज में होने जा रहा है। सीएम योगी की दिव्य भव्य महाकुंभ की परिकल्पना ने महाकुंभ नगरी के रूप में आकार लेना प्रारंभ कर दिया है। इस दिशा में सबसे पहला कार्य सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक साधु-संन्यासियों के अखाड़े के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और सभी अखाड़ों के प्रतिनिधि पूज्य संतो से मिल कर परंपरा के अनुसार भूमि आवंटन का कार्य कर रहा है। प्राधिकरण की ओर से आश्वासन दिया गया है कि किसी भी सूरत में अखाड़ों को पिछले कुंभ से कम भूमि आवंटित नहीं की जाएगी। वहीं अखाड़ों को भूमि आवंटन पूरा होने के बाद अन्य संस्थानों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी। महाकुंभ 2025 के दिव्य भव्य आयोजन को लेकर प्रयागराज मेला प्राधिकरण पूरे जोर शोर से तैयारियों में जुटा है। प्रयागराज शहर के सौंदर्यीकरण व सुदृढ़ीकरण के साथ महाकुंभ नगरी ने भी आकार लेना शुरू कर दिया है। संगम नोज, गंगा घाटों के साथ, पैंटून पुलों, चेकर्ड प्लेट रोड़ों का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। इस दिशा में महाकुंभ की पहचान साधु-संत, अखाड़ों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। अपर मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि सीएम योगी के निर्देशों के मुताबिक किसी भी अखाड़े को पिछले कुंभ की तुलना में कम भूमि नहीं मिलेगी। भूमि आवंटन का कार्य सभी अखाड़ों की सहमति से 18 व 19 नवंबर को पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण के अधिकारी, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद तथा अन्य सभी अखाड़ों के प्रतिनिधियों से अलग-अलग वार्ता कर उनकी सहमति से भूमि आवंटन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रहे हैं।

अपर मेला अधिकारी ने भूमि आवंटन के बारे में बताते हुए कहा कि परंपरा अनुसार अखाड़ों को भूमि आवंटन के बाद ही अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी। चारों पीठों के शंकराचार्यों व दण्डी स्वामियों को भी परंपरा अनुसार उनके शिविर लगाने की भूमि आवंटित की जाएगी। साथ ही मेला प्राधिकरण अखाड़ों के शिविर के लिए भूमि, पानी और बिजली कनेक्शन के साथ शौचालय-नाली व साफ-सफाई की सुविधाएं उपलब्ध करवाता है। इसके अलावा महाकुंभ मेले के दौरान मेला प्राधिकरण समय-समय पर साधु-संतों की जरूरत के मुताबिक जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाएगा।

किशन रेड्डी ने की मूसी निद्रा कार्यक्रम की शुरुआत

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की चुनौती को स्वीकार करते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने शनिवार शाम को मूसी नदी के जलग्रहण क्षेत्र के इलाकों में रात बिताने के विरोध में ममूसी निद्राफ कार्यक्रम की शुरुआत की।

यह विरोध तेलंगाना सरकार द्वारा मूसी नदी पुनरुद्धार कार्यक्रम के तहत नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को बेदखल करने के फैसले के बाद किया जा रहा है।कांग्रेस सरकार प्रदूषण को दूर करने और नदी को पुनर्जीवित करने के लिए इन उपायों को जरूरी मानती है, वहीं भाजपा और बीआरएस सहित विपक्षी दलों ने इस कदम का कड़ा विरोध किया है।

रेवंत रेड्डी ने पहले विपक्षी नेताओं को जलग्रहण क्षेत्रों में एक रात बिताने की चुनौती दी थी ताकि निवासियों की स्थितियों और चुनौतियों को समझा जा सके। चुनौती को स्वीकार करते हुए किशन रेड्डी के नेतृत्व में भाजपा नेता मूसी नदी के किनारे नौ स्थानों पर रात बिताएंगे।

शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए किशन रेड्डी ने सरकार पर गरीब निवासियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, सरकार हैदराबाद में मूसी नदी के दोनों किनारों पर घरों को ध्वस्त करने की घोषणा कर रही है। मुख्यमंत्री इस बात पर जोर दे रहे हैं कि भले ही बुलडोजरों को प्रतिरोध का सामना करना पड़े, लेकिन गरीबों की दुर्दशा की परवाह किए बिना ध्वस्तीकरण जारी रहना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा नेता पिछले चार महीनों से प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं, उन्हें आश्वासन देने के लिए धरना चौक पर विरोध प्रदर्शन और धरने आयोजित कर रहे हैं। आज, हम उनके साथ एकजुटता दिखाने के लिए उनके घरों में सो रहे हैं। लोग सरकार की घोषणाओं से डरे हुए हैं, उन्हें डर है कि बुलडोजर कभी भी उनके घरों को नष्ट करने के लिए आ सकते हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने नदी में प्रदूषण के मूल कारणों को संबोधित करने की तुलना में सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देने के लिए सरकार की आलोचना की। राज्य सरकार नदी के सौंदर्यीकरण की आड़ में रियल एस्टेट परियोजनाओं को आगे बढ़ाते हुए गांडीपेट से चौटुप्पल तक जल निकासी के मुद्दों की उपेक्षा कर रही है। परियोजना अस्पष्ट है, और वित्त पोषण पर कोई पारदर्शिता नहीं है, जिसका अनुमान 1.5 लाख करोड़ से अधिक है। इस कदम को गरीबों के लिए झटका बताते हुए रेड्डी ने हाशिए पर पड़े लोगों के साथ खड़े होने की भाजपा की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और सरकार पर व्यावसायिक लाभ के लिए इस परियोजना का लाभ उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने कसम खाई कि भाजपा बेदखली से प्रभावित लोगों के अधिकारों के लिए लड़ना जारी रखेगी।

हैदराबाद की किशोरी फिलीपींस में मृत पाई गई

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फिलीपींस में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही 20 वर्षीय पटनचेरु निवासी चिंता स्निग्धा अपने जन्मदिन पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। वह यूनिवर्सिटी ऑफ परपेचुअल हेल्प सिस्टम में तीसरे वर्ष की छात्रा थी और शुक्रवार को अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई। स्निग्धा के पिता चिंता अमृत राव, जो मेदक जिले के ट्रांसको डिवीजनल इंजीनियर हैं, के अनुसार स्थानीय समयानुसार सुबह 11.30 बजे उसके दोस्त उसका जन्मदिन मनाने के लिए उसके कमरे में गए थे।

जब उसने कोई जवाब नहीं दिया, तो उन्होंने दरवाजा तोड़ा और उसे बेहोश पाया।

चंद्रबाबू के भाई राममूर्ति का निधन

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के छोटे भाई राममूर्ति नायडू का शनिवार को हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी इंदिरा और दो बेटे तेलुगु फिल्म अभिनेता नारा रोहित एवं नारा गिरीश है।

अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि श्री राममूर्ति का हैदराबाद में एआईजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। उन्हें पिछले सप्ताह बीमारी के कारण अस्पताल में

भर्ती कराया गया था। श्री राममूर्ति का आज 12:45 बजे निधन हो गया।

श्री राममूर्ति तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) से 1994 से 1999 तक चंद्रागिरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे। उन्होंने बीमारी के कारण हाल में कुछ वर्षो से सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली थी।

श्री राममूर्ति का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए तिरुपति जिले के चंद्रगिरी मंडल में उनके पैतृक गांव नरवरिपल्ली ले जाया जाएगा।

उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पार्टी की जमीनी स्तर पर उपस्थिति को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाई। एआईजी अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक उनका निधन दिल का दौरा पड़ने से आज दोपहर 12:45 बजे हुआ । राममूर्ति के निधन पर विभिन्न दलों के नेताओं ने शोक व्यक्त किया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पूर्व राज्यसभा सदस्य कनकमेदला रवींद्रकुमार और आंध्र प्रदेश की टीडीपी सरकार में मंत्री नारायण राममूर्ति ने सीएम चंद्रबाबू नायडू के भाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने अपने शोक संदेश में कहा, मराममूर्ति नायडू का निधन दुखद है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी पवित्र आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों को साहस प्रदान करें।फ

पूर्व राज्यसभा सदस्य कनकमेदला रवींद्र कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के भाई और पूर्व विधायक राममूर्ति नायडू का निधन दुखद है। उन्होंने कहा कि राममूर्ति नायडू ने चंद्रगिरि विधायक के रूप में निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को अतुलनीय सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने पार्टी के प्रति उनकी सेवाओं को अमूल्य बताते हुए उनकी सराहना की। कनकमेदाला ने राममूर्ति नायडू के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और उनकी आत्मा की शांति की कामना की।

भाई की मौत की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू दिल्ली से हैदराबाद के लिए रवाना हो गए। राममूर्ति नायडू का अंतिम संस्कार कल (रविवार) नरवरिपल्ले में होगा। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए नरवरिपल्ले में उनके पैतृक आवास पर रखा जाएगा।

हैदराबाद में बायो एग्री 2024 का चौथा संस्करण 19 से

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में बायो एग्री इनपुट प्रोड्यूसर एसोसिएशन (बीआईपीए) की ओर से टिकाऊ जैविक कृषि को समर्पित सम्मेलन और एक्सपो, बायो एग्री 2024 का चौथा संस्करण 19-20 नवंबर को रामोजी फिल्म सिटी में होगा।

यहां शनिवार को जारी एक बयान के अनुसार, यह आयोजन कृषि-इनपुट उद्योग के 200 से अधिक प्रतिनिधियों की मेजबानी करेगा और अत्याधुनिक तकनीकों और नवीन समाधानों का प्रदर्शन करने वाले 40 स्टॉल होंगे।

इसके अलावा, विशेषज्ञ टिकाऊ कृषि पद्धतियों, जैव प्रौद्योगिकी नवाचारों, जलवायु लचीलेपन और बाजार के रुझानों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे।

जाने-माने विशेषज्ञ संधारणीय कृषि पद्धतियों, जैव प्रौद्योगिकी नवाचारों, जलवायु लचीलापन और बाजार के रुझानों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे। सम्मेलन प्रतिभागियों को वैश्विक हितधारकों, उद्योग के नेताओं और नवप्रवर्तकों से जुड़ने के लिए प्रचुर नेटवर्किंग अवसर भी प्रदान करता है। एक्सपो का उद्देश्य कृषि क्षेत्र को बदलने वाली नवीनतम तकनीकों, उत्पादों और सेवाओं पर प्रकाश डालना है। बीआईपीए का बायो एग्री 2024 संधारणीय कृषि के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है, जो ज्ञान साझा करने, सहयोग और नवाचार के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.